हरिद्वार (देहरादून) एवं सहारनपुर से एक साथ प्रकाशित
सब पर नजर, सबकी खबर
शासकीय विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए मान्यता प्राप्त
e-mail: mail@thehawk.in, dainikhawk@gmail.com
www.dainikhawk.com

दैनिक हाक

e-edition
epaper.thehawk.in
Also Available On Your iPhone, iPad & Android
उत्तर भारत का सर्वोत्तम हिन्दी दैनिक
facebook.com/dainikhawk twitter.com/dainikhawk linkedin.com/company/dainikhawk
तेइसवां वर्ष अंक 108 पृष्ठ 12
हरिद्वार: रविवार, 17 दिसम्बर 2023
रूपया 2.00 मात्र * रू. 700 प्रतिवर्ष

रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाए जाने पर भारी बवाल

देश में कोरोना ने एक बार फिर बढ़ाई टेंशन

केरल की महिला में मिला सब-वेरिएंट जेएन-1, सिंगापुर में पहले से ढा रहा कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस के सब-वेरिएंट जेएन.1 का

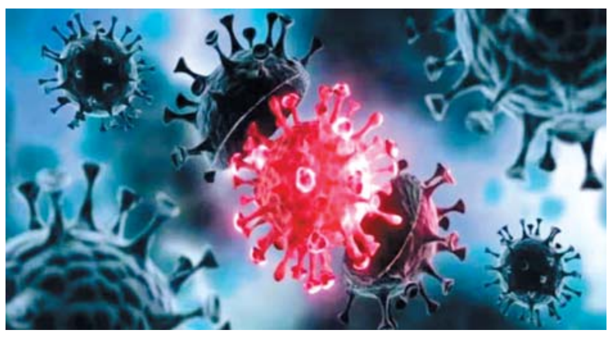

एक केस केरल में मिला है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 8 दिसंबर को इसकी शिकायत मिली थी।। उन्होंने कहा कि 79 वर्षीय महिला के सैंपल का 18 नवंबर को आरटी-पीसीआर टेस्ट किया गया जिसमें रिजल्ट पॉजीटिव मिला है। महिला में जुखाम जैसी बीमारियों के हल्के लक्षण थे और वह कोविड-19 से उबर चुकी थी। सूत्रों ने बताया कि भारत में वर्तमान में 90 प्रतिशत से अधिक कोरोना मामले गंभीर नहीं हैं और वे अपने घर पर अलग-थलग रह रहे हैं। इससे पहले, सिंगापुर में एक भारतीय यात्री में भी जेएन.1 सब-वेरिएंट के लक्षण मिले थे। व्यक्ति तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले का मूल निवासी था और उसने 25 अक्टूबर को सिंगापुर की यात्रा की थी। तिरुचिरापल्ली जिले या तमिलनाडु के अन्य स्थानों में संक्रमण पाए जाने के बाद मामलों में वृद्धि दर्ज नहीं हुई। सूत्र ने कहा कि भारत में जेएन.1 स्वरूप का कोई अन्य मामला नहीं है।

बीच समंदर छह लुटेरों ने कर लिया मालवाहक जहाज अगवा

- खतरा भांप भारतीय नौसेना ने की मदद, बाल-बाल बचा जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने शनिवार को कहा कि उसने अरब सागर में एक मालवाहक जहाज के अपहरण की कोशिश को नाकाम कर दिया है। नौसेना की ओर से कहा गया है कि छह अज्ञात लोगों ने 18 चालक दल वाले मालटा का ध्वज लगे मालवाहक जहाज एमवी रुएन पर कब्जा कर लिया

था लेकिन जैसे ही इसकी भनक लगी, भारतीय नौसेना के दल ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। नौसेना के युद्धपोत और समुद्री गश्ती विमान ने शुक्रवार शाम को माल्टा-ध्वज वाले जहाज एमवी रुएन को अपनी निगरानी में ले लिया और उसे समुद्री डाकुओं द्वारा अगवा होने से बचा लिया है। नेवी अभी भी उस जहाज की निगरानी कर रही है।

अगले साल टी20 वर्ल्ड कप खेलेगा ओमान

पीएम मोदी ने भारत आए सुल्तान को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक इस समय भारत दौरे पर हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में ओमान के सुल्तान के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। संयुक्त प्रतिनिधिमंडल की बैठक में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज हम एक नया भारत-ओमान संयुक्त दृष्टिकोण, भविष्य के लिए एक साझेदारी को अपना रहे हैं। इस संयुक्त दृष्टिकोण में दस अलग-अलग क्षेत्रों में ठोस कार्य बिंदुओं पर सहमति बनी है। मुझे विश्वास है कि संयुक्त दृष्टिकोण हमारी साझेदारी को एक नया और आधुनिक आकार देगा। साथ ही पीएम मोदी ने टी-20 क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए ओमान को बधाई दी। टी20 वर्ल्ड कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका की सह-मेजबानी में होगा।

ओमान के सुल्तान को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा, पिछले महीने, ओमान ने 2024 में होने वाले टी-20 क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इसके लिए आपको बधाई देता हूं। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय राज्य मंत्री वी मुरलीधरन और विदेश सचिव विनय क्वात्रा भी मौजूद थे। बता दें कि इजरायल-हमास संघर्ष भड़कने के बाद यह खाड़ी क्षेत्र के किसी शीर्ष नेता की पहली भारत यात्रा है।

आत्मदाह की थी प्लानिंग ऐन समय में बदला प्लान!

संसद घुसपैठ मामले में आरोपियों का पूछताछ में नया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की सुरक्षा में 13 दिसंबर को सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार पांचों आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि उन्होंने लोकसभा में कूदकर धुआं उड़ाने की योजना पर सहमति बनाने से पहले आत्मदाह करने और पर्चे बांटने जैसे विकल्पों पर भी विचार किया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल अब बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा का बयान भी दर्ज करेगी, जिनकी सिफारिश पर घुसपैठियों को संसद में प्रवेश का इजाजत मिली थी। सदन के भीतर सुरक्षा में सेंध लगाने वाले दो पुरुषों को सिम्हा के जरिए पास मिला था। आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी

शून्यकाल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे। उन दोनों ने सदन में केन से पीली गैस उड़ाते हुए नारेबाजी भी की थी, जिसके बाद सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया था। लगभग उसी समय संसद भवन के बाहर दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम वर्मा ने केन से रंगीन धुआं फैलाते हुए तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए थे। पांचवें आरोपी ललित झा ने परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर कथित तौर पर प्रसारित किए थे। जांच से अवगत दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, (लोकसभा कक्ष में कूदने की)इस योजना को अंतिम रूप देने से पहले उन्होंने (आरोपियों ने) कुछ ऐसे तरीके तलाशे थे जिनके जरिए वे प्रभावशाली तरीके से सरकार तक अपना संदेश पहुंचा सकें। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने सबसे पहले अपने शरीर को अग्निरोधक लेप से ढककर आत्मदाह करने पर विचार किया लेकिन फिर यह विचार त्याग दिया। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने संसद के अंदर पर्चे बांटने पर भी विचार किया।

बीआरएस-टीएमसी समेत कई क्षेत्रीय पार्टियां भी हुई मालामाल

- करोड़ों में मिल रहा इलेक्टोरल बांड, बीजेपी-कांग्रेस की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच क्षेत्रीय पार्टियों भारतीय राष्ट्र समिति, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस ने 2022-23 में इलेक्टोरल बांड के जरिए कुल 1,243 करोड़ रुपये जुटाए। एनुअल ऑडिट रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इससे पहले 2021-22 में इन दलों को संयुक्त रूप से 1,338 करोड़ रुपये

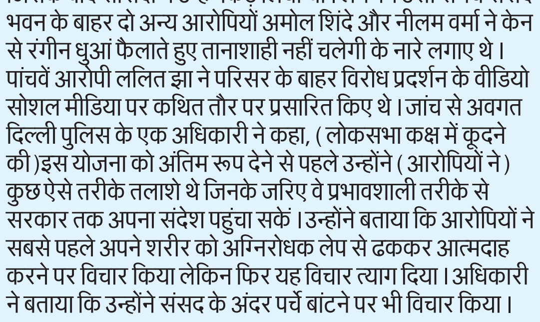

हासिल हुए थे। इन 5 दलों में इस बार सबसे ज्यादा चुनावी बांड बीआरएस को मिला है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को मिले कुल चंदे में से इलेक्टोरल बांड का हिस्सा 97 फीसदी, बीआरएस का 86 फीसदी, बीजेडी का 84 फीसदी, वायएसआर कांग्रेस का 70 फीसदी, और आरजेडी का 71 फीसदीरहा। आम आदमी पार्टी अब नेशनल पार्टी बन चुकी है जिसे 2021-22 में 36.4 करोड़ रुपये का इलेक्टोरल बांड मिला। इसकी कुल इनकम 2021-22 में 44.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 85.2 करोड़ पहुंच गई। एएपी का सालाना खर्च 30.3 करोड़ रुपये से बढ़कर 102 करोड़ पहुंच गया।

ताजमहल से भी अधिक सुंदर बनेगी अयोध्या की मस्जिद

बीजेपी नेता बोले-संतों को भी देंगे आमंत्रण, आईआईसीएफ कर रहा निर्माण

मुंबई (एजेंसी)। अयोध्या में मस्जिद मोहम्मद बिन अब्दुल्ला की आधारशिला अगले साल रखे जाने की संभावना है। समारोह के लिए संतों, पीर एवं मौलवियों को आमंत्रित किया जाएगा। परियोजना से जुड़े लोगों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस मस्जिद के निर्माण का काम इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) को सौंपा गया है। अयोध्या मस्जिद विकास समिति के अध्यक्ष हाजी अरफात शेख ने कहा कि जब मस्जिद अगले पांच से छह वर्षों में तैयार हो जाएगी, तो मक्का मस्जिद में नमाज का नेतृत्व करने वाले इमाम-ए-हरम सहित सभी देशों के शीर्ष मौलवियों को आमंत्रित किया जाएगा। भाजपा नेता और महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष शेख ने कहा कि मस्जिद प्रतिष्ठित ताजमहल से भी अधिक सुंदर होगी। शेख ने कहा, हम आधारशिला रखने के लिए देशभर से संतों और पीरों को आमंत्रित करेंगे, जो अगले साल की शुरुआत में होने की संभावना है। पैगंबर के नाम पर मस्जिद को मोहम्मद बिन अब्दुल्ला नाम दिया गया है। इसका निर्माण अयोध्या से 25 किलोमीटर दूर धन्नीपुर में एक अलग स्थान पर किया जाएगा। यह भूखंड अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुसलमानों को दिया गया है। इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के अध्यक्ष और मुख्य ट्रस्टी जुफर अहमद फारुकी ने कहा, हम अगले साल मस्जिद की आधारशिला रखने की उम्मीद कर रहे हैं और हम समारोह के लिए देश भर से मौलवियों को आमंत्रित करेंगे। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष फारुकी ने कहा, मस्जिद तैयार होने पर हम दुनिया भर से गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करेंगे। मस्जिद के अलावा मस्जिद विकास समिति ने और कई बातें रखीं।

वेटिंग लिस्ट भूल जाइए! अब मिलेगी कंफर्म सीट

- रेलवे का 1 लाख करोड़ रुपये वाला प्लान जल्द लेगा आकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे अगले कुछ बरसों में 1 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश की तैयारी में है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कई सारी नई ट्रेनें चलाने का प्लान है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की ओर से उठती मांगों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह बड़े अपग्रेड का हिस्सा है जिसका मकसद यात्रियों और माल ढुलाई के लिए ट्रेनों की उपलब्धता को बढ़ाना है। उन्होंने कहा, हम पुराने रोलिंग स्टॉक को बदलना चाहते हैं। इसके लिए 7000-8000 नए ट्रेन सेट की जरूरत होगी। इसे लेकर अगले 4-5 सालों में टेंडर

जारी होंगे। इसमें करीब 1 लाख करोड़ रुपये में ट्रेनों की खरीद वाले टेंडर शामिल हैं। अगले 15 साल में हम पुराने रोलिंग स्टॉक को पूरी तरह बदलना चाहते हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेलवे वित्त वर्ष 24 के लिए अपने 2.4 लाख करोड़ रुपये के बजट का 70ब्र इस्तेमाल कर चुका है। उन्होंने कहा कि ट्रैक बिछाने वाले प्रोजेक्ट की प्रगति योजना के तहत चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 2030 तक आर्थिक विकास के मौजूदा स्तर को पूरा करने के लिए रेलवे में करीब 12 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि ट्रेनों की प्रस्तावित खरीद में मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट और भारत के भीतर उत्पादन को अनिवार्य करने की शर्तें शामिल होंगी।

छत्तीसगढ़ में गोधन और राजीव गांधी न्याय स्कीम होंगी बंद

सरकार बदलने के बाद अटकलें तेज, नए कलेवर में आ सकती हैं कुछ पुरानी योजनाएं

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के आने के बाद भूपेश सरकार की कई योजनाओं को बंद करने की अटकलें हैं। कुछ योजनाओं के नाम और कलेवर बदले जा सकते हैं। पिछली सरकार की कई योजनाओं को लेकर बीजेपी मुखर रही है। प्रदेश के नए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आगे बैठकें लेकर समीक्षा की जाएगी। जिन योजनाओं को बंद करना होगा बंद करेंगे, जो जरूरी होंगी उन पर विचार किया जाएगा।

भूपेश सरकार की नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना और राजीव मितान क्लब जैसी योजनाओं को मौजूदा सरकार बंद कर सकती है। जबकि बिजली बिल हाफ, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, भूमिहीन कृषि मजदूर योजनाओं के नाम और स्वरूप बदले जा सकते हैं।

2018 में सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नारा दिया- छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी, नरवा-गरवा-घुरवा अउ बाड़ी, एला बचाना हे संगवारी। इस योजना के तहत गावों में सिंचाई के साधन उपलब्ध कराना, पशुधन के लिए गौठानों की व्यवस्था, मवेशियों के गोबर और मूत्र से खाद बनाने के साथ ही गांवों में बाड़ी बनाकर फल-फूल और सब्जियां उगाना था। योजना का मकसद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाना था। हालांकि इस योजना को लेकर कई विवाद भी जुड़े रहे। योजना में हुए कथित भ्रष्टाचार और सामने आई शिकायतों को लेकर विष्णुदेव साय सरकार जांच बैठा सकती है और योजना को बंद कर सकती है।

दुश्मन को कहीं से टारगेट कर चुपचाप लौट आएगा यह ड्रोन

डीआरडीओ ने कर दिया कमाल, थर्रा उठेंगे चीन और पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की तरफ एक और कदम बढ़ाते हुए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेश निर्मित स्टेल्थ ड्रोन की सफल टेस्टिंग की। इस कड़ी में कर्नाटक के चित्रदुर्ग से स्वदेशी हाई-स्पीड फ्लाइंग विंग यूएवी श्रेणी के ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर ड्रोन ने दूसरी बार उड़ान भरी। टेललेस कॉन्फिगरेशन वाले इस ड्रोन की सफल उड़ान के साथ भारत उन देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जिन्हें फ्लाइंग विंग कॉन्फिगरेशन में महारत हासिल है। इस यूएवी को डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) बेंगलुरु द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। इस ड्रोन ने पहली उड़ान जुलाई 2022 में भरी इसके बाद दो इन-हाउस निर्मित प्रोटोटाइप का उपयोग करते हुए अन्य चरणों में छह फ्लाइट टेस्ट किए गए। अमेरिका के बी-2 बॉम्बर ड्रोन की तरह नजर आने

वाला यह विमान पूरी तरह से ऑटोमेटिक है। ड्रोन की खासियत है कि यह चुपचाप अपना टारगेट पूरा कर अपने आप ही लैंड कर जाएगा। मानवरहित विमानों के विकास की दिशा में डीआरडीओ की तरफ तैयार किया गया यह ड्रोन भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। ड्रोन अपनी उड़ान के दौरान छोटे टर्बोफैन इंजन का इस्तेमाल करता है। विमान के लिए उपयोग किए जाने वाले एयरफ्रेम, अंडरकैरिज, पूरा फ्लाइट कंट्रोल और एवियोनिक्स सिस्टम स्वदेशी है।

15 नहीं अब 90 दिनों तक अपनी कस्टडी में रख सकती है पुलिस

सीआरपीसी में हो रहे संशोधन के बाद बदल जाएगा बहुत कुछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र में लोकसभा में तीन नए क्रिमिनल बिल पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही इन बिलों को पेश कर चुके हैं। तीनें नए बिल का नाम भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य बिल-2023 रखा गया है, जो क्रमश: इंडियन पीनल कोड

(आईपीसी), कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर (सीआरपीसी) और इंडियन एविडेंस एक्ट में बदलाव करेंगे। इन तीनों बिलों को बदलने के लिए पहले जो बिल पेश किए गए थे, उन्हें संसद की स्थाई समिति के पास भेज दिया गया था। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद इन बिलों को वापस ले लिया गया था और अब इन्हें रिड्राफ्ट करके फिर से पेश किया गया है। सीआरपीसी की जगह आ रहे नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 में सामान्य आपराधिक कानून के तहत पुलिस हिरासत की अधिकतम सीमा को 15 दिनों से बढ़ाकर 60 दिन या 90 दिन (अपराध की प्रकृति के आधार पर) कर दिया गया है। मौजूदा कानून के तहत किसी शख्स की गिरफ्तारी से पहले उसे पुलिस हिरासत में अधिकतम 15 दिनों तक ही रखा जा सकता है लेकिन नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के तहत पुलिस किसी को भी अधिकतम 90 दिनों तक हिरासत में रख सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों ने तीन घंटे बंद रखा ढेला और झिरना पर्यटन मार्ग, मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं ग्रामीण

नैनीताल, एजेंसी। रामनगर में बाघ के हमले में मारी गई महिला के परिजनों को 25 लाख मुआवजा सहित अन्य मांगों को लेकर ग्रामीणों ने धरना देकर तीन घंटे तक ढेला गेट बंद किया। ग्रामीणों ने आगामी 21 दिसंबर को वन परिसर रामनगर में धरने की चेतावनी दी। रामनगर में बाघ के हमले में मारी गई महिला के परिजनों को 25 लाख मुआवजा सहित अन्य मांगों को लेकर ग्रामीणों ने धरना देकर तीन घंटे तक ढेला गेट बंद किया। इस पर पर्यटकों को दूसरे रास्ते से पर्यटन जोन में सफारी के लिए भेजा गया। समस्याओं का समाधान न करने पर ग्रामीणों ने आगामी 21 दिसंबर को वन परिसर रामनगर में धरने की चेतावनी दी। बृहस्पतिवार को धरने पर वक्ताओं ने कहा कि हम पर्यावरण व टाइगर संरक्षण के खिलाफ नहीं है लेकिन इंसानों को मारकर जानवरों को बचाने की नीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बाघ और तेंदुए गांव में आकर लोगों पर हमला कर रहे हैं। कहा कि वन प्रशासन पटरानी के बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है। सरकार को बच्चों के स्कूल आने-जाने के लिए बस की व्यवस्था करनी चाहिए। कार्यक्रम संयोजक ललित उप्रेती ने बताया कि 25 लाख मुआवजा, घायल अंकित के इलाज के बिलों का भुगतान, बाघ के आतंक से निजात समेत अन्य मांगों को लेकर 21 दिसंबर को बड़ी संख्या में लोग वन परिसर रामनगर पहुंचेंगे और आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। यहां जसवंती देवी, पुष्पा चंदोला, बसंत, शारदा, रेखा आर्य, किशोरी लाल, महेश जोशी, संजय मेहता, मनीष कुमार आदि महिलाएं थी।

किसान आयोग के उपाध्यक्ष समेत नौ किसानों के खेतों से मोटर चोरी

नानकमत्ता, एजेंसी। प्रतापपुर क्षेत्र में चोर सक्रिय होने से किसानों में दहशत है। खेतों में सिंचाई के लिए लगी मोटर चोरी होने की लगातार कई घटनाएं हो चुकी है लेकिन पुलिस इन मामलों की रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही है। किसान आयोग के उपाध्यक्ष सहित नौ किसानों के खेतों से चोर सिंचाई की मोटर चोरी कर ले गए। प्रतापपुर नंबर चार निवासी किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह ने पुलिस को तहरीर सौंपी है। इसमें कहा गया है कि 12 दिसंबर की रात चोर उनकी व प्रतापपुर नंबर आठ निवासी बलजीत सिंह, गुरमेज सिंह, मनजीत सिंह, गुरशरण सिंह, बेअंत सिंह सहित नौ किसानों के खेत व घर के आंगन में लगी खेतों में सिंचाई करने वाली मोटर चोरी कर ले गए। इससे पूर्व भी प्रतापपुर नंबर छह व नौ में त्रिलोक सिंह, रणधीर सिंह सहित कई घरों में चोरी हो चुकी है। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद है। पुलिस को तहरीर सौंपी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा कि प्रतापपुर क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं घटने के साथ ही नशे का धंधा भी पनप रहा है। पुलिस कुछ मामलों में गिरफ्तारी दिखाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रही है। चोरी की घटनाओं का मामला जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले युवा सिख सम्मेलन में मुख्यमंत्री के सम्मुख उठाया जाएगा।

गन्ना तो डाल रहे चीनी मिल में, भाव का अब तक पता नहीं

बाजपुर/जसपुर, एजेंसी। तहसील क्षेत्र की बाजपुर सहकारी चीनी मिल में पेराई सीजन शुरू होने के बावजूद अभी तक प्रदेश सरकार की ओर से गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया गया है जिससे किसानों में आक्रोश पनप रहा है। बीती आठ दिसंबर को चीनी मिल के पेराई सत्र का शुभारंभ किया गया था। पेराई सत्र समारोह में किसानों ने गन्ना मूल्य और भुगतान समस्या को प्रमुखता से उठाया था मगर एक सप्ताह बीतने के बाद भी सरकार ने अभी तक गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया है। वर्तमान में चीनी मिल की ओर से किसानों को बिना रेट अंकित किए गन्ना पर्ची दी जा रही है। इधर, चीनी मिल महाप्रबंधक हरबीर सिंह ने बताया कि क्षेत्र के किसानों के अब तक करीब 69 हजार 214 क्विंटल गन्ने की पेराई हो चुकी है जबकि 13 दिसंबर तक 1840 बैग चीनी का उत्पादन हो चुका है। ऐसी ही स्थिति जसपुर क्षेत्र में भी है। यहां भी किसान जल्दी से जल्दी गन्ना मूल्य जल्दी घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

नर्सिंग की छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन पर लगाया छात्रावास से निकालने का आरोप

नैनीताल, एजेंसी। रैमजे परिसर स्थित नर्सिंग कॉलेज में अध्ययनरत छात्राओं ने कॉलेज प्रबंधन पर प्रताड़ित करने और छात्रावास से निकालने के आरोप लगाए हैं। छात्राओं का कहना है कि कॉलेज में प्रवेश के समय उन्हें तृतीय वर्ष की पढ़ाई पूरी होने तक छात्रावास में रहने की जानकारी दी गई थी। दूसरा वर्ष पूरा होने पर उनसे सालाना शुल्क ले लिया गया। छात्राओं का कहना है कि तीसरा सेमेस्टर पूरा होने से पहले ही उन पर छात्रावास खाली कराने का दबाव बनाया जा रहा है। बताया कि हाल के दिनों में तृतीय वर्ष की कई छात्राएं छात्रावास खाली कर चली गई हैं। इस संबंध में जानकारी लेने के लिए कॉलेज के प्रधानाचार्य को कई बार फोन किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। बाद में जब इस संबंध में एसडीएम प्रमोद कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

उत्तराखंड में बदला मौसम, जागेश्वर में माइनस पांच डिग्री पहुंचा तापमान, ठिठुरे लोग

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड में मौसम पल-पल बदल रहा है। ठंड ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह शाम गिर रहे पाले के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ठंड ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह शाम गिर रहे पाले के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। देवदार के घने जंगलों के बीच स्थित विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में तापमान माइनस पांच डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। रात के समय इसमें दो से तीन डिग्री की और गिरावट आई है। जागेश्वर धाम में पौधों पर पड़ी ओस की बूंद जमकर बर्फ में तब्दील हो चुकी है। पौधे शीशे के भीतर बंद नजर आ रहे हैं। धाम के पास बहने वाली जटागंगा नदी का पानी भी किनारों पर जमने लगा है। तापमान माइनस में पहुंचने से नलों में पानी जमने लगा है और पाइप फटने लगे हैं। ऐसे में यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के साथ ही पुजारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा, 10 हजार का लगा जुर्माना

नैनीताल , एजेंसी। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो नंदन सिंह राणा की अदालत ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी पाते हुए 20 साल का सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को चार लाख रुपये प्रतिकर देने के आदेश दिए हैं। घटना नौ नवंबर 2020 को भोटिया पड़ाव पुलिस चौकी क्षेत्र की है। शासकीय अधिवक्ता नवीन चंद्र जोशी ने बताया कि 13 वर्षीय पीड़िता कक्षा आठ की छात्रा थी। वैलेजली लॉज निवासी अतुल नाथ गोस्वामी ने उसे रास्ते में घेर लिया और सुनसान जगह ले गए। छात्रा किसी तरह घर पहुंची।

इंदौर और उज्जैन अब कहलाएगी लक्ष्मीबाई एक्सप्रेस, योगनगरी से होगा संचालन

ऋषिकेश, एजेंसी। अभी तक देहरादून से संचालित होने वाली इंदौर और उज्जैन एक्सप्रेस अब लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस के नाम से जानी जाएगी। यह दोनों गाडियां अब तीन व छह जनवरी से देहरादून के बजाय योगनगरी ऋषिकेश से संचालित होंगी।

गाड़ी संख्या 14317 इंदौर-देहरादून-इंदौर एक्सप्रेस का प्रस्थान एवं गंतव्य स्टेशन बदल दिया गया है। अभी तक यह रेलगाड़ी देहरादून से इंदौर के बीच मंगलवार व बुधवार को संचालित होती है। मगर, अब तीन जनवरी से यह रेलगाड़ी लक्ष्मीबाई नगर से योग नगरी के बीच संचालित होगी।

इसी तरह गाड़ी संख्या 14317 उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस का संचालन भी छह जनवरी से शुक्रवार व शनिवार को देहरादून के बजाय योगनगरी ऋषिकेश से आरंभ होगा। यह ट्रेन भी अब उज्जैन के बजाय लक्ष्मीबाई नगर जंक्शन तक सफर करेगी। यानी उज्जैन एक्सप्रेस व इंदौर एक्सप्रेस अब लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस के नाम से सप्ताह में चार दिन मंगलवार, बुधवार तथा शुक्रवार तथा शनिवार को योगनगरी ऋषिकेश से लक्ष्मीबाई नगर के बीच संचालित होगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधीर सिंह ने बताया कि दोनों गाड़ियों का नया शेड्यूल जारी कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 14309 अब लक्ष्मीबाई नगर से सायं 3:25 बजे पर योगनगरी ऋषिकेश के लिए प्रस्थान करेगी, जोकि अगले दिन सायं 6:45 बजे पर योग नगरी ऋषिकेश पहुंचेगी।

यह गाड़ी योगनगरी ऋषिकेश से प्रातः 6:15 पर रानी लक्ष्मीबाई नगर के लिए रवाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 14317 उज्जैन-देहरादून के स्थान पर लक्ष्मीबाई नगर- योग नगरी ऋषिकेश के बीच संचालित होगी। यह रेलगाड़ी भी लक्ष्मीबाई नगर से सायं 3:25 पर योगनगरी ऋषिकेश के लिए रवाना होगी, जो अगले दिन 6:45 पर योगनगरी ऋषिकेश पहुंचेगी तथा अगले दिन प्रातः 6:15 पर योगनगरी ऋषिकेश से लक्ष्मीबाई नगर के लिए संचालित होगी।

इन दोनों रेलगाड़ियों का रूट हरिद्वार से आगे पूर्व की भांति रहेगा। योगनगरी ऋषिकेश के बाद यह ट्रेन हरिद्वार, रुड़की, सहारनपुर, देवबंद, मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी, मोदीनगर, गाजियाबाद, हजरत निजामुद्दीन, फरीदाबाद, मथुरा जंक्शन, आगरा कैंट, धौलपुर, मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, कोलारस, गुना, रुठियाई, चाचौड़ा, बीनागंज, ब्यावरा राजगढ़, पचोर रोड, शाहजहांपुर, मक्सी जंक्शन, उज्जैन से देवास होते हुए लक्ष्मीबाई नगर को जोड़ेगी।

कोठार गांव में दिख रहा भालू, दहशत में ग्रामीण

ऋषिकेश, एजेंसी। नीलकंठ से सटे आसपास के गांवों में भालू दिखने से लोग दहशत में हैं। लगातार भालू दिखने से ग्रामीणों का रोजमर्रा का काम प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण बच्चों को स्कूल भेजने में कतरा रहे हैं।

यमकेश्वर के नीलकंठ से लगे क्षेत्र में करीब ढाई महीने से भालू का आतंक है। इससे पहले अक्तूबर माह में भालू कोठार गांव की गायत्री देवी पर हमला कर चुका है। अब एक बार फिर भालू ईड़िया, भौन, कोठार दिउली, मलेल गांव, तोली, मौन के रास्तों पर दिखने लगा है। इससे लोग दहशत में हैं। कई दिनों से भालू के दिखने से लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं। इससे स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति कम हो रही है। स्थानीय लोगों ने पार्क प्रशासन और लैंसडौन वन प्रभाग से भालू को मारने या फिर शिफ्ट करने की मांग की है। ग्राम प्रधान कोठार नीरज पयाल ने बताया कि वन विभाग और पार्क प्रशासन को सूचित किया गया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।डीएफओ लैंसडौन वन प्रभाग सिविल सोयम नवीन चंद पंत ने कहा कि नीलकंठ क्षेत्र में जिन गांवों में भालू दिख रहा है। ऐसे में ग्रामीणों को सावधान रहने की जरूरत है। गांवों में टीम भेजी जा रही है।

बृहस्पतिवार की रात को खंड गांव में गुलदार की ओर से गाय को निवाला बनाने के बाद वन विभाग की टीम ने गांव में पहुंचकर गश्त की। लैंसडौन वन प्रभाग की टीम में वन दारोगा अरविंद कुमार और महावीर सिंह थे। गांव में पहुंचकर टीम ने मौके का मुआयना कर कागजी कार्रवाई की। बता दें कि खंड गांव में लता देवी गीता देवी की गाय को गुलदार निवाला बना चुका है। इससे पहले भी गुलदार ने कांडी, दाबड़, अमोला, चांदपुर, असनेत, टाटरी और आसपास के गांवों में करीब 15 से अधिक पशुओं को निवाला बना चुका है। रेंजर लैंसडौन राकेश कुमार शाह ने कहा कि द्वारीखाल ब्लॉक के खंड गांव में गश्त करने के लिए वन कर्मियों को भेजा गया है। जिन लोगों के मवेशियों को गुलदार ने निवाला बनाया है, उन्हें मुआवजा देने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

डिप्टी जेलर ने क्लेम पाने को रची थी कार चोरी की साजिश, इस तरह खुल गया राज

भगवानपुर, एजेंसी। हरिद्वार जिले के भगवानपुर क्षेत्र में होटल के बाहर से हुई कार चोरी का मास्टरमाइंड खुद कार का स्वामी अंबाला सेंट्रल जेल का डिप्टी जेलर निकला। भगवानपुर थाना पुलिस का कहना है कि आरोपित डिप्टी जेलर ने यह साजिश कार के इंश्योरेंस का क्लेम पाने के लिए रची थी। इसमें उनके रिश्तेदार भी शामिल थे। पुलिस ने कार को मंडावर से लावारिस हालत में बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, इसी दो दिसंबर को पवन कुमार निवासी गोहना, थाना बरोदा, सोनीपत (हरियाणा) ने कार चोरी की तहरीर दी थी। इसमें उसने बताया कि एक दिसंबर की रात वह अपने बहनोई यश हुड्डा जोकि अंबाला सेंट्रल जेल के डिप्टी जेलर हैं, की कार लेकर हरिद्वार जा रहा था। रात में पवन और कार का चालक सुमित भगवानपुर के होटल फ्लोरा में रुके। कार होटल के बाहर खड़ी थी। रात में दो लोग बाइक से आए और उनमें से एक कार लेकर फरार हो गया।

भगवानपुर थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि यह घटना होटल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। उसकी फुटेज खंगाली गई तो आरोपितों की पहचान दुष्यंत निवासी किशनपुरा, पीपली, कुरुक्षेत्र और प्रमेंद्र चैहल निवासी गंगाना, सोनीपत (हरियाणा) के रूप में हुई।

आगे की छानबीन में पता चला कि घटना वाली रात कार चालक सुमित और दुष्यंत की लगातार बात हो रही थी। ऐसे में शक की सुई सुमित की तरफ घूमी। पुलिस ने इस दिशा में जांच शुरू की तो पता चला कि घटना वाली रात कार स्वामी डिप्टी जेलर भी हरिद्वार में थे और पवन, सुमित व दुष्यंत के संपर्क में थे। इसके बाद सुमित और दुष्यंत को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो साजिश का पर्दाफाश हुआ।

निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि पुलिस ने चोरी हुई कार गुरुवार शाम भगवानपुर के मंडावर क्षेत्र से बरामद कर ली। सुमित और दुष्यंत ने पूछताछ में बताया कि यह साजिश डिप्टी जेलर ने कार के इंश्योरेंस का क्लेम पाने के लिए रची थी, जिसमें पवन के साथ दुष्यंत और प्रमेंद्र चैहल भी शामिल थे।

निरीक्षक रमेश तनवार के मुताबिक, डिप्टी जेलर यश हुड्डा ने लगभग दो माह पहले यह साजिश रची थी। यही नहीं, जिस कार के इंश्योरेंस का क्लेम लेने के लिए साजिश रची गई, उसे हुड्डा ने कुछ समय पहले कबाड़ में कटवा दिया था। निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि पहले हुड्डा के पास निशान कंपनी की कार थी।

उसे कबाड़ में कटवाने के बाद हुड्डा ने एक परिचित से हादसे में क्षतिग्रस्त उसकी रिनोल्ट कंपनी की कार औने-पौने दाम पर खरीद ली। इस कार में पुरानी कार की नंबर प्लेट लगा ली।

दिन में अंशुमन और शाम को आनंद स्वरूप चुनाव अधिकारी घोषित

काशीपुर, एजेंसी। बार एसोसिएशन के चुनाव घोषित कर दिए गए हैं। इसके लिए बुलाई गई वार्षिक सभा में आगामी चुनावों के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुमन को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। चुनाव के लिए कार्यक्रम तैयार करने का अधिकार भी आमसभा ने चुनाव अधिकारी को ही सौंपा। लेकिन देर शाम बार एसोसिएशन अध्यक्ष संजय चौधरी ने आनंद स्वरूप रस्तोगी को मनोनयन पत्र देकर चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिया।

उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के नियम के अनुसार अध्यक्ष के पास चुनाव अधिकारी बदलने का अधिकार होता है। अध्यक्ष ने बताया कि बार संघ के नियम के अनुसार दिए गए अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने आनंद स्वरूप रस्तोगी को चुनाव अधिकारी बनाया है। इससे पहले बृहस्पतिवार को बार सभागार में आम सभा हुई जिसमें की अध्यक्षता करते एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां बताईं। कहा कि इस वर्ष दो दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई।

एसोसिएशन के सचिव प्रदीप चौहान ने बताया कि इस वर्ष अधिवक्ताओं के चैंबर्स का निर्माण कराया जिसकी पिछले कई वर्षों से मांग चली आ रही थी। ई-लाइब्रेरी की स्थापना भी की गई। वहीं कोषाध्यक्ष सनत पेगिया ने वार्षिक लेखा जोखा पेश किया।

ग्रामीणों में बाघ का खौफ, वन विभाग की कार्रवाई जीरो

भीमताल (नैनीताल), एजेंसी। विधायक राम सिंह कैड़ा ने भीमताल ब्लॉक में दो महिलाओं को मौत के घाट उतारने वाले नरभक्षी के अब तक पकड़े नहीं जाने पर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि मामले में वन विभाग की कार्रवाई शून्य प्रतीत हो रही है।

विधायक ने बृहस्पतिवार को भीमताल में प्रेस वार्ता कर नैनीताल डीएफओ से बाघ को पकड़कर ग्रामीणों को वन्यजीव के आतंक से निजात दिलाने को कहा। कैड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि डीएफओ की ओर से बाघ को लेकर बार-बार बयान बदले जा रहे हैं। कैड़ा ने कहा कि बाघ के खौफ से मलुवाताल और पिनरों के ग्रामीण घरों से बाहर निकलने में डरने लगे हैं। महिलाएं अपने मवेशियों के लिए चारा तक नहीं ला पा रही हैं। विधायक ने कहा कि घटना के आठ दिन बाद भी बाघ विशेषज्ञ, वन विभाग की टीम खाली हाथ है। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया, पंकज जोशी, कमल जोशी आदि रहे। भीमताल ब्लॉक के मलुवाताल और पिनरों गांव में नरभक्षी के आतंक से ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग की ओर बाघ विशेषज्ञ, 75 से अधिक वन कर्मी, पिंजरे, ट्रैप कैमरे और एसडीआरएफ की टीम नरभक्षी की मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से बाघ के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी, नितिन पंत ने बताया कि हमारी टीम नजर बनाए हुए हैं। ट्रैप कैमरे में अभी कुछ नजर नहीं आया है। क्षेत्र में बाघ और तेंदुए का मूवमेंट है। घटनास्थल से सैंपल लिए गए हैं। सैंपल की जांच होने के बाद ही हमलावर वन्यजीव के बाबत स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण में खामी, इंजीनियरों की डिग्री की होगी जांच

बाजपुर, एजेंसी। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने नमामि गंगे परियोजना के तहत बन रहे 10 एमएलडी के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में खामी मिलने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कंपनी पर जुर्माना लगाने और इंजीनियरों की डिग्री और डिप्लोमा की जांच करने के निर्देश दिए।

दोराहा के पास निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचे कमिश्नर ने अधीक्षण अभियंता मृदुला सिंह से कहा कि कंपनी पर जुर्माना लगाएं। कंक्रीट निर्मित क्यूब मिट्टी में दबे होने पर कंपनी के अधिकारियों को फटकार लगाई गई। रावत ने जेसीबी से मिट्टी हटवाकर क्यूब को देखा और रजिस्टर से मिलान भी किया। उन्होंने मौके पर चिह्नित क्यूब की गुणवत्ता की जांच कराई जो मानक के अनुसार नहीं मिले। इस पर आयुक्त ने पानी में रखे सभी क्यूब का जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से जांच कराने के दिए निर्देश दिए हैं। इस मौके पर अधीक्षण अभियंता मृदुला सिंह, संयुक्त निदेशक अर्थ, संख्या राजेंद्र तिवारी, ईई ज्योति पालनी, कंपनी के साइड प्रबंधक मनीष, जेई वसीम खान, तहसीलदार अक्षय कुमार भट्ट आदि मौजूद रहे।

कमिश्नर ने निर्माण कर रही कंपनी के इंजीनियरों से जवाब तलब किया लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं देने पर वह नाराज हो गए। उन्होंने डिग्रियों और डिप्लोमा की जांच कराने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि डिग्री और डिप्लोमा की छाया प्रतियां निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के ऑफिस पर जमा कर दें। आयुक्त ने जल निगम के अभियंताओं से कहा कि निर्माण कार्य पर नजर रखें और निर्माणाधीन प्रोजेक्ट का बीच-बीच में निरीक्षण भी करें। कमिश्नर ने कोसी नदी पार गांव दभौरा मुस्तकम में पेयजल योजना का भी निरीक्षण किया और घरों में जाकर पेयजल कनेक्शन की जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को 20 दिन के भीतर हर घर जल मुहैया कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने सुल्तानपुर पट्टी के गांव मुकुंदपुर स्थित एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया।

बेस अस्पताल को सर्जिकल ऑपरेशन की जरूरत: सड़क पर गड्ढे होने से मरीज भी परेशान

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी बेस अस्पताल को सर्जिकल ऑपरेशन की जरूरत है। बी-ब्लॉक के भवन के छज्जे से सरिया झांकती दिख रहीं हैं, जबकि अस्पताल परिसर की सड़क की हालत ऐसी है कि अगर ध्यान भटका तो अस्पताल में ही भर्ती होने की नौबत आ जाएगी।

बेस अस्पताल को सर्जिकल ऑपरेशन की जरूरत है। बी-ब्लॉक के भवन के छज्जे से सरिया झांकती दिख रहीं हैं, जबकि अस्पताल परिसर की सड़क की हालत ऐसी है कि अगर ध्यान भटका तो अस्पताल में ही भर्ती होने की नौबत आ जाएगी। डॉक्टर को दिखाना हो तो घंटों लाइन में लगना मजबूरी है। भर्ती होना पड़े तो बदबूदार शौचालय का सामना करना हर किसी के वश की बात नहीं।

बेस अस्पताल में भर्ती वाले बी और सी-ब्लाक के भवन पुराने हैं, इस भवन को बने करीब चार दशक हो चुके हैं। यह भवन जर्जर हो चुके हैं। बी-ब्लाक में छज्जे बने हैं, उसमें कई सरिया बाहर दिखाई दे रही हैं। भवन में जगह-जगह सीलन है और प्लास्टर उखड़ा हुआ है। अस्पताल परिसर की सड़क की हालत और भी खराब है। इस सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। इसके अलावा ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर जाने के लिए जो सीढ़ियां हैं, उन्हें भी मरम्मत की दरकार।

बेस अस्पताल चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सविता ह्यांकी का कहना है कि भवन की मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा रैंप बनाने से जुड़े कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग को कहा गया है। सड़क और सुरक्षा दीवार के लिए बजट आ गया है, इसका कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में खोए अनुपम खेर, पोस्ट किया मनमोहक वीडियो

लैंसडाउन, एजेंसी। जो भी देवभूमि उत्तराखंड आता है, सुध-बुध भूलकर यहां की मनोरम वादियों की नैसर्गिक सुंदरता में खो जाता है। इन दिनों अपनी नई फिल्म की शूटिंग के लिए लोकेशन की तलाश में उत्तराखंड आए फिल्म अभिनेता अनुपम खेर को भी यहां की वादियां खूब भा रही हैं।

अनुपम खेर ने पर्यटन नगरी लैंसडाउन की खूबसूरत वादियों और नीले आसमान का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सदाबहार गीत 'नीले गगन के तले धरती का प्यार पले...' के साथ पोस्ट किया है। इसे अब तक साढ़े पांच हजार से अधिक लोग देखने के साथ ही पसंद कर चुके है।

अनुपम खेर इन दिनों पौड़ी जिले के लैंसडाउन में हैं, जहां वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग के लिए लोकेशन तय करने में जुटे हैं। लैंसडौन प्रवास के दौरान अनुपम सदर बाजार से लेकर भुल्ला ताल, चर्च रोड आदि क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने प्रशंसकों से आत्मीयता के साथ भेंट तो की ही, उन्हें ऑटोग्राफ देकर साथ में फोटो भी खिंचवाई।

इंस्टाग्राम पर अनुपम खेर के पोस्ट किए गए लैंसडाउन के वीडियो को भी उनके प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। अनुपम खेर की नई फिल्म की शूटिंग लैंसडौन में 10 फरवरी से 20 अप्रैल तक प्रस्तावित है। इसको लेकर लैंसडाउन के निवासियों में खासा उत्साह है।

संक्षिप्त समाचार

हाथियों ने पहुंचाया फसलों को नुकसान

देहरादून, एजेंसी। मंगलवार की रात में हाथियों ने क्षेत्र में कई स्थानों पर खेतों में घुसकर गन्ने और गेहूं और सरसों की फसल का नुकसान किया है। किसानों ने वन विभाग के अधिकारियों से फसल के नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। किसान व जिला पंचायत सदस्य सोहनवीर पाल का कहना है कि इन दिनों बहादरपुर जट, किशनपुर, मिस्सरपुर, पंजनहेडी, अजीतपुर, जियापोता, कटारपुर, चांदपुर, रानीमाजरा, बिशनपुर व पुरानी कुंडी में हाथियों की आवाजाही बनी हुई है। गंगा के उस पार से आकर हाथी खेतों में घुस कर गन्ने व गेहूं और सरसों की फसल का नुकसान कर किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। मोहित कुमार, नूतन कुमार, सुशील सैनी, सुखदेव पाल, ब्रजपाल, राजपाल आदि किसानों का कहना है कि दिन छिपते ही हाथियों का झुंड खेतों में आ जाता है और सुबह होते ही वापस चला जाता है। हाथी खेतों में रातभर फसलों का नुकसान करते हैं। किसानों का कहना है कि वह कड़ाके की ठंड में जान जोखिम में डालकर रात में खेतों में रहकर फसलों की रखवाली कर रहे हैं। खेतों में आने वाले हाथियों की संख्या अधिक होने के कारण उनकी चिंता बढ़ गई है। कहीं हाथी उन पर हमला न कर दें। किसानों ने वन विभाग के अधिकारियों से वन कर्मियों से रात में गश्त तेज कराने की मांग की है। वन विभाग के रेंज अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी का कहना है कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में वनकर्मी गश्त करते हैं। हाथी आने की सूचना पर वनकर्मी तुरंत मौके पर भेजे जाते हैं।

मासूम हत्या के बाद से बिहार का युवक गायब, हो रही तलाश

देहरादून, एजेंसी। चमगादड़ टापू पंतद्वीप झुग्गी बस्ती में पांच साल के मासूम अजीत की हत्या के बाद से एक युवक गायब है। पुलिस की जांच अब पूरी तरह इस तरफ घूम गई है। युवक बिहार का रहने वाला है और पुलिस टीम उसकी तलाश में जुट गई है। दिल्ली में भी उसकी तलाश में एक टीम पहुंची है। साथ ही एक चाय बेचने वाले से भी पूछताछ की जा रही है। झुग्गी बस्ती चमगादड़ टापू में हरदोई के गांव मंझौला निवासी राजेश के पांच साल के पुत्र अजीत की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। शुक्रवार को वह मोमबत्ती लेने के लिए गया था और वापस नहीं आया था। शनिवार को एक अस्थायी चाय की दुकान के पास झुग्गी झोपड़ी में उसका शव क्षत-विक्षत हालत में मिला था। पुलिस और सीआईयू की छह टीमें जांच में जुटी हैं। अलग-अलग बिंदुओं पर जांच को टीमें आगे बढ़ा रही हैं। अभी तक की जांच में चाय की दुकान पर काम करने वाला बिहार का युवक हत्या के बाद से गायब होने की बात निकलकर सामने आई है। जो कुछ माह पहले ही दुकान पर आया था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। साथ ही दुकान चलाने वाले व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल का कहना है कि पुलिस टीमें जांच कर रही हैं। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

बीडीओ ने ओवरहेड टैंक की चहारदीवार का काम रुकवाया

देहरादून, एजेंसी। ब्लाक परिसर में जल निगम की ओर से बनाए जा रहे ओवरहेड टैंक की चाहरदिवारी को आंवटित भूमि से अधिक करने पर बीडीओ ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। संबंधित विभाग को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा है। बहादराबाद ब्लॉक परिसर में जल निगम की ओर से वर्ल्ड बैंक परियोजना से ओवरहेड टैंक और नलकूप का निर्माण किया गया है। जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ जल पीने को मिले। निर्माण के दौरान ओवरहेड टैंक की चारदीवारी का कार्य चल रहा है। जल निगम के ठेकेदार ने चहारदीवारी आवंटित भूमि से आगे बढ़ाकर दो तरफ से ब्लॉक की भूमि पर निर्माण शुरू कर दिया। निर्माण के दौरान भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादराबाद में जाने वाले सड़क पर भी सटाकर दीवार का काम शुरू कर दिया। इसकी सूचना बीडीओ मानस मित्तल को मिली। जिसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया। वही जल निगम को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है। बीडीओ मानस मित्तल ने बलाया कि ब्लॉक की भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगी। जल निगम को जितनी भूमि आवंटित हुई है उसी पर निर्माण कार्य किया जाए।

11 विधानसभाओं में 11 ईवीएम मोबाइल वैन ग्रामीणों को करेंगी जागरूक

देहरादून, एजेंसी। ईवीएम एवं वीवीपैट के प्रदर्शन के लिए जिला अधिकारी कार्यालय परिसर से अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी पीएल शाह ने 11 ईवीएम मोबाइल प्रदर्शन वैन को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपर जिला मजिस्ट्रेट पीएल शाह ने बताया कि हरिद्वार तहसील में चार, रुड़की तहसील के लिए चार, तहसील लक्सर के लिए दो और तहसील भगवानपुर के लिए एक मोबाइल वैन गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को मतदान के दौरान ईवीएम के सबंध में जागरूक करेंगी। 44 मास्टर ट्रेनरों और सुपरवाइजरों के माध्यम से विधानसभावार मतदान केंद्रों में लगभग 01 माह तक ग्रामीणों को ईवीएम की जानकारी दी जाएगी। साथ ही जिला मुख्यालय और तहसील मुख्यालयों पर भी ईवीएम एवं वीवीपैट प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस मौके पर तहसीलदार अरूणेश पैन्यूली, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र सिंह अधिकारी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उदयबीर सिंह, सुरेंद्र सिंह, विजय नेगी आदि मौजूद रहे।

सुगम विद्यालयों से तबादला हुए शिक्षक नहीं है कार्यमुक्त, शिक्षा मंत्री दे चुके हैं आदेश

देहरादून, एजेंसी।
सुगम विद्यालयों से तबादला होने के बाद आज पांच महीने बाद भी कार्यमुक्त नहीं हुए शिक्षकों को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने संज्ञान लिया। उन्होंने बीते बुधवार को शिक्षा निदेशालय ननूरखेड़ा में हुई बैठक में अधिकारियों से कहा कि जिन शिक्षकों के तबादले हुए हैं।

उन्हें जल्द कार्यमुक्त किया जाए। तबादला आदेश के पांच महीने बाद भी करीब 250 शिक्षक गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में कार्यमुक्त नहीं किए गए हैं। मुख्य सचिव डॉ.एसएस संधु की अध्यक्षता में गठित शासन स्तरीय स्थानांतरण समिति ने प्राप्त प्रत्यावेदन का निपटारा कर दिया है, लेकिन विभाग इन शिक्षकों का आज तक दुर्गम, अति दुर्गम व सुगम विद्यालयों में स्थानांतरण नहीं कर पाया हैं। तर्क दिया जा रहा है कि उन्होंने अपने स्थानांतरण रोकने का कारणों के साथ प्रत्यावेदन दिया है। सुगम विद्यालयों में ही नहीं एससीईआरटी एवं शिक्षा विभाग कार्यालयों में कार्यरत ये

शिक्षक इस वर्ष जून में तबादला होने के बाद आज तक कार्य मुक्त नहीं किए गए हैं। दूसरी ओर वे शिक्षक खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। जिन्होंने तबादला आदेश मिलते ही एक सप्ताह के भीतर नए कार्य स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। लोक सेवकों के लिए वार्षिक स्थानांतरण अधिनियम-2017 की धारा- 27 के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठक बीते 29 सितंबर 2023 को हुई थी। जिसमें शिक्षा विभाग की ओर से यह प्रस्ताव भेजा गया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत प्रवक्ता संवर्ग के 112 शिक्षकों एवं सहायक अध्यापक एलटी संवर्ग के 189 शिक्षकों को दुर्गम से सुगम में अनिवार्य रूप से स्थानांतरण किया गया था। इन शिक्षकों ने जिन विद्यालयों का विकल्प भरा था वहां पद रिक्त नहीं थे। जिससे उन्हें सुगम क्षेत्र के ही अन्य विद्यालय आवंटित किए गए हैं। अपनी पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कुछ ऐसे शिक्षक भी हैं जो दुर्गम के विद्यालयों में ही बने रहना चाहते हैं। विभाग के इस प्रस्ताव पर स्थानांतरण समिति ने दुर्गम से स्थानांतरित किए गए शिक्षकों की ओर से दुर्गम विद्यालयों में ही रहने की छूट मांगने पर सहमति व्यक्त की। उधर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीमा जौनसारी ने कहा कि विभाग में जो तबादले हुए हैं वह नियमानुसार हुए हैं। जो अभी तक कार्यमुक्त नहीं हुए उनकी रिपोर्ट ली जा रही है। सुगम का मोह नहीं छोड़ने वालों को नहीं छेड़ा ऊंची पहुंच वाले कुछ शिक्षकों के प्रत्यावेदनों के प्रस्ताव का कहीं जिक्र नहीं है, लेकिन ऐसे शिक्षक स्थानांतरण रोकने के लिए प्रत्यावेदन देने की बात कर रहे हैं इनमें प्रवक्ता व एलटी संवर्ग दोनों से हैं। विभाग ने जब ऐसे शिक्षकों के प्रत्यावेदन शासन को भेजे ही नहीं हो सुगम में सेवारत होने के बावजूद आज भी दुर्गम जाने को तैयार नहीं है और स्थानांतरण को रोकने के लिए बीमारी व घर की अनेक समस्याओं का बहाना बना रहे हैं।

आज से दो दिन राजधानी में जुटेंगे देशभर के साहित्यकार, 36 सत्रों का होगा आयोजन

देहरादून, एजेंसी। 16 और 17 दिसंबर को राजपुर रोड स्थित मधुबन होटल में आयोजित होने वाले लिटरेचर फेस्टिवल 100 लेखक प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर 12 पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा

राजधानी दून में आयोजित होने वाले वैली ऑफ वर्ड्स इंटरनेशनल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल का शनिवार से आगाज होगा। दो दिवसीय फेस्टिवल में देशभर के साहित्यकार जुटेंगे और विभिन्न विषयों में आयोजित होने वाले 36 सत्रों में अपने विचार रखेंगे।

फेस्टिवल के निदेशक व पूर्व आईएएस डॉ. संजीव चोपड़ा ने बताया, 16 और 17 दिसंबर को राजपुर रोड स्थित मधुबन होटल में आयोजित होने वाले लिटरेचर फेस्टिवल 100 लेखक प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर 12 पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। साथ ही तीन प्रदर्शनी भी लगाई जाएंगी।

फेस्टिवल का मकसद शब्दों के उत्सव को सबके साथ मिलकर मनाना है। बीते वर्षों की तरह इस बार भी फेस्टिवल को खास बनाने के लिए विभिन्न विषयों के सत्रों को जोड़ा गया है। फेस्टिवल में हर उम्र के व्यक्ति के लिए निशुल्क प्रवेश है।

बताया, फेस्टिवल में इंग्लिश फिक्शन और नॉन फिक्शन का पुरस्कार नो वे आउट और द जर्नी ऑफ हिंदी लैंग्वेज जर्नलिज्म इन इंडिया को दिया जाएगा, जबकि हिंदी फिक्शन और नॉन फिक्शन का पुरस्कार 'शहर से 10 किलोमीटर' और 'दिनांक के बिना' को दिया जाएगा।

लोकसभा की पांचों सीटों पर बड़े नेताओं को मिलेगी प्रभारी की जिम्मेदारी

देहरादून, एजेंसी।
लोस चुनाव में पांचों सीटों पर प्रत्याशियों का चयन भी कहीं न कहीं वरिष्ठ नेताओं में से ही किया जाएगा, लेकिन उससे पहले बतौर प्रभारी सभी को मैदान में उतारकर पार्टी के पक्ष में माहौल तैयार किया जाएगा।

चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह मात खाने के बाद कांग्रेस ने उत्तराखंड में लोस चुनावों के मद्देनजर नए सिरे से तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने 70 विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभावार प्रभारी नियुक्त किए हैं। इसके बाद वरिष्ठ नेताओं को पांचों सीटों पर बतौर प्रभारी बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी है।

पार्टी सूत्रों का मानना है कि उत्तराखंड में संगठन को मजबूत करने और दिग्गजों की नाराजगी दूर कर उन्हें पार्टी के पक्ष में लामबंद करने के लिए पार्टी हाईकमान के स्तर से निर्देश मिले हैं। प्रदेश में जनाधार और कार्यकर्ताओं के बीच पैठ रखने वाले वरिष्ठ नेताओं को लोस चुनाव से पहले पूरी तरह सक्रिय किया जाए, ताकि वह भाजपा के किले को भेदने के लिए अभी से रणनीति बनाने में जुट जाएं।

हालांकि, लोस चुनाव में पांचों सीटों पर प्रत्याशियों का चयन भी कहीं न कहीं वरिष्ठ नेताओं में से ही किया जाएगा, लेकिन उससे पहले बतौर प्रभारी सभी को मैदान में उतारकर पार्टी के पक्ष में माहौल तैयार किया जाएगा। इससे पहले नवंबर और दिसंबर के अंत तक विस प्रभारियों को बूथ कमेटी, मंडलम कमेटी के सत्यापन पूरा करने का जिम्मा सौंपा गया है।

इसके साथ ही वह दिसंबर के अंत तक बूथ कमेटियों के संबंध में अपनी रिपोर्ट पीसीसी को देंगे, ताकि आगे की रणनीति बनाई जा सके। लोस चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पार्टी ने प्रत्येक बूथ पर 21 से 51 कार्यकर्ताओं की टीम खड़ी करने का निर्णय लिया है। जो पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाएंगे। 70 विधानसभा सीटों पर 11 हजार 835 बूथ हैं। इस तरह से पार्टी जमीनी स्तर तक एक मजबूत नेटवर्क खड़ा करना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस लोस चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। वर्तमान में जिलेवार जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता सम्मेलन पूर्णरूप से चल रहे हैं। विसवार प्रभारियों की नियुक्ति कर दी गई है। पार्टी को बूथ लेवल तक मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। लोस की पांचों सीटों पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को प्रभाग्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसको लेकर पार्टी संगठन स्तर पर मंथन किया जा रहा है।

उत्तराखंड में मौसम ने बदली करवट, सड़कों पर जमने लगी बर्फ; कोहरे को लेकर अलर्ट जारी

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में शुष्क मौसम के बीच बादलों की आमद ने कंपकंपी बढ़ा दी है। मौसम के मिजाज में अचानक आए बदलाव से समूचा प्रदेश ठिठुर गया है। पहाड़ से लेकर मैदान तक शाम को कड़ाके की ठंड महसूस की जाने लगी है। हालांकि, वर्षा-बर्फबारी नहीं हुई है, लेकिन तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में पाला और मैदानी हिस्सों में कोहरा परेशानी का कारण बन सकता है। ज्यादातर क्षेत्रों में तापमान में कमी आने की संभावना है। जिससे सुबह-शाम कड़ाके की ठंड पड़ सकती है।

बीते कुछ दिनों से उत्तराखंड के ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क है और चटख धूप खिल रही है। हालांकि, शुक्रवार को देहरादून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट बदल ली। आसमान में बादल मंडराने लगे और सर्द हवाएं चलने से ठिठुरन बढ़ गई। पहाड़ से लेकर मैदान तक शाम को तापमान में तेजी से गिरावट आने से कड़ाके की ठंड महसूस की जाने लगी है।

कुछ दिन पूर्व चारधाम समेत अन्य चोटियों पर हुए हिमपात के बाद से प्रदेशभर में सर्द हवाओं का दौर जारी है। सप्ताह भर में

प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, अगले कुछ दिन प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। ज्यादातर क्षेत्रों में चटख धूप खिली रह सकती है। पहाड़ में पाला और मैदानी क्षेत्रों में कोहरे का प्रकोप बढ़ सकता है। खासकर ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में मध्यम कोहरा छाने की चेतावनी जारी की गई है। अधिकतर क्षेत्रों में तापमान में तेजी से गिरावट आने के आसार हैं।

देहरादून के फर्जी रजिस्ट्री मामले में बड़ी कार्रवाई, 13 भूमाफिया के विरुद्ध गैंगस्टर में दर्ज हुआ मुकदमा

देहरादून, एजेंसी।
बहुचर्चित रजिस्ट्री फर्जीवाड़े में शहर कोतवाली पुलिस ने अधिवक्ता कमल विरमानी सहित 13 आरोपितों के विरुद्ध गैंगस्टर में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपितों के विरुद्ध रजिस्ट्री फर्जीवाड़े में कई मुकदमे दर्ज हैं। देहरादून के सब रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्ट्री फर्जीवाड़े के कई मामले सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एसआईटी गठित कर जांच करने के आदेश जारी किए थे।

इसके बाद आईपीएस सर्वेश पंवार के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की जांच की गई। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि रजिस्ट्री फर्जीवाड़े में पुलिस ने 19 आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इनमें से सहारनपुर के भूमाफिया केपी सिंह की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सभी आरोपितों ने गिरोह बनाकर जमीनों के कूटरचित दस्तावेज तैयार करते हुए लोगों से धोखाधड़ी की।

आरोपितों की ओर से अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति के चिह्नीकरण की कार्रवाई की जा रही है, जल्द ही सभी आरोपितों की अवैध संपत्ति के जब्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। आरोपितों की संपत्ति का आकलन शुरू करवाया जाएगा।

देहरादून में भगवान भरोसे मरीज, फोन मिलाने पर आता स्टाफ- तीमारदारों में गुस्सा

देहरादून, एजेंसी।
जिला अस्पताल (कोरोनेशन) में बेपटरी व्यवस्था की प्रमुख वजह स्टाफ की मनमानी और अपने काम के प्रति लापरवाह रवैया है। अस्पताल का थैलेसीमिया वार्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां भर्ती मरीज और उनके तीमारदार नर्सिंग स्टाफ से सबसे ज्यादा परेशान हैं।

यह वार्ड हर समय मरीजों से भरा रहता है, लेकिन उनकी देखरेख और निगरानी के लिए एक भी कर्मचारी मौजूद नहीं रहता। नर्सिंग स्टाफ रूम में भी हर वक्त ताला लटका रहता है। जरूरत पड़ने पर स्टाफ को बुलाने के लिए मरीजों के तीमारदार फोन घनघनाते हैं या तो फिर उन्हें दो मंजिल की दौड़ लगानी पड़ती है।

सामान्य से लेकर गंभीर बीमारी तक के उपचार के लिए मरीज जिला अस्पताल पहुंचते हैं। चार मंजिला जिला अस्पताल में तल थैलेसीमिया के मरीजों के लिए है। इस तल पर कमरे हैं, जिनमें थैलेसीमिया के मरीजों के लिए 40 बेड हैं। थैलेसीमिया से ग्रसित मरीजों में रक्त की कमी होती है। उनको नियमित रक्त चढ़ाना पड़ता है। इस दौरान मरीज की निगरानी बेहद जरूरी है, जिससे रक्त ठीक प्रवाह से चढ़ सके और उसका कोई दुष्प्रभाव नजर आने पर तत्काल सुरक्षात्मक कदम उठाए जा सकें। इसके अलावा तीमारदारों को कई बार औपचारिकताएं पूरी करने के लिए जाना पड़ता है। इस

बीच मरीज की देखभाल का जिम्मा भी वार्ड में तैनात स्टाफ का होता है। इसी को देखते हुए वार्ड में एक कमरा नर्सिंग स्टाफ के लिए भी बनाया गया, जिससे कर्मचारी वहां मौजूद रहकर यह कार्य कर सकें। लेकिन, अस्पताल में इन मरीजों का उपचार राम भरोसे चल रहा है। वार्ड में तैनात स्टाफ अधिकांश समय निचले तल पर सुस्ताने या गप्पे मारने में व्यस्त रहता है। स्टाफ ने मरीजों और उनके तीमारदारों को यह कहकर अपना मोबाइल नंबर दे रखा है कि जब जरूरत पड़े तब बुलाना। उस पर हद यह कि तीमारदारों के फोन करने पर भी कई बार स्टाफ वार्ड तक आने में घंटों लगा देता है। ऐसे में तीमारदारों को मजबूरी में नीचे की दौड़ लगानी पड़ती है।

विजय दिवस पर एस डी इंटर कॉलेज खड़खड़ी में शहीदों और इंदिरा गांधी का भावपूर्ण किया गया

हरिद्वार (दैनिक हाक): आज विजय दिवस की 52 भी वर्षगांठ के अवसर पर श्री मिथिलेश सनातन धर्म इंटर कॉलेज की खड़खड़ी शाखा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विजय दिवस के अवसर पर 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई 1971 के युद्ध की नायिका भारत की प्रथम प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का भावपूर्ण स्मरण किया गया इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष कॉलेज की प्रबंध समिति के सचिव प्रबंधक सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व में 1971 में भारत ने पाकिस्तान को युद्ध में जबरदस्त पराजय दी थी और दक्षिण एशिया का भौगोलीय बदल दिया था और बांग्लादेश नाम से एक नए राष्ट्र का उदय हुआ था जिसका श्रेय श्रीमती इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व और भारत की सेवा की वीरता को जाता है उन्होंने कहा कि भारतीय थल सेवा में शामिल हरिद्वार के कई नौजवान इस युद्ध में शहीद हुए थे और जिन्होंने पूरे विश्व में हरिद्वार का नाम रोशन किया था जिनमें एक बहुखंडी परिवार है इस परिवार के प्रति उन्होंने गहरी श्रद्ध प्रकट की इस अवसर पर कॉलेज की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेवा की कुशलता के कारण भारत ने 1971 की लड़ाई जीती और पूरे विश्व का ही भूगोल बदल डाला और इसका श्रेय भारतीय सेना और तब की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को जाता है इस अवसर पर कॉलेज की प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य पूर्व प्रबंधक सुनील दत्त पांडे राजेंद्र कुमार शर्मा मनोज खन्ना प्रधानाचार्य मीनाक्षी शर्मा खड़खड़ी शाखा के प्रभारी राजीव पंत और कई शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे जिन्होंने भारत के शहीद सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और इंदिरा गांधी को याद किया।

मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून के हृदय विशेषज्ञों ने हृदय स्वास्थ्य के बारे में लोगों को किया जागरूक

देहरादून (दैनिक हाक): भारत में हर साल हृदय रोग या सीवीडी से 17.5 मिलियन मौतें दर्ज की गई हैं। अदृढ़ जीवनशैली, तनावपूर्ण काम की शर्तों के साथ–साथ एक कमजोरित आहार हृदय रोग के जोखिम को बढ़ावा देने में प्रमुख कारक है।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, देहरादून में कार्डियक थोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. अरविंद मक्कड़ " हाल के वर्षों में युवाओं में हार्ट अटैकों में तेजी से बढ़ोतरी ने व्यापक रूप से हृदय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को प्रमाणित किया है। हृदय रोग, जो वैश्विक मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, पिछले पांच वर्षों में भारत में ह्दय रोगों में भरी वृद्धि देखी गयी है। इस चिंताजनक हृदय संबंधी आपात स्थितियों और संबंधित बीमारियों में वृद्धि के लिए मुख्य रूप से हमारी आधुनिक, तेज़–तर्रार जीवनशैली और विकसित होती आदतें जिम्मेदार हैं, जो 30 से 40 साल की उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं। गतिहीन जीवन शैली, लगातार तनाव, अनिद्रा और धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतें अत्यधिक शराब का सेवन हृदय की जीवन शक्ति को नष्ट कर रहा है। इसके अलावा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे की बढ़ती व्यापकता इस अनिश्चित स्थिति को और बढ़ा देती है। इसके लिए जरूरी है हृदय को स्वस्थ रखने के लिए समाज को जागरूक करने का सामूहिक रूप से प्रयास होना चाहिए है।

डॉ. प्रीति शर्मा, डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून "गतिहीन जीवन शैली, लगातार तनाव, अनिद्रा और धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतें अत्यधिक शराब का सेवन हृदय की जीवन शक्ति को नष्ट कर रहा है। इसके अलावा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे की बढ़ती व्यापकता इस अनिश्चित स्थिति को और बढ़ा देती है। इसके लिए जरूरी है हृदय को स्वस्थ रखने के लिए समाज को जागरूक करने का सामूहिक रूप से प्रयास होना चाहिए है। लगातार व्यायाम करना हृदय संबंधी मृत्यु दर और हृदय रोग के बढ़ने के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कवच है। प्रत्येक सप्ताह पांच दिनों में कम से कम 30 मिनट की मध्यम–तीव्रता वाली गतिविधि, कुल मिलाकर न्यूनतम 2.5 घंटे साप्ताहिक प्राप्त करने के लिए अपनी प्राथमिकताओं के साथ अपनी पसंदीदा गतिविधि को अपनी दिनचर्या में शामिल करना हृदय के स्वास्थ्य अत्यंत लाभकारी है।

डॉ. योगेन्द्र सिंह, डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ष्हृदय–स्वास्थ्य के लिए एक स्वस्थ आहार का पालन करना हृदय रोग के खतरे को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। एक संपूर्ण आहार में सभी महत्वपूर्ण पोषक तत्व होने आवश्यक है। स्वस्थ प्रोटीन के स्रोतों को विविध करें। हृदय स्वास्थ्य की रक्षा के लिए फ्राइड फास्ट फूड और प्रोसेस्ड विकल्पों से दूर रहना महत्वपूर्ण है। पौधों के आधारित खाद्य जैसे कि सब्जियां, फल, और पूरे अनाज ज्यादा लें, साथ ही रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट को कम करें, खासकर उन्हें जिनमें अतिरिक्त चीनी हो। सोडियम सामग्री की निगरानी के लिए खाद्य लेबल पर सतर्क नजर रखें। भोजन की मात्रा का नियंत्रण एक स्वस्थ हृदय आहार का महत्वपूर्ण भाग है जो की ह्दय के स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।ष

डॉ. पुनीश सदाना, एसोसिएट डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून "यह चिंताजनक है कि कई दिल के दौरे और स्ट्रोक से बचे लोग स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद हानिकारक व्यवहार पर लौट आते हैं। इन बुरी आदतों में खराब आहार विकल्प, अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि, खराब नींद की गुणवत्ता, अत्यधिक शराब का सेवन, धूम्रपान, दवाओं का समय पर नहीं लेना, रक्तचाप प्रबंधन की उपेक्षा और अनियमित कोलेस्ट्रॉल की निगरानी शामिल है। ये व्यवहार हृदय रोग के खतरे को काफी हद तक बढ़ा देते हैं, जिससे संभावित रूप से हार्ट फ़ैल हो सकता है। तनाव प्रबंधन महत्वपूर्ण है, क्योंकि चिंता अनौपचारिक आदतों और उच्च रक्तचाप की ओर ले जा सकती है। मनोरंजन योग्य तनाव–राहत उपायों को खोजना, जैसे कि ध्यान या फिर फुर्सत के गतिविधियों को हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

संसद में घुसपैठ, चिंताजनक

संपादकीय

संसद पर हमले की 22वीं बरसी पर संसद की सुरक्षा में चूक बहुत चिंताजनक है। सबसे बड़ी बात कि तब लोकसभा में कार्यवाही चल रही थी और पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद खगेन मुर्मु लोकसभा में बोल रहे थे, तभी दर्शक दीर्घा से दो घुसपैठिए सदन में कूद पड़े। कार्यवाही तत्काल स्थगित करनी पड़ी और निडर सांसदों ने ही आगे बढ़कर घुसपैठियों को काबू में किया। घुसपैठिए अपने साथ एक द्रव्य लाए थे, जिससे उन्होंने पीला धुआं फैला दिया। गनीमत है कि धुआं जहरीला नहीं था, पर यह एक बड़ी सुरक्षा चूक है और सुरक्षा एजेंसियों को विस्तार से जांच करनी चाहिए। संसद में हथियार ले जाना असंभव है, पर जो द्रव्य जूतों में छिपाकर ले जाया गया, क्या उसे जांचने और रोकने की सुविधा सुरक्षा एजेंसियों के पास नहीं थी? क्या संसद में दर्शकों के जूतों की जांच का कोई प्रावधान नहीं है? यह सवाल खड़ा हो गया है कि ऐसी कौन-कौन-सी चीजें हैं, जिनकी जांच संसद में प्रवेश से पहले नहीं की जाती है? घुसपैठिए कौन थे, उनका मकसद क्या था, सब कुछ धीरे-धीरे पता चल जाएगा, मगर हमारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए घुसपैठ की एक बड़ी चुनौती है। दुस्साहसी साजिश रचने वालों के नेटवर्क की पूरी पड़ताल होनी चाहिए, ताकि ऐसे खतरनाक मनसूबों की कमर हमेशा के लिए टूट जाए। हरसंभव कोण से जांच करने की जरूरत है। हालांकि, इसमें कोई शक नहीं कि राजनेता इस घुसपैठ में भी अपने लिए राजनीति की गुंजाइश खोजने की कोशिश करेंगे। ऐसा होना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण होगा, पर हर तरह के मामले में राजनीति होना अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं है। अत-यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राजनीति के लिए कोई गुंजाइश न छोड़े, समय रहते दूध का दूध और पानी का पानी कर दे। विपक्ष को एक मौका जरूर मिल गया है, क्योंकि दोनों घुसपैठिए एक भाजपा सांसद द्वारा अनुशंसित पास पर दर्शक दीर्घा में पहुंचे थे। अब तत्काल प्रभाव से दर्शकों के प्रवेश को रोक दिया गया है, मगर यह अस्थायी उपाय ही होना चाहिए। अंतत- दर्शकों को पूरी जांच के बाद ही दर्शक दीर्घा में जाने की मंजूरी देनी चाहिए। साथ ही, जूते-चप्पल या कोई भी ऐसा अन्य पदार्थ उनके साथ नहीं होना चाहिए, जिसका दुरुपयोग हमले के लिए हो सकता हो। इसमें कोई शक नहीं कि संसद के लिए सुरक्षा की नई योजना बनानी पड़ेगी। आज भारत जिस मोड़ पर है, वहां वह अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं कर सकता। संसद को अगर कोई अवांछित तत्व छूते हुए भी जाता है, तो यह हमारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए खतरे की घंटी है। सुरक्षा एजेंसियों और सुरक्षा व्यवस्था को ऐसा चौकस होना चाहिए कि कोई भी अपराधी तत्व ऐसी जुर्रत न कर सके। बेशक, सुरक्षा एजेंसियों पर हमें पूरा भरोसा रखना होगा, पर अति-आत्मविश्वास कतई उचित नहीं है। ध्यान रहे, अमेरिका-कनाडा में बैठे एक खालिस्तानी आतंकी ने कुछ ही दिनों पहले भारतीय संसद पर हमले की धमकी दी थी। इस धमकी के मद्देनजर सुरक्षा के तमाम संसाधनों को सतर्क कर देना चाहिए था। अफसोस, ऐसे खुराफाती हैं, जो संसद पर हमले के लिए फांसी की सजा पाने वाले आतंकी अफजल गुरु को भी एक अलग नजरिये से देखते हैं। ऐसे गलत लोगों को अपनी पुरानी आदतों से बाज आना चाहिए। साथ ही, सांसदों को भी दर्शक दीर्घा पास के लिए लोगों की सिफारिश करते हुए सचेत रहना होगा। यह दौर पारंपरिक उदारता का नहीं, सतर्क सेवा का है।

आम चुनावों की गजब बिछी बिसात

बेशक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं का मूड एकदम मोदीमय नजर आया, पर 2024 का चुनाव अलग भी हो सकता है, इसका एहसास भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी है। इसीलिए चूक की कोई गुंजाइश छोड़े बिना सुनियोजित रणनीति और मजबूत संगठन के सहारे उन मुद्दों पर चुनाव लड़ा गया, जो सीधे मतदाता को छुएं और जिनकी काट विरोधियों के पास न हो। परिणाम सामने हैं। ऐसे परिणामों के बाद कोई भी दूसरा दल परंपरागत क्षत्रपों की ताजपोशी में तनिक भी समय नहीं लगाता, पर उनमें और भाजपा में यही तो फर्क है। भाजपा रुटीन की तरह कुछ भी नहीं करती। वह हमेशा सामाजिक-क्षेत्रीय समीकरण साधते हुए आगामी राजनीति की चुनावी बिसात बिछाती है। यह स्वाभाविक है, चार बार मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान, तीन बार मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह और दो बार मुख्यमंत्री रही वसुंधरा राजे को दरकिनार किए जाने की राजनीतिक पंडित अपने-अपने नजरिये से देखें, पर इन नेताओं के सहारे भाजपा कितनी दूर राजनीति कर पाती? इसलिए कोई सीएम चेहरा पेश किए बिना भी, मोदी के नाम और काम पर मतदाताओं से मिले प्रचंड जनादेश को संघ-भाजपा ने पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन के लिए अनुकूल अवसर बना लिया।

(राज कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर साबित कर दिया कि उनकी सोच वहां से शुरू होती है, जहां विरोधियों की सोच समाप्त हो जाती है। बिहार में नीतीश कुमार सरकार द्वारा जातिगत गणना के बाद कांग्रेस ने देश में ऐसी ही गणना के वायदे के सहारे हालिया विधानसभा चुनावों की वैतरणी पार करने की सोची थी, संघर्ष भी हुआ, पर सत्ता की नाव खे ले गई भाजपा। अब मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों, उप-मुख्यमंत्रियों के चयन के जरिये भाजपा ने चंद महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए गजब की बिसात बिछाई है। बिसात की सफलता की असली कसौटी तो लोकसभा चुनाव ही होंगे, पर इससे 26 दलों के विपक्षी गठबंधन की चुनावी राह मुश्किल अवश्य हो जाएगी। तीनों ही राज्यों में भाजपा के पास कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरों को जोरदार टक्कर दे सकने वाले चेहरे थे, पर मोदी ने अपने नाम-कामपर चुनाव लड़ने का जोखिम उठाया। दरअसल, चुनाव राजनीति के माहिर खिलाड़ी मोदी-शाह की जोड़ी ने यह जोखिम भी रणनीति के साथ उठाया। उन्हें पता था कि 2018 में मतदाताओं ने इन्हीं क्षत्रपों के मुख्यमंत्रित्वकाल के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के चलते कांग्रेस को संजीवनी बन सकनेवाली जीत दे दी थी।

बेशक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं का मूड एकदम मोदीमय नजर आया, पर 2024 का चुनाव अलग भी हो सकता है, इसका एहसास भाजपा ही नहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी है। इसीलिए चूक की कोई गुंजाइश छोड़े बिना सुनियोजित रणनीति और मजबूत संगठन के सहारे उन मुद्दों पर चुनाव लड़ा गया, जो सीधे मतदाता को छुएं और जिनकी काट विरोधियों के पास न हो। परिणाम सामने हैं। ऐसे परिणामों के बाद कोई भी दूसरा दल परंपरागत क्षत्रपों की ताजपोशी में तनिक भी समय नहीं लगाता, पर उनमें और भाजपा में यही तो फर्क है। भाजपा रुटीन की तरह कुछ भी नहीं करती। वह हमेशा सामाजिक-क्षेत्रीय समीकरण साधते हुए आगामी राजनीति की चुनावी बिसात बिछाती है। यह स्वाभाविक है, चार बार मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान, तीन बार मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह और दो बार मुख्यमंत्री रही वसुंधरा राजे को दरकिनार किए जाने की राजनीतिक पंडित अपने-अपने नजरिये से देखें, पर इन नेताओं के सहारे भाजपा कितनी दूर राजनीति कर पाती? इसलिए कोई सीएम चेहरा पेश किए बिना भी, मोदी के नाम और काम पर मतदाताओं से मिले प्रचंड जनादेश को संघ-भाजपा ने पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन के लिए अनुकूल अवसर बना लिया। केंद्रीय नेतृत्व से इन क्षत्रपों के समीकरणों की अटकलें अपनी जगह हैं, पर नए चेहरों का चयन बताता है कि यह परिवर्तन महज किसी को हटाने या किसी को बनाने की सोच का परिणाम नहीं है। किसी भी राज्य में किसी भी चर्चित दावेदार का दांव नहीं लगा है। तीनों ही राज्यों में न सिर्फ संघ-भाजपा के प्रति निष्ठा बड़ी कसौटी रही है, बल्कि चुनावी राजनीति में बेहद जरूरी सामाजिक-क्षेत्रीय समीकरण को भी ध्यान में रखा गया है। समीकरण साधने की सोच संबंधित राज्य तक ही सीमित नहीं है। सबसे चौंकानेवाला नाम राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का है। केंद्र में मंत्री और दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी

राजघराने की पृष्ठभूमि वाली वसुंधरा के बजाय पहली बार विधानसभा चुनाव जीते अपेक्षाकृत युवा चेहरे की ताजपोशी के पीछे संघ-भाजपा की वही रणनीति नजर आती है। कांग्रेसी मुख्यमंत्री हरदेव जोशी, यानी 1990 के बाद राजस्थान को ब्राह्मण मुख्यमंत्री नहीं मिला था। प्रदेश में ब्राह्मण मतदाता 8-9 प्रतिशत ही हैं, पर लगभग 50 विधानसभा सीटों पर प्रभावी हैं। ध्यान रहे कि देश भर में ब्राह्मण समुदाय भाजपा का परंपरागत समर्थक वर्ग माना जाता है। दीया कुमारी को उप-मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने वसुंधरा की अनदेखी से नाराज हो सकने वाले राजपूत समुदाय को संतुष्ट रखने की कोशिश की है। राजस्थान में राजपूत मतदाता हैं, तो नौ प्रतिशत, पर लगभग 60 सीटों को प्रभावित करते हैं। शेष देश में भी राजपूत मतदाताओं की पहली पसंद भाजपा ही रहती है। राजस्थान में अनुसूचित जाति मतदाता इनसे कहीं ज्यादा 18 प्रतिशत हैं। प्रेम चंद बैरवा को दूसरा उप-मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा, कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक अनुसूचित जाति वर्ग में कितनी सेंध लगा पाएगी- यह समय ही बताएगा। कुछ वर्ग उपेक्षित दिखते हैं। मंत्रिमंडल या संगठन में प्रतिनिधित्व के जरिये भाजपा इन्हें कैसे साधती है, उस पर भी आगामी चुनाव परिणाम किसी हद तक निर्भर करेंगे।

पिछले विधानसभा चुनाव में इन तीनों राज्यों में भाजपा ने सबसे कड़ी टक्कर कांग्रेस को मध्य प्रदेश में ही दी थी। दोनों के बीच मात्र पांच सीटों का फासला था। 15 साल के शासन के बाद उस परिणाम को भारी सत्ता विरोधी भावना तो नहीं ही कहा जा सकता। इस बार अगर भाजपा को वहां लगभग दो-तिहाई बहुमत मिला है, तो मोदी की लोकप्रियता और केंद्रीय मंत्रियों समेत सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ाने के दांव के अलावा मामा के संबोधन से लोकप्रिय शिवराज की लाड़ली बहना जैसी योजनाओं का भी योगदान रहा, पर भविष्य की राजनीति का तकाजा था कि भाजपा पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाए।

नए मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव का चयन उस दिशा में कदम तो है ही, भाजपा ने अपने ओबीसी वोट बैंक के विस्तार का दांव भी चला है। चुनाव-दर-चुनाव भाजपा को मिलने वाला ओबीसी समर्थन बढ़ता गया है, पर वह मूलत-गैर-यादव ओबीसी वोट बैंक है। महाकाल की नगरी उज्जैन से विधायक मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने दरअसल उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव मतदाताओं को लुभावने के लिए बड़ा दांव चला है। आखिर इन दोनों राज्यों से लोकसभा के लिए 120 सदस्य चुने जाते हैं। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में तो मोहन यादव की ससुराल है।

मुबारक हो, ट्रिपल इंजन की सरकार

(रमेश जोशी)

आज तोता राम हमारे जाग जाने से पहले ही हाजिर, जैसे कि चुनाव की घोषणा होते ही टिकटार्थी नोटों से भरा सूटकेस और अपने जिताऊ उम्मीदवार होने के प्रमाण स्वरूप पुलिस केसों की लिस्ट लेकर पार्टी कार्यालय को घेर लेते हैं। हमने छेड़ा- आज कौन सा स्वार्थ भगा लाया भक्त को। बोला- हम स्वार्थी भक्त नहीं हैं। हम तो पार्टी के अनुशासित सिपाही है। जनता की सेवा के लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं लेकिन अपने कुछ मांगने के मामले में मामा शिवराज सिंह जी की तरह हैं। मर जाएंगे लेकिन कुछ मांगने के लिए दिल्ली नहीं जाएंगे। आज तो हम तुझे विशेष रूप से 'मुबारकबाद' देने आए हैं। हमने कहा- हम भी हिन्दुत्व, राष्ट्रीयता और गुलामी के बचे-खुचे चिह्नों को मिटाने के मामले में तेजस्वी सूर्या से कम नहीं हैं। शुभकामना दे, बधाई दे लेकिन यह 'इस्लामी' मुबारकबाद किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। बोला- चल, तेरी ही बात बड़ी कर देता हूं, ट्रिपल इंजन की सरकार कल्याणकारी हो, शुभ हो, मंगलमय हो। हमने तोताराम को फिर फफेड़ा- यह ट्रिपल भी 'घमंडिया' के 'इंडिया' की तरह अंग्रेजी है, इंजन भी अंग्रेजी और 'सरकार' फिर कहीं न कहीं अरबी-फारसी-उर्दू वाली इस्लामी संस्कृति की याद दिलाता है। बोला- इस तरह तो हम हिन्दी वालों का बोलना ही मुश्किल हो जाएगा। अंग्रेजी, उर्दू शब्दों के बिना कैसे काम चलेगा? खैर, कोशिश करता हूं। 'त्रिगुण अग्निरथ सत्ता' कल्याणकारी हो ।

हमने कहा- सब तो डबल इंजन की सरकार का जुमला फेंकते हैं लेकिन अब यह तीन इंजन की सरकार कहाँ से आ गई? बोला- जो केंद्र में वही राज्य में। तो डबल। और उस पर ब्राह्मण मुख्यमंत्री तो हुई कि नहीं त्रिगुण इंजन सत्ता? कल पहली बार राज्य में तेरे सरनेम वाले हरिदेव जोशी के 33 साल बाद कोई ब्राह्मण मुख्यमंत्री बना है। अब और क्या चाहिए? देखा नहीं, तेरे सरनेम वाले राजस्थान विप्र सेना के अध्यक्ष समेत कितने ब्रह्मज्ञानियों ने भजन लाल शर्मा को पूरे पेज के विज्ञापन द्वारा बधाई दी है।

डर के आगे जीत

(प्रणव प्रियदर्शी)

खेल ही ऐसा क्षेत्र है जहां आप हारते हुए भी आगे बढ़ सकते हैं- यह कहना है अवनि लेखरा का। जिंदगी भी ऐसा ही एक क्षेत्र है बशर्ते आप इन मुश्किलों को चैलेंज की तरह देखें और हर हाल में इनसे निपटने का अपना संकल्प बनाए रखें। यह बात कोई और नहीं बल्कि खुद अवनि साबित करती हैं। सिर्फ बातों से नहीं बल्कि अपनी जिंदगी से, अपने संकल्प से और उस बूते हासिल की गई अपनी उपलब्धियों से। 8 नवंबर 2001 को जयपुर में जनमी अवनि बचपन से अपने आसपास के किसी भी आम बच्चे जैसी ही थीं। दस साल तक वह आम बच्चों की तरह खेलतीं, पढ़तीं और सपने देखती रहीं। 11वें साल में जिंदगी ने उनके सामने ऐसी चुनौती फेंकी कि उनकी पूरी दुनिया बदल गई।

2012 में वह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हुईं इसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में ऐसी चोट लगी, जिसने उन्हें चलने और खड़े होने लायक नहीं रहने दिया। स्वाभाविक ही अवनि इससे हारी हुई महसूस करने लगीं। अब तक के तमाम सपने उनका साथ छोड़ने लगे। लेकिन इस स्थिति में भी अवनि ने हथियार नहीं डाले। उनके साथ मात-पिता का स्नेह भी था, जो उस हाल में भी उनका हौसला टूटने नहीं दे रहा था। उन्हीं दिनों पिता ने उन्हें अभिनव बिंद्रा की बायोग्रफी 'अ शॉट एट हिस्ट्री' लाकर पढ़ने को दी। वहां से उनके सपनों ने नया मोड़ लिया, नया लक्ष्य उनके सामने आ गया और अवनि शूटिंग में इतिहास रचने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने लगीं।

कोच चंदन सिंह के मार्गदर्शन से लैस अवनि की आगे की यात्रा उनके इस संकल्प की मजबूती की मिसाल है। सड़क दुर्घटना के तीन साल के अंदर 2015 में हुए नैशनल पैरालिंपिक शूटिंग चैंपियनशिप में अवनि ने कांस्य पदक हासिल कर लिया। 2016 में रियो ओलिंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर स्टैंडिंग प्रतियोगिता में वह गोल्ड जीतने में कामयाब रहीं। 2017 और 2019 में पैरा शूटिंग वर्ल्ड में सिल्वर मेडल जीतने के बाद 2020 के तोक्यो पैरालिंपिक में गोल्ड जीतने वाली देश की पहली महिला बन गईं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वर्ग पहेली 5222

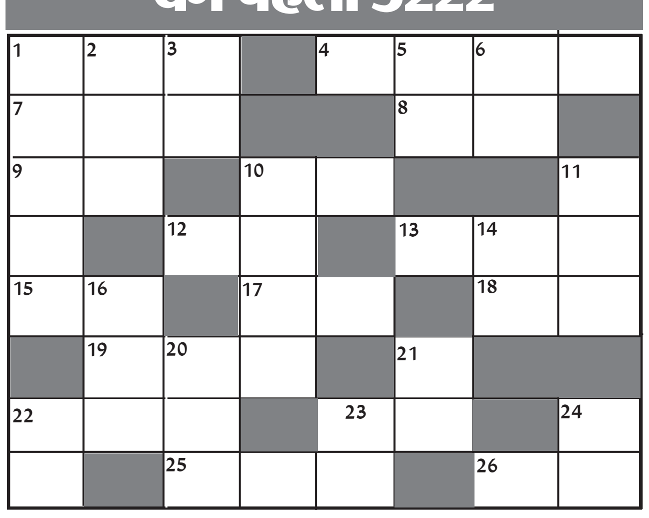

संकेतः बाएं से दाएं

1. आस्ट्रिया ओर इस देश ने अलग होने के बाद 1918 को चकोस्लोवाकिया स्वतंत्र हुआ (3)
4. 1930 को इस भारतीय फिल्म गीतकार ने जन्म लिया था जिन्होंने 300 से अधिक फिल्मों के लिए 1500 से अधिक गीत लिखे (4)
7. तुल्यता, बराबरी, तुलना (3)
8. दुर्व्यसन, बुरी आदत, चसका (2)
9. वाक्य का अपभ्रंश (2)
10. उच्छिच्ट, भुक्त शेष (2)
12. ऋषि, अवाचाल, मौनी (2)
13. राक्षस, पिशाच, समुद्री नमक (3)
15. यह विश्व कही सबसे लंबी नदी है जिसकी लंबाई 6650 कि.मी. है (2)
17. अगर, जो (2)
18. एक विलायती मदिरा (2)
19. बबूल के वृक्ष को यह भी कहते है (3)
22. छोरस्थ, नितांत अंतिम (3)
23. महाप्रबंधक (अंग्रेजी)(2)
25. लोभी, जिसे अधिक लोलुपता हो (3)
26. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति (2)

ऊपर से नीचे

1. माता सरस्वती का एक नाम, शारदा (5)
2. रिक्त, खाली, अनभरा (2)
5. श्रीराम की सेवा का एक वानर (2)
6. कोटि, जाति का अपभ्रंश (2)
10. अधीनस्थ, आज्ञाहीन, मातहत (4)
11. मुलायम, मृदु, कोमल (3)
14. लय, स्वर (2)
16. रेखा, लाइन, लीक (3)
20. हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी का यह नाम था, लक्ष्मी, लौकिकी अप्सराओं में एक अप्सरा का नाम (3)
21. एक छोटा पौधा जिसके बीज दवा और मसाले के काम आते है (2)
22. एक श्लोक का चतुर्थाश, ओहदा (2)
23. अभिनेता गोविंदा इस नाम से भी जाने जाते है (2)
24. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी लीमा है (2)

वर्ग पहेली 5221 का हल

अ	नु	रा	धा	पौ	ड	वा	ल
मृ		ह	र	ना		स	दा
ता	क	त			प	व	न
प्री	त		स	र	ह	द	
त	र		मा		ल	त्ता	
म		गा	धि		वा		व
	भ	य		ज	न	म	त
सै	ला	ब		स्ता		घा	न

बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों के साथ जब बढ़ने लगे दबाव

(अभिलाषा द्विवेदी, शोधकर्ता, एसएमआईएमईआर)

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा ने कई परीक्षार्थियों की नींद उड़ा दी होगी। बेशक, सरकार की तरफ से कई ऐसे प्रयास किए गए हैं, ताकि परीक्षार्थियों में तनाव का स्तर न्यूनतम रहे, लेकिन असफलता का डर और अधिक अंक लाने का दबाव बच्चों को परेशान कर सकता है। अभिभावक भी अपने बच्चों के परीक्षा-परिणाम को अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं, जिसके कारण परीक्षार्थियों पर अतिरिक्त बोझ होता है। परीक्षा में तनाव सामान्य बात है, पर यह सकारात्मक, यानी 'यूस्ट्रेस' होना चाहिए। नकारात्मक तनाव, यानी 'डिस्ट्रेस' सेहत को हमेशा नुकसान पहुंचाता है। लिहाजा, परीक्षार्थियों व अभिभावकों, दोनों को प्रसन्नतापूर्वक परीक्षा की तैयारी का तरीका सीखना चाहिए।

सवाल है कि 'परीक्षा सिंड्रोम' से परीक्षार्थी कैसे बचें? इसके लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं। सबसे पहले तो यह समझना होगा कि दिमागी तनाव का सीधा संबंध हमारे पेट से है। तनाव होने पर पेट का स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। आंत चूंकि हमारा 'सेकंड ब्रेन' (दूसरा दिमाग) होती है, इसलिए उसे ठीक रखने के लिए पर्याप्त पोषक-तत्वों के सेवन के साथ दिनचर्या में सुधार आवश्यक है। तनाव के समय 'एड्रेनालाइन हार्मोन' का स्राव भी बढ़ जाता है, जिससे हमारे दिल की धड़कन बढ़ जाती है और मांसपेशियों में तनाव आ जाता है। इसे संभालने का एक आसान तरीका अपनी सांसों पर नियंत्रण करना है। इसके लिए प्राणायाम की '4-7-8 तकनीक' का अभ्यास किया जा सकता है। इसमें अपनी सांस को चार गिनती तक खींचना, फिर सात गिनती तक उसे रोककर रखना और धीरे-धीरे अगली आठ गिनती में उसे छोड़ने की क्रिया करनी चाहिए। इससे धड़कन सामान्य हो जाती है और शरीर का तनाव कम होने लगता है।

परीक्षा के समय बच्चों के खान-पान के अनियमित होने की आशंका भी बढ़ जाती है। मगर पाचन-क्रिया को ठीक रखने के लिए 'गुड बैक्टीरिया' आवश्यक है। इसके लिए कई 'प्रोबायोटिक' बाजार में उपलब्ध हैं, लेकिन घर में इसका अच्छा विकल्प है, ताजा दही या ताजा मक्खन के साथ मिसरी का सेवन। आज मोबाइल, इंटरनेट पर निर्भरता भी बच्चों में तनाव बढ़ाने का कारक है। अब जब ये चीजें अनिवार्य हो चली हैं, तब 'स्क्रीन टाइम' सीमित करने के लिए बच्चों में शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ दिमाग के संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें चार स्तंभ याद रखने चाहिए- पहला, कम से कम 40 मिनट का व्यायाम। इससे 'हैप्पी हार्मोन' स्रावित होता है। बच्चों की दिनचर्या के हिसाब से व्यायाम दो (20-20 मिनट) या तीन (15-15 मिनट) भागों में बांटे जा सकते हैं। दूसरा, छह से सात घंटे की पर्याप्त नींद। इसे भी टुकड़े-टुकड़े में पूरा किया जा सकता है, लेकिन रात 11 बजे से सुबह तीन बजे तक की नींद बहुत जरूरी है, क्योंकि इस वक्त हमारा शरीर अपनी चिकित्सा खुद कर रहा होता है। तीसरा, सकारात्मक सोच। इसके लिए बच्चे गीत-संगीत सुनने या अच्छी पुस्तकों को पढ़ने जैसी रुचियों का सहारा ले सकते हैं। इस वक्त अभिभावकों को भी सकारात्मक शब्दों के चयन के साथ बातें करनी चाहिए। जिन कामों को करने से बच्चों को रोकना हो, उनके बारे में न बात करते हुए उन विकल्पों का शाब्दिक प्रयोग करें, जो उनसे करवाना चाहते हों। जैसे, टीवी न देखने की सलाह देने के बजाय अमुक विषय पढ़ने को कहना। चौथा स्तंभ है, पोषक तत्व। इसके लिए संतुलित भोजन आवश्यक है। समय पर खाना और भूख से थोड़ा कम सेवन ध्यान बढ़ाने में मददगार होता है। इस दौरान तरल पदार्थों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।

यह समझना होगा कि हम जैविक ही नहीं, बौद्धिक व आध्यात्मिक इकाई भी हैं। सिर्फ एक परीक्षा हमारे जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है, इसलिए इसमें सफलता या असफलता पर हमारा जीवन निर्भर नहीं है। अच्छी बात है कि सीबीएसई बोर्ड ने इस बार कई बदलाव किए हैं। चूंकि परीक्षा-पैटर्न ऐसा बनाया गया है कि 70 फीसदी सवाल व्यावहारिक पहलुओं के होंगे, इसलिए उम्मीद है कि रटने या याद करने की मानसिकता से बच्चे ऊपर उठकर विषयों के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का प्रयास करेंगे। इससे उनमें कुशलता व दक्षता भी बढ़ेगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन शुभ है और आज आपको किसी मामले में ऑफिस में सहयोगियों की मदद लेनी पड़ सकती है। अकारण पड़ने वाले व्यवधान से आपका कोई जरूरी काम प्रभावित हो सकता है। परिश्रम की आवश्यकता है।

वृषभ
आज का दिन अधिक खर्च वाला रहेगा और आज आप इस वजह से तनाव में रहेंगे। खर्च अधिक हो जाने की वजह से जरूरी काम में पैसों की कमी हो सकती है। अधिक उत्साह से काम बिगड़ सकता है, इसलिए कुछ भी करने से पहले अच्छे से सोचविचार कर लें।

मिथुन
आज आर्थिक स्थिति आज मिलीजुली रहेगी और परिवार की जरूरतों को पूरी करने का दबाव रहेगा। आपको धन के मामले में कोई भी फैसला काफी सोचकर लेने की जरूरत है।

कर्क
आज दिन सफलता से भरा होगा और आज आपको मेहनत का फल मिलेगा, जिसका इंतजार आप काफी समय से कर रहे थे। परिश्रम के बाद आपको वांछित लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

सिंह
आज दिन अनुकूल है और आज आपके सभी काम समय पर बनते नज़र आएंगे। आपका मन प्रफुल्लित होगा और आप उत?साह के साथ अपने ऑफिस व कारोबार के कार्य पूर्ण करेंगे। खर्च पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

कन्या
आज लाभ का दिन है। आपको उपहार और सम?मान प्राप?त होगा। आज आपको करियर से संबंधित कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपको उत्सव में शामिल होने का मौका मिलेगा। अच्छे भोजन से स्वास्थ्य में वृद्धि होगी।

तुला
आज आर्थिक लाभ होगा और आपकी कार्यक्षेत्र में धाक जमेगी। आपके सभी रुके कार्य एक के बाद एक पूरे होते जाएंगे। सेहत प्रभावित होने की वजह से आपका खर्च और काम दोनों बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक
आज दिन शानदार बीतेगा और आपके सभी कार्य पूर्ण होंगे। आज किसी जरूरी कार्य को पूरा करने से आपको लाभ होगा और आपके कार्य पूर्ण होंगे। इससे आपके धन में वृद्धि होगी और आपको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

धनु
आज लाभ होगा और आज आप प्रॉपर्टी और वाहन से संबंधित कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। करियर में शुभ संदेश आने से उत्साह बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग भी प्राप्त होगा।

मकर
आज आर्थिक लाभ का दिन है और आज आप जो भी योजनाएं बनाएंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग बना रहेगा। किसी चल या अचल संपत्ति का निपटाना आवश्यक होगा। पारिवारिक व्यवस्था बनाने में व्यस्त रहेंगे

कुंभ
आज फालतू के काम में व?यर्थ होगा। व्यर्थ के संदेह और तर्क वितर्क में समय और धन की हानि होगी। बेहतर होगा कि आप अपने जरूरी कार्य पहले पूरे करें। आपको ऑफिस में आज बॉस की तरफ से पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ का सुअवसर भी आएगा।

मीन
आज लाभकारी समय है और आज आपको सभी कार्य करने में लाभ होगा। जटिलताएं खत्म होंगी और विरोधी भी परास्त होंगे। खानपान में परहेज करने से आपको लाभ होगा। आज आप परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दोस्त और किसान की हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

रूड़की, एजेंसी। मंगलौर कोतवाली पुलिस और एसओजी की टीम ने दोस्त और किसान की हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी छह महीने से एसबीआई रुड़की की मुख्य शाखा को लूटने की साजिश रच रहे थे। साजिश से अलग होने पर उन्होंने दोस्त को गोली मारकर शव जंगल में फेंक दिया था। वहीं, गत नवंबर में आरोपियों ने किसान की गोली मारकर हत्या की थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने कोतवाली रुड़की में पत्रकारवार्ता कर बताया कि लंढौरा में मातावाला हसन बाग निवासी साकिब आठ दिसंबर को लापता हो गया था। उसके भाई मोहम्मद आलम ने पुलिस को सूचना दी थी। बुधवार को साकिब (21) का शव आईटीआई के पास जंगल में पड़ा मिला था। सिर पर चोट का निशान था। पड़ताल में पता चला कि गोली मारकर हत्या की गई है। जांच में उज्ज्वल (21) निवासी शिवाजी कॉलोनी ढंढेरा और आदेश (22) निवासी नगला इमरती का नाम सामने आया। दोनों आरोपी भागने की फिराक में थे, लेकिन दोनों को आसफनगर से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि साकिब उनका दोस्त था। तीनों ने मिलकर रुड़की में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा को लूटने की साजिश रची थी। इसके लिए उन्होंने अत्याधुनिक साजोसामान भी खरीदा। वह जल्द ही लूट को अंजाम देने वाले थे। इसी बीच 25 नवंबर की रात को वह जब बाइक से कहीं जा रहे थे तो बिझौली बाईपास के पास गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की साइड लग गई। इससे वह दोनों नीचे गिर गए। उन्होंने पीछा किया ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवा लिया और चालक नेत्रपाल (56) निवासी मंगलौर की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद से साकिब उनसे दूरी बनाने लगा था। उसने बैंक लूट में शामिल होने से भी इन्कार कर दिया। यह उन्हें खतरे का संकेत लगा। इसके चलते उन्होंने साकिब को रास्ते से हटाने का सोचा।

ऋषिकेश-देहरादून मोटर मार्ग पर अभी शुरू नहीं हुई कानबाई

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋषिकेश-देहरादून मोटर मार्ग पर वन विभाग की ओर से अभी तक कानबाई सेवा शुरू नहीं की है। नटराज से लेकर दांडी तक हाथी बाहुल्य क्षेत्र है। रात में यात्री जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। जाड़ों के दिनों में शाम ढलते ही मोटर मार्गों पर लोगों की आवाजाही कम हो जाती है। कामकाजी लोग और इमरजेंसी सेवा वाले लोग ही सर्द रातों में देर रात तक आवाजाही करते हैं। ऋषिकेश रेंज के अंतर्गत नटराज बैरियर से लेकर दांडी तक करीब 12 किमी की दूरी पर हाथियों की चहलकदमी रहती है। ऋषिकेश-देहरादून मोटर मार्ग पर सौ फुटी, काली माता मंदिर, सात मोड़, दुर्गा मंदिर पर रात में हाथियों के झुंड सड़क को पार करते हैं। यात्री और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वन विभाग की ओर से दिसंबर महीने में शाम छह बजे से लेकर देररात करीब 12 बजे तक कानबाई चलायी जाती थी। कानबाई के दौरान देहरादून की ओर जाने वाले वाहनों को नटराज बैरियर पर रोका जाता है। फिर वहां से सभी वाहन एक साथ वन विभाग के वाहनों के पीछे चलते हैं। वहीं, ऋषिकेश आने वाले वाहनों को थानो बाईपास के समीप रोका जाता है, जो वन विभाग के वाहनों के साथ चलते हैं। दिसंबर महीना आधा बीत गया है, लेकिन वन विभाग की ओर से अभी तक इस रूट पर कानबाई शुरू नहीं की गई है।

सरकारी अस्पताल में होगी पीआरडी जवानों की तैनाती

ऋषिकेश, एजेंसी। एसपीएस राजकीय चिकित्सालय परिसर में जल्द पीआरडी जवानों की तैनाती होगी। अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होने से मरीजों एवं तीमारदारों के सामान चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा। स्वास्थ्य विभाग ने पीआरडी जवानों की तैनाती के लिए डीएम को पत्र भेजा है। उप जिला अस्पताल ऋषिकेश में नरेंद्रनगर ब्लॉक, यमकेश्वर ब्लॉक, रानीपोखरी, रायवाला, श्यामपुर समेत कई जगहों से मरीज और तीमारदार पहुंचते हैं। अस्पताल परिसर में अभी पांच सुरक्षा कर्मचारी तैनात हैं। सुरक्षा कर्मचारियों की कमी होने के कारण अस्पताल परिसर में असामाजिक तत्व सक्रिय हैं। वार्डों में भर्ती मरीजों और स्टॉफ कर्मचारियों के सामान चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। सीएमएस डॉ. पीके चंदोला ने डीएम को पत्र भेजकर पीआरडी जवानों की मांग की है। डीएम से संस्तुति मिलते ही पीआरडी जवानों की तैनाती की जाएगी।

ऊर्जा निगम की टीम को बंधक बनाकर पीटने के मामले में दो नामजद समेत 20 पर एफआईआर

कलियर, एजेंसी। ऊर्जा निगम की टीम को बंधक बनाकर पीटने, गाड़ी में तोड़फोड़ एवं दस्तावेज छीनने के मामले में पुलिस ने दो नामजद समेत बीस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आरोपित अपने घरों से फरार है। ऊर्जा निगम के अवर अभियंता गोपाल सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बुधवार की रात को अवर अभियंता फैजल और अन्य कर्मचारियों के साथ महमूदपुर गांव में बिजली चोरी की सूचना पर पहुंचे थे। यहां पर कनेक्शन कटने के बावजूद एक उपभोक्ता द्वारा चोरी से बिजली का उपभोग किया जा रहा था। जिस पर उन्होंने केबल आदि को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसी बीच भीड़ ने ऊर्जा निगम की टीम को घेर लिया। टीम के हाथ से सभी दस्तावेज को छीनते हुए उनके साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं सरकारी रिकार्ड को छीनकर चेकिंग रिपोर्ट आदि को फाड़ दिया गया।

पशुओं को चोरी कर भाग रहे आरोपियों की गाड़ी पलटी

रूड़की, एजेंसी। पशुओं को चोरी कर गाड़ी में भरकर भाग रहे आरोपियों का वाहन पलट गया। इसके बाद ग्रामीण एकत्र हो गए और उन्हें देखकर आरोपी वाहन छोड़कर भाग निकलने में कामयाब रहे। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया। पशु स्वामी ने पुलिस को तहरीर दी है। आरोपियों की तलाश में पुलिस जुट गई है। घटना बुधवार देर रात की है। जब गांव खेड़ली निवासी मोहित के घर के अंदर दो भैंस और उसका बछड़ा बंधा हुआ था। रात में चोरो ने गेट का कुंडा खोलकर तीनों पशुओं को चोरी कर पिकअप गाड़ी में भर लिए। इसके बाद आरोपी गाड़ी लेकर भागने लगे। तब पिछपडी गांव के पास पिकअप पलट गई।

औली में बर्फबारी से बढ़ी फिसलन, वाहनों को हो रही दिक्कत; बीआरओ ने शुरू किया काम

गोपेश्वर, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल औली मोटर मार्ग पर बर्फबारी व पाले से हुई फिसलन में वाहनों के रपटने की घटनाओं के बाद सीमा सड़क संगठन ने मजदूर लगाकर बर्फ हटाने व नमक छिड़क कर पाले व बर्फ को पिघलाने का कार्य शुरु कर दिया गया है। जिससे पर्यटकों सहित स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है। सीमा सड़क संगठन ने गुरुवार को प्रातः औली मोटर मार्ग पर मजदूर लगाकर बर्फ हटाने व नमक छिड़क कर बर्फ व पाला पिघलाने का कार्य शुरु कर दिया है। दोपहर बाद वाहनों की भी आवाजाही हुई। सीमा सड़क संगठन के कमान अधिकारी मेजर प्रतीक काले ने बताया कि लोनिवि के अधिशासी अभियंता से उनकी बात हुई है।

कैसे बंद हुआ टनल का रास्ता भूस्खलन घटना के कारणों की गहनता से जांच में जुटी टीम

उत्तरकाशी, एजेंसी।
सिलक्यारा सुरंग में भूस्खलन घटना के कारणों की गहनता से पड़ताल शुरू हो गई है। भारत सरकार की ओर से भेजी गई उच्च स्तरीय आठ सदस्सीय संयुक्त जांच टीम ने चार दिनों तक सिलक्यारा में डेरा डाले रखा। सूत्रों के अनुसार इस टीम ने सुरंग में सुरक्षा सपोर्टिंग सिस्टम को भी देखा। रॉक बोल्टिंग के रॉक पुलआउट की जांच की, कंक्रीट की थिकनेस को जांचा। इसके अलावा सिलक्यारा परियोजना प्रबंधक, निर्माण कंपनी के परियोजना प्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों व इंजीनियरों का पक्ष भी संयुक्त जांच टीम ने दर्ज किया है। शुक्रवार की शाम को यह टीम सिलक्यारा से वापस दिल्ली लौट गई है। सूत्रों के अनुसार जो 41 श्रमिक सुरंग के अंदर फंसे थे, उन श्रमिकों से भी संयुक्त जांच 11 नवंबर की रात से लेकर 12 नवंबर की सुबह तक घटनाक्रम जानेगी। इसके लिए अगले 20 दिनों के अंतराल में उन श्रमिकों को एनएचआइडीसीएल दिल्ली बुला सकता है। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने कहा कि भारत सरकार से सिलक्यारा सुरंग संबंधी जांच के लिए आई संयुक्त टीम ने आपदा प्रबंधन से अनुमति मांगी थी। परंतु संबंधित टीम से उनकी भेंट नहीं हुई। चारधाम ऑलवेदर रोड परियोजना की सिलक्यारा सुरंग में 12 नवंबर

की सुबह साढ़े पांच बजे सिलक्यारा की ओर कैविटी खुलने के कारण भारी भूस्खलन हुआ। जिससे सुरंग का रास्ता पूरी तरह से बंद हुआ। 41 श्रमिक सुरंग के अंदर 17 दिनों तक फंसे रहे। 12 नवंबर से लेकर अभी तक सुरंग का निर्माण कार्य बडकोट और सिलक्यारा की ओर से पूरी तरह से बंद है। 4.531 किलोमीटर लंबी सिलक्यारा सुरंग में करीब 480 मीटर के करीब खुदाई शेष है। सुरंग में हुई घटना के अध्ययन के लिए राज्य सरकार की संयुक्त टीम नवंबर माह के तीसरे सप्ताह सिलक्यारा पहुंची थी। 19 नवंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी घटना की उच्च स्तरीय जांच और सुरक्षा ऑडिट करवाने की बात कही थी। श्रमिकों के सकुशल रेस्क्यू होने के बाद सुरंग में हुई घटना की जांच और कार्यवाही के कयास लगाए जा रहे थे। 12 दिसंबर को भारत सरकार की ओर से गठित संयुक्त टीम सिलक्यारा पहुंची थी। जिसके बाद निर्माण कंपनी नवयुग इंजीनियरिंग और एनएचआइडीसीएल के अधिकारी फोन पर कोई भी बयान देने से बचते दिखे। भले ही सूत्रों ने टीम के आने, जांच करने और वापस लौटने की जानकारी दी है। भारत सरकार की ओर से गठित बीआरओ के अतिक्ति महानिदेशक आरके धीमान, उत्तरीय रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संदीप गुप्ता, आइआइटी दिल्ली के सेवानिवृत प्रोफेसर एसके राव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुख्य अभियंता राहुल गुप्ता, दिल्ली टेक्निकल विवि के प्रोफेसर अमित श्रिवास्तव, एनएचआइडीसीएल के तकनीकी निदेशक टीके वैध सहित आठ सदस्य शामिल रहे।

महिला पर ज्वलनशील पदार्थ डालने के मामले की जांच शुरू

रूड़की, एजेंसी। महिला पर ज्वलनशील पदार्थ डाले जाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की पड़ताल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली क्षेत्र के सीधडू गांव निवासी वाजिद ने पुलिस को बताया था कि उसने अपनी बहन का निकाह कोतवाली क्षेत्र के मखियाली कला गांव निवासी एक युवक के साथ किया था लेकिन उनके बीच में काफी समय से विवाद चल रहा है। इसे लेकर लक्सर कोर्ट में मामला विचाराधीन है। आरोप था कि महिला के पति ने कई बार उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

आरोप था कि मंगलवार देर शाम महिला लक्सर कस्बे के बाजार से लौट रही थी। इस बीच उसके पति ने अपने भाई के साथ उसका रास्ता रोककर उसे कोर्ट में चल रहे मुकदमे को वापस लेने की धमकी दी। मना करने पर आरोपी पति ने उसकी बहन पर ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया। महिला ने परिजनों के साथ लक्सर कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी दी थी।

केदारनाथ धाम में हिमपात के बाद स्वर्ग सा नजारा, बर्फ हटने पर पहुंचा चिनूक हेलीकॉप्टर

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ में ठंड बढ़ने के साथ ही निर्माण कार्यों की गति भी धीमी पड़ने लगी है। अब तक सौ श्रमिक धाम से वापस लौट चुके हैं, जबकि दो सौ अभी वहीं हैं। स्वयं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की लोनिवि शाखा के अधिशासी अभियंता केदारनाथ में डेरा डाले हुए हैं। वहीं, तीन दिन बाद शुक्रवार को मौसम खुलने पर केदारनाथ हेलीपैड से बर्फ हटाई जा सकी। इसके बाद ही वायु सेना के चिनूक हेलीकॉप्टर ने वहां पांच टन निर्माण सामग्री पहुंचाई। हालांकि, केदारनाथ धाम से आठ किमी नीचे रामबाड़ा तक पूरा क्षेत्र बर्फ से अटा पड़ा है। केदारपुरी में लगातार बर्फबारी के चलते एक फीट से दो फीट बर्फ जम चुकी है। हेलीपैड में भी लगभग डेढ़ फीट बर्फ जमी हुई थी, जिस कारण सप्ताह भी चिनूक भी निर्माण सामग्री नहीं पहुंचा पाया। ठंड बढ़ने के कारण धाम में तापमान भी लगातार गिर रहा है। रात के समय तो माइनस आठ डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ जा रहा है। इन दिनों तो सुबह-शाम भी तापमान शून्य से नीचे ही चल रहा है। कई बार तो पूरे दिन तापमान शून्य से नीचे रह रहा है। वहां इन दिनों मंदाकिनी नदी किनारे 13 भवनों के अलावा, म्यूजियम, सरस्वती नदी पर 60 मीटर स्पान का पुल, चिकित्सालय भवन, संगम पर घाट आदि का निर्माण हो रहा है। यह सभी कार्य अगले यात्रा सीजन शुरू होने से पूर्व पूरे किए जाने हैं।

लापता बुजुर्ग संत को देवप्रयाग से ढूंढ लाई पुलिस, पांच दिसंबर को जम्मू से हरिद्वार लौटते समय हुए थे गायब

हरिद्वार, एजेंसी।
जम्मू से हरिद्वार लौटने के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए दिगम्बर अखाड़े के बुजुर्ग संत को पुलिस ने देवप्रयाग से सकुशल ढूंढ निकाला। बुजुर्ग संत क्यों लापता हुए थे, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। चूंकि, संत ने मौन धारण किया हुआ है। संत को लेकर एक टीम देवप्रयाग से हरिद्वार के लिए रवाना हो गई है।

कनखल के बैरागी कैंप स्थित श्री दिगंबर अखाड़ा के 80 साल के संत स्वामी पवित्र दास महाराज पांच दिसंबर को जम्मू से हरिद्वार आने के लिए निकले थे। उन्हें 10 दिसंबर से बैरागी कैंप में श्रीमद्भगवत कथा का आयोजन कराना था, लेकिन वे हरिद्वार नहीं पहुंचे। अखाड़े के संतों ने अपने स्तर से खोजबीन की। उनके मोबाइल पर भी कोई संपर्क नहीं हो पाया। तब संतों की चिंता बढ़ गई और पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि संत को आखिरी बार ऋषिकेश में देखा गया था। तब एक टीम को ऋषिकेश रवाना किया गया था। इंस्पेक्टर कनखल अमर चंद्र शर्मा की टीम पूरी शिद्दत से संत की तलाश में जुटी थी। मामला अति संवेदनशील होने के कारण एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए थे।

सीओ सिटी जूही मनराल ने बताया कि सभी संभावित जगहों पर संत की तलाश की गई। सीसीटीवी

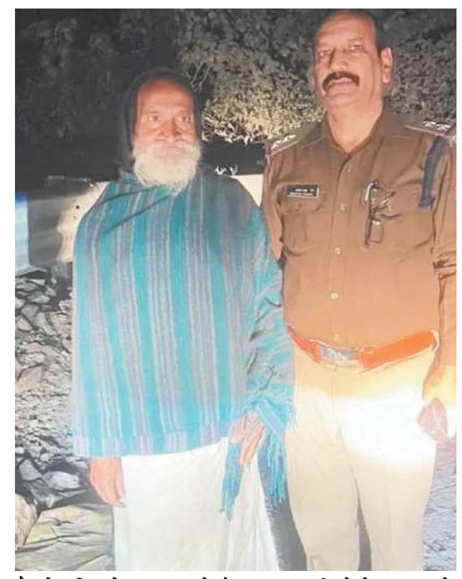

कैमरे की फुटेज खंगालने के बाद बुजुर्ग को देवप्रयाग से सकुशल बरामद कर लिया गया है। संत मौन धारण किये हुए हैं, जिस कारण अचानक गायब हो जाने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जीवाणुओं की संख्या पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है

ऋषिकेश, एजेंसी।
श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के पंडित ललित मोहन शर्मा ऋषिकेश परिसर के एमएलटी विभाग में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम सत्र में मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ऋषिकेश की बायोटेक डिपार्टमेंट की एडिशनल प्रो. माधुरी कौशिक लिली ने प्रोबायोटिक्स पर व्याख्यान दिया। विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रो. गुलशन कुमार ढींगरा ने उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

बुधवार को उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में प्रो. माधुरी कौशिक लिली ने बताया कि जीवित सूक्ष्मजीव वह होते हैं जिनका सेवन करने पर मानव शरीर में जरूरी तत्व सुनिश्चित हो जाते हैं। यह शरीर में अच्छे जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि कर पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं। उन्होंने आंतों में रहने वाले जीवाणु की कार्य प्रणाली और उनके सहजीवी लक्षणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट को किस तरह से प्रोबायोटिक और प्रीबायोटिक के उपयोग से ठीक रखा जाए प्रतिभागियों को समझाया। जैव रासायनिक परीक्षण का प्रशिक्षण भी लिया। एमएलटी विभाग की प्रवक्ता डॉ. सफिया हसन ने प्रतिभागियों को सीरम विज्ञान और एंटीजन, एंटीबॉडी की प्रतिक्रिया से बीमारियों को पता लगाने का प्रशिक्षण दिया द्य उन्होंने रक्त के घटक के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के अंतिम सत्र में चमत्कार के पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण के तहत राजकीय इंटर कॉलेज तपोवन के शिक्षक रामाश्रय सिंह ने प्रतिभागियों को चमत्कार के पीछे के वैज्ञानिक आधारों के बारे में बताया, जिससे वह अंधविश्वास और रूढ़िवादी सोच में बदलाव ला सकें।

चिल्हाड़ गांव में गुलदार की दस्तक से ग्रामीणों की नींद उड़ी, अब पकड़ने की तैयारी

त्यूणी, एजेंसी।
चिल्हाड़ गांव के पास गुलदार की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत है। सबसे ज्यादा खतरा पैदल रास्ते से आने-जाने वाले स्कूली बच्चों व पशुपालकों को जंगल से चारापत्ती लाने पर है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर वन विभाग ने समय रहते सुरक्षात्मक कदम नहीं उठाए तो कोई अनहोनी हो सकती है। चकराता वन प्रभाग से जुड़े बावर रेंज के दारागाड़-कंडोला में गुलदार की सक्रियता देखी गई।

ग्रामीणों ने कहा कि मसूरी-चकराता-त्यूणी से जुड़े चिल्हाड़-बाणाधार मार्ग पर चिल्हाड़ गांव के पास पिछले तीन दिन में कई बार गुलदार देखा गया। जिससे चिल्हाड़ व बाणाधार पंचायत के लोग दहशत में हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य गीतांजलि बिजल्वाण, प्रधान नवप्रभात, पिताबंर दत्त बिजल्वाण, सादीराम व अर्जुन देव आदि ने कहा आबादी क्षेत्र के नजदीक जिस जगह गुलदार को देखा गया, वहां पैदल रास्ते से कई बच्चे राइंका

चिल्हाड़ व प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने के लिए आते-जाते हैं। गुलदार की दस्तक से स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा है। गुलदार के डर से ग्रामीण पशुओं को पास के जंगल में चरान-चुगान के लिए नहीं ले जा सकते और न ही जंगल से चारापत्ती ला पा रहे हैं। ग्रामीणों ने किसी अनहोनी की आशंका के चलते वन विभाग अधिकारियों से मामले में जल्द सुरक्षात्मक कदम उठाने का आग्रह किया है। वहीं, इस संबंध में रेंज अधिकारी बावर महेश शर्मा ने बताया कि चिल्हाड़ गांव के पास गुलदार को देखे जाने से वन विभाग की टीम अलर्ट हो गई। वन विभाग की टीम आबादी क्षेत्र के नजदीक सुबह-शाम दोनों समय गश्त कर रही है।

जनवरी से नियमित होगी ड्रोन मेडिकल सेवा, पहाड़ी क्षेत्रों में भेजी जाएंगी दवाइयां

ऋषिकेश , एजेंसी।
नए वर्ष में एम्स ऋषिकेश के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने जा रही है। एम्स प्रशासन जनवरी माह में ड्रोन मेडिकल सेवा शुरू करने जा रहा है। यह सेवा केंद्र, राज्य सरकार व एम्स के समन्वय से संचालित होगी।

अगले वर्ष जनवरी माह से एम्स ऋषिकेश ड्रोन मेडिकल सेवा शुरू करने जा रहा है। जिसके तहत यहां से प्रतिदिन ड्रोन के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्रों में दवाइयां व अन्य चिकित्सा संबंधी सामग्री भेजी जाएंगी। एम्स प्रशासन ने इसके लिए सभी तैयारियां भी कर ली हैं।

नए वर्ष में एम्स ऋषिकेश के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने जा रही है। एम्स प्रशासन जनवरी माह में ड्रोन मेडिकल सेवा शुरू करने जा रहा है। यह सेवा केंद्र, राज्य सरकार व एम्स के समन्वय से संचालित होगी। ड्रोन मेडिकल सेवा के नोडल अधिकारी जितेंद्र गैरोला ने बताया कि पूरे देश में सेवा शुरू की जा रही है। एम्स को भी केंद्र सरकार से इस सेवा को जल्द

शुरू करने के निर्देश मिले हैं। कहा कि यह सेवा चारधाम यात्रा व आपदा के दौरान काफी महत्वपूर्ण साबित होगी। पहले चरण में प्रत्येक जनपद के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को इस सेवा से जोड़ा जाएगा। संवाद

पहाड़ी क्षेत्रों में ड्रोन से दवाई आदि भेजे जाने के लिए एम्स प्रशासन पूर्व में तीन बार ट्रायल कर चुका है। ड्रोन से दवाई भेजने वाला ऋषिकेश एम्स देश का पहला एम्स है। पहला ट्रायल 16 फरवरी 2023 को किया था। तब करीब 2 किलो भार की दवाइयां जिला अस्पताल टिहरी गढ़वाल भेजी गई थी। दूसरे ट्रायल के तहत 2 मार्च को यमकेश्वर सीएचसी में दवाई भेजी गई थी। तीसरा ट्रायल 7 अगस्त 2023 को किया गया था। जिसके तहत कोटद्वार ब्लड कंपोनेंट भेजे जा रहे थे। लेकिन ड्रोन अपने निर्धारित स्थल से कुछ दूर पहले क्रैश हो गया था। हालांकि ब्लड कंपोनेंट पूरी तरह सुरक्षित थे।

इस योजना में महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की भूमिका भी अहम होगी। एम्स से जिस पहाड़ी स्वास्थ्य केंद्र में ड्रोन से दवाइयां या अन्य सामग्री भेजी जाएगी वहां ड्रोन से सामग्री उतराना या इस पर सामग्री चढ़ाने का कार्य महिलाएं करेंगी। इसके लिए इन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। इन महिलाओं को ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। भविष्य में यही महिलाएं ड्रोन भी उड़ाएंगी। इन महिलाओं को नमो ड्रोन दीदी का नाम दिया गया है।

इस योजना की शुरुआत सीएचसी चंबा से की जाएगी। ड्रोन मेडिकल सेवा के नोडल अधिकारी जितेंद्र गैरोला ने कहा कि इसके लिए चंबा कार्य योजना तैयार कर ली गई है। नमो ड्रोन दीदी के लिए यहां महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ एम्स निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बृहस्पतिवार को बैठक भी की है।

बाल सुधारगृह में भी नहीं सुधरे, बाहर निकले तो कर दी हत्या- उत्तराखंड पुलिस भी हैरान

रुड़की, एजेंसी।
लंढौरा के साकिब हत्याकांड में पुलिस ने मृतक के दो साथियों उज्जवल एवं आदेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीनों ही आरोपितों की मंशा रुड़की के एसबीआइ बैंक में बड़ी लूट या डकैती की वारदात को अंजाम देना था। मृतक साकिब जहां दुष्कर्म के मामले में किशोरावस्था में जेल गया था तो उज्जवल ने एक घर में आग लगाकर वहां रह रहे परिवार को संकट में डाल दिया।

पुलिस ने उज्जवल को वर्ष 2020 में प्राणघातक हमले के प्रयास में गिरफ्तार किया और न्यायालय से उसे बाल सुधारगृह भेज दिया गया। जबकि, आदेश ने एक युवक को मुजफ्फरनगर ले जाकर उसकी हत्या कर दी। तीनों ही बाल सुधार गृह में एक साथ रहे। उम्मीद थी कि बाल सुधार गृह में भूल में सुधार होकर वह मुख्य धारा में जुड़ सकेंगे। लेकिन, बाहर निकले तो दुर्दांत अपराधी बनकर। एक माह से भी कम समय में दो-दो हत्याएं कर और खुखांर हो गए। ऐसे में किशोरों एवं युवाओं में बढ़ती आपराधिक वारदात को लेकर पुलिस के अधिकारी भी चिंतित नजर आ रहे हैं। 25 नवंबर से आठ दिसंबर के बीच उज्जवल एवं आदेश ने दो-दो हत्या कर डाली। इरादे इतने खतरनाक कि पूछताछ के दौरान पुलिस अधिकारियों को भी अपनी बातों में उलझाते रहे। मुंह खुलवाने के लिए पुलिस को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। उनके इरादों को देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान है। पुलिस अधीक्षक देहात स्वप्न किशोर सिंह ने बताया कि वास्तव में जिस तरह से उन्होंने जघन्य अपराध किया है और एक अन्य बड़े अपराध को होने से पुलिस ने रोका है, वह बेहद गंभीर है। कानून ने उनको सुधार का एक मौका दिया। लेकिन, उन्होंने इस मौके को भी गंवा दिया। रुड़की के गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के शेरसिंह राणा चौक के समीप एक कारोबारी पर फायरिंग की गई थी। इस फायरिंग में एक नाबालिग को पुलिस ने नामजद किया है। उसको अब बाल सुधारगृह भेज दिया गया। इससे पहले भी आरोपित रामनगर में फायरिंग कर चुका था।

संक्षिप्त समाचार

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी मुरादाबाद से गिरफ्तार

अल्मोड़ा, एजेंसी। नगर में किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी को किशोरी को बहलाकर अपने साथ मुरादाबाद ले गया जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक बीते नौ दिसंबर को अल्मोड़ा निवासी एक महिला ने अपनी 17 वर्षीय भतीजी की गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई। तहरीर मिलने पर पुलिस ने उसकी खोजबीन शुरू की। कोतवाल अरुण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम को किशोरी डीडीहाट, पिथौरागढ़ निवासी आकाश कुमार के पास थाना कटघर, प्रभात मार्केट, मुरादाबाद, यूपी में मिली। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि आरोपी बहलाकर उसे अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा- 363, 366, 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की। सीओ विमल प्रसाद ने कहा कि आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। किशोरी का मेडिकल कराया जाएगा।

जन औषधी केंद्र का एक ताला खुला, दूसरा न खुलने पर हंगामा

गरुड़ (बागेश्वर), एजेंसी। मोहन सिंह मेहता सीएचसी बैजनाथ के जन औषधि केंद्र का एक ताला एक सप्ताह बाद बृहस्पतिवार को खुल गया। केंद्र में पड़ा दूसरा ताला देर शाम तक नहीं खुल पाया। इसको लेकर स्थानीय जनता और कांग्रेसियों ने अस्पताल परिसर में हंगामा काटा। एक सप्ताह पहले अस्पताल परिसर में स्थित जन औषधि केंद्र में अनियमितताओं का आरोप लगाकर स्थानीय जनता और कांग्रेसियों ने केंद्र में ताला जड़ दिया था। इसके बाद एक ताला संचालक ने भी इसमें लगा दिया। बुधवार को अस्पताल प्रशासन ने ताला न खोलने पर प्राथमिकी दर्ज कराने की चेतावनी दी थी। बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और सीडीओ बागेश्वर आरसी तिवारी बैजनाथ पहुंचे। थानाध्यक्ष बैजनाथ कैलाश रौतेला और ब्लॉक प्रमुख हेमा बिष्ट आदि भी वहां थे। उनकी मौजूदगी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश कोरंगा ने यहां लगाया ताला खोल दिया। हालांकि जन औषधी केंद्र संचालक की ओर से लगाया गया दूसरा ताला देर शाम तक भी नहीं खोला गया। केंद्र के संचालक का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग ने ताला आज खोलने के संबंध में उन्हें कोई सूचना नहीं दी थी। इधर, सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु खाती का आरोप है कि अस्पताल के प्रभारी डॉ .आरके गुप्ता ने अपनी कमियों को उजागर होने के डर से उन्होंने जन औषधी केंद्र के संचालक को जानबूझकर नहीं बुलाया है। उन्होंने दवा कक्ष में रखी दवाओं का मिलान करने की भी बात कही।

बागेश्वर मेडिकल कॉलेज की स्थापना में बाधक बना मानकों का अस्पताल

बागेश्वर, एजेंसी। भारत सरकार की एक जिला एक मेडिकल कॉलेज योजना के तहत जिले के गरुड़ में मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन भी चयनित कर ली गई है लेकिन मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए मानकों के मुताबिक कम से कम 300 बेड के अस्पताल की जरूरत है। यही कमी बागेश्वर में मेडिकल कॉलेज स्थापना में बाधक बन रही है।250 बेड के दो अस्पताल बागेश्वर जिले में स्वीकृत हैं। 70 बेड का जिला अस्पताल पहले से ही संचालित है। गढ़वाल के चमोली जिले के साथ ही अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जिले की सीमा से सटे बागेश्वर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी की दरकार दशकों से है। इस साल की शुरूआत में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जिला मुख्यालय में 200 बेड के अस्पताल को स्वीकृति दी। केंद्र सरकार से 67 करोड़ लागत का 50 बेड का क्रिटिकल केयर सेंटर स्वीकृत है। अस्पताल और क्रिटिकल केयर सेंटर के लिए जिला मुख्यालय के नजदीक खोली में जमीन चयनित की गई है। शासन ने स्वीकृत 200 बेड के अस्पताल और क्रिटिकल केयर सेंटर के निर्माण के लिए ब्रिडकुल को कार्यदायी एजेंसी बनाया है। सूचना मिली है कि 200 बेड के अस्पताल के साथ ही क्रिटिकल केयर सेंटर की डीपीआर तैयार कर मंजूरी के लिए शासन को भेज दी गई है। इसके अस्तित्व में आने के बाद मेडिकल कॉलेज की अर्हता पूरी हो जाएगी। बागेश्वर में भारत सरकार की एक जिला एक मेडिकल कॉलेज योजना के तहत मेडिकल कॉलेज स्थापित होना है। खोली में स्वीकृत 200 बेड के अस्पताल और क्रिटिकल केयर सेंटर की डीपीआर बन गई है। दोनों अस्पताल स्वीकृत हैं। डीपीआर को मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

जिला अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से जनरेटर में आग, बत्ती गुल

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिला अस्पताल में बृहस्पतिवार को हादसा बच गया। शॉर्ट सर्किट से जनरेटर में आग लग गई, इससे पूरे अस्पताल की बिजली गुल हो गई। बिजली न होने से एक्सरे सहित अन्य जांच ठप हो गई और मरीजों को बगैर रिपोर्ट के लौटना पड़ा। चिकित्सक और भर्ती कक्षों में भी अंधेरा छाया रहा। ऐसे में चिकित्सकों को भी मरीजों का उपचार करने में दिक्कत झेलनी पड़ी। बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे जिला अस्पताल के जनरेटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। लाइन जलने से अस्पताल में आपूर्ति ठप हो गई, इससे जांच भी प्रभावित रहीं। घंटों इंतजार के बाद भी बिजली न आने से कई मरीजों ने अन्य अस्पतालों का रुख किय। कुछ मरीज बैरंग घर लौटे। दोपहर एक बजे के करीब खराबी को दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल की गई। हालांकि दोपहर दो बजे तक ही अस्पताल में ओपीडी संचालित होती है। ओपीडी रजिस्टर के मुताबिक करीब 300 मरीज इलाज के लिए पहुंचे थे। जिला अस्पताल में 30 से अधिक मरीज भर्ती हैं। भर्ती वार्ड में ठंड के बीच हीटर मरहम का काम कर रहे हैं। चार घंटे आपूर्ति बाधित होने से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बोर्ड बैठकों से नदारद जिला पंचायत सदस्यों की सदस्यता पर खतरा

रुद्रपुर, एजेंसी। जिला पंचायत की बोर्ड बैठकों से लगातार नदारद रहने वाले तीन जिला पंचायत सदस्यों की सदस्यता पर संकट गहरा गया है। सचिव शासन ने जिला पंचायत सदस्य की शिकायत का संज्ञान लेते हुए पंचायती राज निदेशक को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी भी शासन को आख्या भेज चुके हैं। संवाद एक दिसंबर 2019 को जिला पंचायत का बोर्ड अस्तित्व में आया था। बोर्ड गठन से अब तक हुई किसी भी बैठक में ढकियाकलां की जिला पंचायत सदस्य शामिल नहीं हुई हैं। इसके अलावा नारायणपुर सीट के सदस्य सद्दाम भी लगातार पांच बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं। बोर्ड बैठकों से लगातार गैर हाजिर रहने के बावजूद दोनों सदस्यों के क्षेत्रों में करोड़ों रुपयों का बजट आवंटन किया गया है। गुरूग्राम के सदस्य उत्तम आचार्य भी बोर्ड बैठकों में नहीं आ रहे हैं। गदरपुर के खेमपुर से जिला पंचायत सदस्य सुमन सिंह ने इस मामले सहित कई बिंदुओं पर शासन में शिकायत की थी। उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम की धारा 138 की संशोधित उपधारा के अनुसार बिना पर्याप्त कारणों से लगातार तीन से अधिक बैठकों में अनुपस्थित रहने पर उसकी सदस्यता खत्म की जाएगी। शासन ने बोर्ड बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया है। सचिव शासन हरि चंद्र सेमवाल ने निदेशक पंचायती राज को विहित प्राधिकारी के रूप में पंचायती राज अधिनियम के तहत तीनों सदस्यों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए शासन को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

RNI No. UTTHIN/2001/03681 UA/DN-100/2022-24

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रचना कपूर द्वारा ई-63, इण्डस्ट्रियल एरिया बहादराबाद, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) 249 402 से प्रकाशित एवं जनचेतना पब्लिशर्स एण्ड प्रिन्टर्स ई-63, इण्डस्ट्रियल एरिया, बहादराबाद, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) 249 402 से मुद्रित।

संस्थापकः- **स्व. श्री पुष्कर राज कपूर**

सम्पादकः **अरविन्द चौहान**

शहर कार्यालयः दैनिक हाक, मौनी आश्रम, भीमगोडा मार्ग, पोस्ट बाक्स 3, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) 249 401

फोनः (01334) 233131/233232 मोबाइलः (0) 9997775577 / 9897206206 फैक्सः (01334) 233131

e-mail: mail@thehawk.in dainikhawk@gmail.com

देहरादून कार्यालयः दैनिक हाक, 30 संजय कालोनी, पटेल नगर, देहरादून (उत्तराखण्ड) 248 001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार (उत्तराखण्ड) होगा।

कुमाऊं कमिश्नर ने परीक्षा कक्ष में मारा छापा, रोते हुए बोली छात्रा- बर्बाद हो जाएगा भविष्य

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
रुद्रपुर में कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने एक परीक्षा कक्ष में औचक निरीक्षण किया। उन्होंने भाई-बहन सहित तीन परीक्षार्थियों को मोबाइल से नकल करते पकड़ लिया। उन्होंने कक्ष में ड्यूटी पर तैनात कर्मियों पर नाराजगी जताई।

शहीद भगत सिंह (एसबीएस) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इग्नू की एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने एक परीक्षा कक्ष में औचक निरीक्षण किया। उन्होंने भाई-बहन सहित तीन परीक्षार्थियों को मोबाइल से नकल करते पकड़ लिया। उन्होंने कक्ष में ड्यूटी पर तैनात कर्मियों पर नाराजगी जताई और प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने तीनों परीक्षार्थियों की नकल की रिपोर्ट संबंधित विभाग को भेजने की बात कही है।

शुक्रवार को कॉलेज में दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक इग्नू की एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा चल रही थी। शाम करीब साढ़े चार बजे अचानक कमिश्नर दीपक रावत कॉलेज पहुंचे और कमरा नंबर 11 में औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने कमरे में मोबाइल से नकल करते

तीन परीक्षार्थियों को पकड़ा और नकल में इस्तेमाल मोबाइल भी बरामद कर लिए।

कमिश्नर के एक्शन से कॉलेज प्रशासन सकते में है। कमिश्नर ने प्राचार्य डॉ. डीसी पंत से कहा कि परीक्षा कक्ष में मोबाइल से नकल हो रही थी और आप क्या कर रहे थे। उनके कई बार पूछने पर छात्राओं की ओर से नकल करने की बात नहीं स्वीकारी तो उन्होंने खाली पेज दिए। छात्राओं से कहा कि एक जवाब जो कॉपी पर आपकी ओर से लिखा गया है, उसे कोरे कागज पर लिखकर दिखा दें। एक छात्रा ने हिम्मत जुटाकर कागज पर लिखा मगर दूसरी छात्रा ने कागज पकड़ा, लेकिन लिख नहीं सकी। कागज पर जवाब लिखने के बाद कमिश्नर ने कॉपी में लिखे जवाब से मिलान किया तो बहुत अलग पाया। इसके बाद कमिश्नर ने कहा कि उन्हें झूठ से नफरत है।

सच बोलें वरना पुलिस को बुला लेंगे। इसके बाद छात्रा ने रोते हुए स्वीकार किया कि मोबाइल पर डाउनलोड पीडीएफ से नकल की जा रही थी। उसके भाई ने भी नकल की बात स्वीकारी। इस दौरान एक पुलिसकर्मी ने मौके का वीडियो बनाया तो छात्रा ने रोते हुए कमिश्नर से सोशल मीडिया पर अपलोड नहीं करने की गुजारिश की। बोली कि इससे उनका भविष्य बर्बाद हो जाएगा, जिस पर कमिश्नर ने वीडियो बनवाना न सिर्फ बंद करवा दिया बल्कि नाम सार्वजनिक नहीं करने की बात भी कही।

कमिश्नर ने कक्ष में परीक्षा के लिए बनाए गए सिटिंग प्लान की जांच तहसीलदार से कराई थी जिसमें पता चला कि प्लान के विपरीत परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे थे। छात्रा का मोबाइल जांचा तो उसकी हिस्ट्री डिलीट की गई थी। इससे पूर्व भी दो परीक्षाओं में परीक्षार्थियों की ओर से नकल करने की बात सामने आ गई। कमिश्नर ने कहा कि वह पुरानी परीक्षा पर नहीं जा रहे हैं और आज की हुई तीनों की परीक्षा को निरस्त करने की कार्यवाही होगी। परीक्षा कक्ष में ड्यूटी में तैनात असिस्टेंट कोआर्डिनेटर इग्नू डॉ. शलभ गुप्ता और लैब असिस्टेंट सीएस ओली को कारण बताओ नोटिस जारी कर शनिवार तक जवाब मांगा है। मोबाइल का प्रयोग करने वाले तीनों परीक्षार्थियों को अनफेयर मींस का प्रयोग करने में बुक किया गया है। तीनों की कॉपियां सहित रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यालय इग्नू देहरादून को भेजी जाएंगी।

चिकित्सकों को खुद करनी पड़ी अस्पताल में सफाई

जसपुर, एजेंसी। चिकित्साधिकारी के साथ हुए विवाद के चलते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई कर्मचारी एवं वार्ड ब्वाय कार्य बहिष्कार पर रहे जिस कारण अस्पताल के डॉक्टरों को ओपीडी के बाद अपने-अपने कक्ष एवं अस्पताल परिसर की सफाई करनी पड़ी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हितेश शर्मा ने बताया कि बुधवार की रात इमरजेंसी में सर्जन डॉ. पुनीत बंसल की ड्यूटी थी। रात में गंभीर हालत में एक मरीज लाया गया था। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों ने कोई सहयोग नहीं किया। उन्होंने कर्मचारियों को इमरजेंसी रूम से बाहर बैठने के लिए कह दिया। इससे आक्रोशित कुछ कर्मचारी बृहस्पतिवार को ड्यूटी पर नहीं आए और उन्होंने कार्य बहिष्कार किया। उन्होंने बताया कि काम पर नहीं आने पर कर्मचारियों को काम पर लौटने का नोटिस दिया गया है। उधर, दोनों कर्मचारियों का कहना है कि उनके हाथों में दर्द था इस वजह से काम नहीं किया। सीएमओ मनोज शर्मा ने बताया कि कोई कर्मचारी हड़ताल पर नहीं रहा।

अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

रामनगर, एजेंसी।
यहां से ठाकुरद्वारा जा रही कार टांडा मल्लू चौराहे पर बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि होमगार्ड समेत तीन लोग घायल हो गए। बुधवार को ठाकुरद्वारा से कार सवार चार लोग रामनगर आए थे। वे बृहस्पतिवार तड़के दो बजे लौट रहे थे। टांडा मल्लू चौराहे पर उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार चालक अब्दुल रहमान (28) उर्फ भूरा पुत्र रहमत अली निवासी ठाकुरद्वारा की मौके पर ही मौत हो गई। अगली सीट पर बैठे शाहरुख अली पुत्र मो. अली निवासी ठाकुरद्वारा, होमगार्ड उस्मान अली पुत्र नन्हे शाह निवासी ठाकुरद्वारा और लोकेश पुत्र देवेंद्र निवासी रायपुर जसपुर घायल हो गए। शाहरुख को गंभीर हालत में हल्द्वानी भेजा गया था, जहां से परिजन उसे काशीपुर ले गए। घायल होमगार्ड को रामनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि होमगार्ड को छोड़कर तीनों युवक ठाकुरद्वारा में मोटर मैकेनिक का काम करते हैं। कार के अंदर तीन लोग फंसे थे। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने कटर से कार के दरवाजों को काटा, तब जाकर तीनों घायलों को बाहर निकाला जा सका। बताते हैं कि हादसे के बाद लोकेश बिना बताए चला गया। हालांकि, पुलिस ने जब उसकी खोजबीन की तो पता चला कि वह जसपुर के अस्पताल में अपना इलाज करा रहा है।

साढ़े तीन हजार छात्रों ने देखी प्रदर्शनी

पंतनगर, एजेंसी।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अहमदाबाद (इसरो) की ओर से कैंपस स्कूल में विवि के सेवायोजन निदेशालय के सहयोग से लगी प्रदर्शनी विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बनी है। प्रदर्शनी के दूसरे दिन नैनीताल और यूएस नगर के 60 से अधिक विद्यालयों के साढ़े तीन हजार विद्यार्थियों ने भ्रमण किया।

पंतनगर विवि प्रबंध समिति के सदस्य पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने प्रदर्शनी में कहा कि इन्हीं विद्यार्थियों में से कई प्रतिभावान वैज्ञानिक बनकर देश की सेवा कर सकते हैं। रॉकेट लांचिंग दूसरे दिन भी विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। स्पेस ऑन व्हील में विद्यार्थियों ने चलचित्रों के माध्यम से अंतरिक्ष व अन्य उपकरणों का अवलोकन कर जानकारी ली।इसरो अहमदाबाद से आए वैज्ञानिक डॉ. विनोद जोशी, डॉ. एनजे भट्ट, डॉ. सी. पटनायक व सहायक निदेशक इसरो ए. फर्नांडिस ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष से संबंधित जानकारियां दी। विद्यार्थियों से वैज्ञानिक सोच के साथ देश की उन्नति के लिए कार्य करने का आह्वान किया। संवाद

बालनिलयम विद्यालय में इसरो की ओर से हिंदी प्रचार-प्रसार के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं व क्विज का आयोजन हुआ। इसरो के वैज्ञानिकों ने पावर प्वाइंट के माध्यम से अंतरिक्ष से संबंधित विषयों की जानकारी दी। मॉडल मेकिंग, क्विज व हिंदी भाषण में विद्यार्थियों को

नगद पुरस्कार दिए गए। भाषण प्रतियोगिता में कैंपस स्कूल के उत्कर्ष, मॉडल मेकिंग में अनूप कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं स्कूल के पूर्व छात्र रहे और इसरो हेडक्वार्टर बंगलोर के तहत कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम ऑफिस अहमदाबाद के सह-निदेशक डॉ. विनोद जोशी विद्यालय की एक कक्षा में पहुंचे। यहां उन्होंने छात्रों के साथ अपने स्कूल के दिनों को याद किया। वहां पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. श्रीराम, डॉ. एसके श्रीवास्तव व प्रधानाचार्या मंजू जोशी आदि मौजूद रहे।

ठगी के आरोप में जेल में बंद पीआरडी जवान निलंबित, पुलिस ने किया था गिरफ्तार

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
रुद्रपुर में छह दिन पहले रुपये दोगुना करने का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह में पकड़े गए पीआरडी जवान को जिला युवा कल्याण अधिकारी ने निलंबित कर दिया है। गिरोह ने आठ दिसंबर को दो लोगों को दो लाख रुपए दोगुना करने का झांसा दिया था। पकड़े गए पीआरडी जवान को जिला युवा कल्याण अधिकारी ने निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उसका नाम रोल पंजिका से हटाते हुए भविष्य में विभाग और गैर विभाग की ड्यूटी से विमुख कर दिया है। बीते नौ दिसंबर को पुलिस ने असली नोट को नकली बताकर दोगुना करने का झांसा देने वाले गिरोह का खुलासा किया था। इस मामले में जेल में बंद पीआरडी जवान विरेंद्र को निलंबित कर दिया गया है। जिला युवा कल्याण अधिकारी भूपेंद्र सिंह रावत ने बताया कि एसएसपी ने पत्र भेजकर जानकारी दी थी कि विरेंद्र संगठित गिरोह में शामिल होकर लोगों के साथ मारपीट कर पैसा छीनने की घटनाओं में शामिल था और वर्तमान में वह हल्द्वानी जेल में बंद है। पीआरडी एक्ट के तहत आपराधिक कार्यों में संलिप्तता पाए जाने पर उसे निलंबित किया गया है। गिरोह ने आठ दिसंबर को दो लोगों को दो लाख रुपए दोगुना करने का झांसा दिया था। इसके बाद रुद्रपुर बुलाकर उनसे दो लाख रुपए छीन लिए थे। रुपये छीनने वालों ने खुद को पुलिस कर्मी बताया था। पुलिस ने पीआरडी जवान विरेन्द्र निवासी ग्राम बिन्दुखेड़ा रुद्रपुर, जीशान अहमद निवासी ग्राम इटारी थाना तालगांव सीतापुर, यूपी और छिन्दर निवासी ग्राम धौरा ढाम नजीमाबाद किच्छा को लम्बाखेड़ा मोड काशीपुर रोड रुद्रपुर से गिरफ्तार किया गया था।

हाइड्रोपोनिक खेती कर महिलाएं पॉलीहाउस में उगाएंगी यूरोपियन सब्जियां

रुद्रपुर, एजेंसी।
हाइड्रोपोनिक खेती (बिना मिट्टी के सिर्फ पानी की खेती) कर स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पॉलीहाउस में रंग-बिरंगी शिमला मिर्च के साथ ही ब्रोकली, लैट्यूस, चार्ड जैसी यूरोपियन सब्जियां उगाएंगी। पॉलीहाउस में पैदा सब्जियों को बेचकर महिलाएं रुपये कमाएंगी।

उत्तराखंड ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान (यूआईआरडी) में उद्यान विभाग जिला योजना के बजट से साढ़े नौ लाख रुपये की लागत से हाइड्रोपोनिक खेती के लिए पॉलीहाउस (ग्रीन हाउस) तैयार कर रहा है। उद्यान विभाग के मुताबिक यूआईआरडी में पॉलीहाउस निर्माण का कार्य जोरों से किया जा रहा है। पॉलीहाउस में महिलाएं हाइड्रोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल कर पानी में सब्जियां उगाएंगी। इससे पहले जिलेभर की करीब 80 महिलाओं समेत किसानों को पंतनगर स्थित हल्दी के उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद में

वैज्ञानिकों की ओर से हाइड्रोपोनिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद रुद्रपुर के यूआ0ईआरडी में ग्रीन हाउस तैयार होने के बाद महिलाओं की ओर से इसमें छोटे पौधों वाली सब्जियां व फल उगाए जाएंगे। मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी ने बताया कि ग्रीन हाउस में महिलाएं यूरोपियन सब्जियों के साथ ही रंग बिरंगी शिमला मिर्ची की भी खेती करेंगी। बताया कि इसके अलावा हाईड्रोपोनिक खेती में टमाटर, गाजर, शलजम, मूली, मटर, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी, तरबूज, खरबूजा, अनानास, भिंडी जैसी सब्जियां भी उगाई जाती हैं। संवाद

हाइड्रोपोनिक एक आधुनिक खेती है, इसको पॉलीहाउस के अंदर पाइपों के माध्यम से की जाती है। पौधों को पोषक तत्व भी पानी के जरिए दिए जाते हैं। इनमें ऊपर की तरफ छेद किए जाते हैं और उन्हीं छेदों में पौधे उगाए जाते हैं, पौधों की जड़े इन्हीं पाइपों में डूबी रहती हैं। इसमें पानी का इस्तेमाल करके जलवायु को नियंत्रित कर खेती की जाती है। पानी में पौधों की जरूरत के मुताबिक सभी पोषक तत्व घोले जाते हैं। इसमें पानी के साथ नारियल के छिलके का थोड़ा बुरादा (कोकोपीट) का इस्तेमाल किया जाता है। पॉलीहाउस के अंदर का तापमान 15 से 30 डिग्री तक रखा जाता है। हाईड्रोपोनिक खेती की खास बात यह है कि मिट्टी रहित होने के चलते पौधों को कोई बीमारी नहीं लगती। इसी लिए इसमें उगने वाली सब्जी काफी ताजा व सुंदर दिखती है।

हल्द्वानी तहसील में 42.32 लाख का गबन, पांच साल से चल रही थी जांच, मुकदमा दर्ज

नैनीताल, एजेंसी।
हल्द्वानी तहसील में सरकारी धनराशि के गबन का मामला सामने आया है। हल्द्वानी तहसीलदार ने हल्द्वानी कोतवाली में तहसील के नायब नाजिर रहे मोहम्मद जफर आलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। नायब नाजिर पर हल्द्वानी तहसील से 42.32 लाख रुपये गबन करने का आरोप है।

सिटी मजिस्ट्रेट की जांच में नैनीताल तहसील के दाखिल खारिज मुहर्रिर पर 42.32 लाख रुपये की सरकारी धनराशि का गबन करने के आरोपों की पुष्टि हुई है। डीएम के आदेश पर तहसीलदार हल्द्वानी ने दाखिल खारिज मुहर्रिर मो. जफर आलम के खिलाफ धारा 409 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। मामला करीब पांच साल पुराना है। सरकारी कर्मचारी पर खतौनी मद, ई-जनाधार और आय-व्यय की राशि गबन करने का आरोप है।

दाखिल खारिज मोहर्रिर मो. जफर आलम पांच साल पहले

हल्द्वानी तहसील में नायब नाजिर के पद पर तैनात थे। पद पर रहते हुए उन पर 42,32,262 रुपये के गबन का आरोप लगा था। मामले की जांच की गई तो पता चला कि तत्कालीन नायब नाजिर ने खतौनी मद में 27,08,010 रुपये, ई-जनाधार से प्राप्त आय के 14,92,452 रुपये और वासिल वाकी नवीस (आय-व्यय) के 28,800 रुपये गबन किए थे। यह राशि उन्होंने जनाधार केंद्रों से तो वसूल ली, लेकिन उसे विभागीय बैंक खाते में जमा नहीं कराई। मामले की जांच तत्कालीन एसडीएम को सौंपी गई। इसके बाद वर्ष 2020 में तत्कालीन तहसीलदार हल्द्वानी नीतू डागर ने इसकी जांच की और आख्या रिपोर्ट डीएम को सौंपी थी।

इसके बाद मो. जफर आलम पर लगे आरोपों की दोबारा जांच 2021 में सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह को जांच सौंपी गई। उनकी जांच रिपोर्ट में मो. जफर आलम पर लगे गबन के आरोप सही साबित हुए। उन्होंने इसकी रिपोर्ट तत्कालीन डीएम को सौंप दी। इसके बाद कार्रवाई नहीं हुई।

अब वर्तमान डीएम वंदना ने जब बीते नवंबर में फाइल देखी तब उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार हल्द्वानी को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश भी दिए। उधर एडीएम पीआर चौहान ने दाखिल खारिज मुहर्रिर के मासिक वेतन से 20 हजार रुपये प्रतिमाह कटौती कर वसूली के निर्देश जारी किए। वहीं तहसीलदार सचिन कुमार की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार की रात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच राजपुरा चौकी प्रभारी एसआई नरेंद्र कुमार को सौंप दी है। इधर, तहसीलदार सचिन कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को दाखिल खारिज मुहर्रिर ने मुकदमे के खिलाफ स्टे ले लिया है।

बलियानाला सुरक्षा कार्य नए साल में होगा शुरू

नैनीताल, एजेंसी।
बलियानाला भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद जग गई है। बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट के महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर, प्रदेश सचिव सिचाई हरीश सेमवाल और अन्य ने बलियानाला का निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहा कि जनवरी से इसका कार्य शुरू हो जाएगा।

बीते कुछ दशकों से बलियानाले में 2018 में हुए भूस्खलन के बाद रईस होटल आवासीय परिक्षेत्र व वीरभट्टी मार्ग जमीदोंज हो गया था। इससे लगा हरिनगर व जीआईसी भी संवेदनशील हो गया है। बृहस्पतिवार को सचिव सिंचाई हरीश सेमवाल, हाईकोर्ट के महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर, सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता जयपाल सिंह समेत सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बलियानाला क्षेत्र का निरीक्षण किया। महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने कहा बलियानाला क्षेत्र में हो रहा भूस्खलन नगर के लिए गंभीर विषय है। हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार को बलियानाला का स्थायी इलाज करने के निर्देश दिए हैं।

सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता संजय शुक्ला ने बताया बलियानाले में 160 करोड़ से सुरक्षा कार्य को लेकर निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। आगामी 20 दिसंबर को निविदा खोली जानी है। जनवरी माह में सुरक्षा कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से अब तक अनापत्ति पत्र न मिलने के चलते अस्थायी सड़क निर्माण और स्कूल के कुछ हिस्से को तोड़ने में दिक्कत हैं। इसके लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पत्राचार किया जा रहा है। इधर, एडीएम फिंचा राम ने बताया कि हरिनगर में रह रहे लगभग 72 परिवारों का दुर्गापुर में विस्थापन किया जाएगा। शीघ्र ही इसका जीओ जारी कर दिया जाएगा।

बलियानाला के अंदर भूमिगत जलस्रोत से हो रहे रिसाव के पेयजल के रूप में सदुपयोग के लिए यहां जीजीआईसी में बोरिंग कर ट्यूबवेल स्थापित किया जाना है। जल संस्थान की ओर से लगभग दो करोड़ के कार्य की ऑनलाइन निविदा जारी की गई है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता विपिन चौहान की ओर से जारी निविदा आगामी नौ जनवरी को खेली जानी है।

एक बार फिर प्रशासन ने सरकारी भूमि पर बने धर्मस्थल हटाने का कार्य किया खन्ना नगर की मजार हटाई

वहीं एक धर्मस्थल को हटाने में विरोध के चलते टीम बैरंग वापस लौटी

हरिद्वार (दैनिक हाक): मध्य हरिद्वार स्थित गोविंदपुरी गली नं. 5 में बने कमंडल वाले बाबा के सिद्ध पीठ स्थल को हटाने पहुंची प्रशासन की टीम को लोगों का भारी विरोध झेलना पड़ा। घंटों की वार्ता के बाद आखिरकार टीम को बैरंग लौटना पड़ा। एसडीएम ने सिद्ध पीठ से जुड़े लोगों को एक हफ्ते में रीति रिवाज के साथ सिद्ध पीठ को हटाने का समय दिया है। वहीं दूसरी तरफ खन्ना नगर स्थित एक मकान के पीछे बनी मजार को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया।

एसडीएम ने कहा कि एक हफ्ते में धर्मस्थल न हटाने पर प्रशासन की ओर से धवस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। सिद्ध पीठ से जुड़े भूपेंद्र और प्रीतकमल का कहना है कि यह बहुत ही पुराना स्थल है। यहां शक्ति जागृत है। बाबा की इच्छा से ही इसे हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा की अनुमति के बाद ही जैसा होगा वैसा किया जाएगा। वहीं धर्मस्थल को लेकर कुछ लोगों के बीच आपस में ही तीखी नोकझोंक भी हुई। एसडीएम अजय वीर सिंह ने बताया कि धर्मस्थल को एक हफ्ते में हटाने का समय दिया गया है।

वहीं दूसरी ओर खन्नानगर कॉलोनी में बने एक मजार को प्रशासन की टीम ने हटाया। प्रशासन की टीम ने अंदर रखी धार्मिक किताब व अन्य सामान को अपने कब्जे में ले लिया तथा धर्मस्थल को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

शत्रु संपत्ति भूमि की बंदरबाँट में दो पीसीएस अधिकारी, हरिद्वार के चर्चित वकील व लेखपाल मिलाकर 28 लोगों पर मुकदमा

– विजिलेंस ने पकड़ा मामला

हरिद्वार (दैनिक हाक): शत्रु संपत्ति को नष्ट करने के मामले में चर्चित एडवोकेट पहल सिंह वर्मा सहित 28 लोगों के खिलाफ जिनमे दो पी सी एस अधिकारी भी शामिल है विजिलेंस ने मुकदमा दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक उपनगरी ज्वालापुर में स्थित 21 बीघा शत्रु संपत्ति है। बताया जा रहा है कि इस संपत्ति को सरकार ने अपने अधीन लेना था, मगर तत्कालीन पीसीएस अधिकारी, भूमाफिया और वकीलों व कुछ लोगों ने सांठगांठ कर उक्त संपत्ति को ठिकाने लगा दिया। बताया गया कि इस सारी लैंड की 10 से अधिक रजिस्ट्री अलग अलग लोगों के नाम पर करवाई गई। कायदे में यह भूमि सरकार में निहित होनी चाहिए थी।

मामले की शिकायत होने पर विजिलेंस ने गई जांच की, जिसमें मामला सही पाया गया। जिसके बाद विजिलेंस देहरादून ने दो पीसीएस अधिकारी, हरवीर सिंह, अनिल कुमार कंबोज व सुखपाल सिंह, नीरज तोमर, किजेंद्र गिरी, विजेंद्र कश्यप, श्रवण कुमार, एस बी शर्मा, हरिकृष्ण शुक्ला, मायाराम वर्मा, एडवोकेट पहल सिंह वर्मा, एडवोकेट सज्जाद, दस्तावेज लेखक मोहनलाल शर्मा, दस्तावेज यशपाल सिंह चौहान, एडवोकेट राजकुमार उपाध्याय, रियाज, शरीफ, शौकत वहीदा, सलीम, जुलेखा, कारी मुस्तफा, कोमल विनोद मलिक, रेशमा, प्यारेलाल, सफदर अली और संजीदा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। दो पीसीएस अधिकारी, लेखपाल व कई वकीलों के नाम मुकदमा दर्ज होने से हड़कंप मचा हुआ है।

भूमि की इस बंदरबांट में हरिद्वार तहसील में प्रेक्टिस करने वाले चर्चित वकील का भी नाम है इसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि इस चर्चित वकील का नाम रजिस्टार ऑफिस में अधिकारियों से साठगांठ कर विवादित संपत्तियों की रजिस्ट्री करने से जुडता रहा है। अभी हाल ही में करोड़ों के स्टांप चोरी के मामले में भी इसी वकील ने होटल की रजिस्ट्री मकान दर्शा कर की थी। इसके बाद अब सभी की मुश्किलें बढ़ना तय।

साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में जॉयरोकॉप्टर के परीक्षण उड़ान की जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा जॉयरोकॉप्टर द्वारा हिमालयन सफारी आयोजित कराई जायेगी: जिलाधिकारी

हरिद्वार (दैनिक हाक): जिलाधिकारी श्री धीराज सिंह गर्ब्याल ने शनिवार को बैरागी कैम्प के ग्राउण्ड में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से जॉयरोकॉप्टर के परीक्षण उड़ान का सफलतम शुभारम्भ किया। उन्होंने स्वयं साहसिक जॉयरोकॉप्टर में उडान भी भरी।

जॉयरोकॉप्टर के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये जिलाधिकारी श्री धीराज सिंह गर्ब्याल ने अवगत कराया कि जॉयरोकॉप्टर एक प्रकार का छोटा हैलीकॉप्टर है, जिसका उपयोग उत्तराखण्ड के पर्यटन को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि शीघ ही उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद द्वारा जॉयरोकॉप्टर द्वारा हिमालयन सफारी आयोजित कराई जायेगी।

अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद कर्नल अश्विनी पुण्डीर ने इसे ऐतिहासिक मौका बताते हुए कहा कि इस जॉयरोकॉप्टर की भारत में सर्वप्रथम सफलतम पहली उड़ान परीक्षण के तौर पर उत्तराखण्ड के हरिद्वार में की जा रही है। उन्होंने बताया कि जॉयरोकॉप्टर द्वारा राज्य के विभिन्न दर्शनीय स्थलों की हिमालयन हवाई सफारी योजना शीघ्र ही घरातल पर उतारी जायेगी। उन्होंने कहा कि ब्रेकफॉस्ट टूरिज्म के तहत उतारी गयी इस योजना में पर्यटक एक स्थल से जॉयरोकॉप्टर में उड़ान भर हिमालयी चोटियों, नदियों की प्राकृतिक छटा का आनन्द लेते हुए दूसरे गतंव्य पर पहुँचेंगे तथा उस गतंव्य पर कुछ समय व्यतीत कर जॉयरोकॉप्टर द्वारा वापस अपने स्थान पर लौटेंगे।

कर्नल पुण्डीर ने इस साहसिक पर्यटन के सम्बन्ध में आगे जानकारी देते हुये बताया कि यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड में प्रयोग किये जाने वाले जॉयरोकॉप्टर जर्मनी से आयात किये गये हैं, जिन्हें प्रारम्भ में जर्मनी में प्रशिक्षित पॉयलटों द्वारा ही उड़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न गतंव्यों में नागरिक उड्डयन विभाग तथा जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जॉयरोकॉप्टर हेतु हवाई पट्टियों के निर्माण की योजना भी गतिमान है। उन्होंने कहा कि जॉयरोकॉप्टर साहसिक पर्यटन योजना राज्य के दूरस्थ गर्तव्यों में पर्यटन विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

इस अवसर पर रजस एयरो स्पोर्ट्स एवं एडवेंचर प्रा0 लि0 के एमडी श्री मनीष सैनी, ईडी श्री लोकेश कुमार, निदेशक ओपीएस कर्नल मुकेश यादव, ओपीएस मैनेजर श्री हुकुम सिंह, जनरल मैनेजर श्री अजय दुबे, जिला पर्यटन विकास अधिकारी श्री सुरेश सिंह यादव, आधिशासी अभियंता लोक निर्माण् श्री प्रवीण कुमार, एई अमित वर्मा, ठेकेदार भूप सिंह सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित हुए भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत

हरिद्वार (दैनिक हाक): हरिद्वार के भूपतवाला क्षेत्र में स्थित आनन्द आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सम्मिलित हुए और आश्रम के महंत विवेकानंद महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जय सिंह मावी, प्रदीप भाटी, राजनारायण भाटी, बालकिशन भाटी, रिंकू बत्रा, छात्र नेता अभिनव तिवारी पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कपिल शर्मा, कवीर मावी, किशोर जसूजा, प्रतीक मावी, हरीश, दीपक पंत, जोगेन्दर यादव, पवन आदि लोग उपस्थित रहे।

कच्ची शराब समेत गिरफ्तार किया

हरिद्वार (दैनिक हाक): कच्ची शराब की तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए लकसर कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। भिक्कमपुर से गिरफ्तार किए गए आरोपी नदीम पुत्र नईम निवासी रायपुर के कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकद्मा दर्ज किया गया है। पुलिस टीम में कांस्टेबल संजय पंवार व राजेंद्र सिंह शामिल रहे।

विजय दिवस पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में हुआ भव्य आयोजन

– हरिद्वार के पूर्व-सैनिकों, वीर नारियों द्वारा विजय दिवस धूम-धाम से मनाया गया

– वीरों के बलिदान को किया सलाम।

हरिद्वार (दैनिक हाक): जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं देशभक्ति से ओत–प्रोत कार्यक्रम में जिले के पूर्व–सैनिक, वीर नारियाँ एवं उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री शामिल हुए।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर करण सिंह, श्रवणनाथ मठ जवाहरलाल नेहरू पी जी कॉलेज के प्राचार्य श्री सुनील कुमार बत्रा, हर्ष प्रकाश काला, नीमा देवी काला पब्लिक स्कूल, रुड़की, देवभूमि पूर्व–सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष सूबेदार मेजर दिनेश चंद्र सकलानी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विजडम ग्लोबल स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में 1971 भारत–पाक युद्ध में शामिल वीर सैनिकों एवं वीर नारियों को भी सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर करण सिंह ने कहा की सन 1971 का युद्ध कई मायनों में अहम रहा। इससे जहा बांग्लादेश अलग राष्ट बना वही भारतीय सेना का फील्ड मार्शल शैम मानेकशाह के नेतृत्व में पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया ने लोहा माना।

मुख्य अतिथि श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री ने अध्यात्म, धर्म रक्षा के साथ राष्ट्र भक्ति व देश रक्षा पर प्रकाश डालते हुए 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को नमन किया। कहा की सैनिकों के बलिदान को हम सदाचार, ईमानदारी, सदभाव व उच्च नैतिक मूल्यों के पालन के साथ सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते है।

एस एम जे एन पी जी महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार बत्रा ने कहा की देवभूमि उत्तराखण्ड सैन्य भूमि है।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया की वे भारतीय सेना में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर राष्ट सेवा का निर्वहन करे।साथ ही उन्होंने बताया की महाविद्यालय परिसर में परमवीर चक्र विजेताओं की तस्वीर युक्त शौर्य दीवार भी युवा विद्यार्थीयों को सेना में जाने को प्रेरित करती है। साथ ही जिला सैनिक पुनर्वास कार्यालय को एस एम जे एन महाविद्यालय की तरफ से 51, हज़ार रुपए की राशि भी भेट की गई। हायक अधिकारी हॉनरेरी कैप्टन डी एस गुसाई ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।श्री दीपक जखमोला ने कार्यक्रम का सफल संचालन का निर्वहन किया।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण सहायक अधिकारी डी एस गुसाईं, प्रकाश चंद भट्ट, ब्रह्म स्वरूप शर्मा, मुकेश कुमार चंदोलिया, योगेंद्र पुरोहित, विजय शंकर चौबे, मनोज भट्ट, ओम प्रकाश थापा, जितेंद्र असवाल, प्रवेंद्र सिंह, इंद्र मोहन सिंह रावत, बी एन शर्मा, संजय थापा, प्रवेश कुमार, शंभू बैठा, कोमल सिंह रौथाण, श्रीमती आशा मल्होत्रा, पदम बहादुर बम आदि मौजूद थे।

तीर्थ पुरोहित ने दी पुरोहित को हत्या की धमकी मुकदमा दर्ज

हरिद्वार (दैनिक हाक): एक तीर्थ पुरोहित ने दूसरे तीर्थ पुरोहित के साथ गाली गलौच करते हुए हत्या की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक ज्वालापुर के मोहल्ला पीठ बाजार निवासी मोहित सिखौला पुत्र शशीकांत सिखौला ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह पेशे से तीर्थ पुरोहित है। उसकी कुशाघाट पर गददी है।

आरोप है कि पराग उर्फ परीक्षित पुत्र रामेश्वर निवासी मोहल्ला चाकलान से उसका एक विवाद कोर्ट में विचाराधीन है, जिस वजह से वह उससे रंजिश रखता है। आरोप है कि नौ तारीख को पराग ने उसे बिल्वकेश्वर कालोनी के पास रोकर गाली गलौच कर दी। अगले दिन पराग ने उसकी गददी पर पहुंचकर उसके साथ फिर से गाली गलौच की। उस वक्त उसके यजमान भी गददी भी मौजूद थे।

आरोप है कि उसे एवं उसके परिवार को हत्या कर देने की धमकी देते हुए पराग वहां से फरार हो गया। पीड़ित का आरोप है कि बार बार उसे हत्या की धमकी दी जा रही है। वह और उसका परिवार भयभीत है। कोतवाली प्रभारी भावना कैंथोला ने बताया कि इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बीएचईएल में अन्तर इकाई शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का समापन

हरिद्वार (दैनिक हाक): बीएचईएल स्पोर्ट्स क्लब, हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय बीएचईएल अन्तर इकाई शूटिंग बॉल प्रतियोगिता सम्पन्न हो गई। इस प्रतियोगिता में बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों की कुल 08 टीमों ने भाग लिया। सेक्टर–4 स्थित खेल परिसर में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक प्रवीण चन्द्र झा तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (प्रभारी) सीएफएफपी वी. के. रायजादा थे।

प्रतियोगिता का फाइनल मैच बीएचईएल हरिद्वार तथा बीएचईएल भोपाल की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मेजबान हरिद्वार ने भोपाल को हराकर लगातार नवीं बार ट्राफी पर कब्जा किया। इस अवसर पर विजेताओं को सम्मानित करते हुए प्रवीण चन्द्र झा ने कहा कि अन्तर इकाई प्रतियोगिताओं के माध्यम से अलग–अलग इकाइयों के खिलाड़ी कर्मचारियों को, एक–दूसरे के साथ अपने अनुभवों को साझा करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि खेलों से हमें नई ऊर्जा मिलती है जिसका सकारात्मक असर, हमारे काम–काज के साथ–साथ हमारे जीवन पर भी पड़ता है।

हरिद्वार टीम के विनीत कुमार पुंडीर को "प्लेयर ऑफ द मैच" तथा भोपाल टीम के आर. के. मुकाती को "प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट" का अवार्ड दिया गया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स क्लब के संरक्षक आलोक कुमार, अध्यक्ष अजय कुमार एवं महासचिव अभिनव आशीष सहित महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी तथा यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने पीएम स्वनिधि योजना के चेक किये वितरित

– ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट और आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में आयोजित हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम

– त्रिवेणी घाट पर ज्योति प्रसाद गैरोला कार्यक्रम में हुए शामिल

– एम्स ऋषिकेश में हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पाखरियाल निशंक ने संकल्प यात्रा में किया प्रतिभाग

– मौके पर लोगों को दिया जा रहा योजनाओं का लाभ

देहरादून (दैनिक हाक): शहरी क्षेत्रों के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को ऋषिकेश पहुंची। ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट और आल इंडिया इंस्टिटयूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में विकसित भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बाल विकास, ग्रामीण, कृषि, स्वास्थ्य आदि विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें। संकल्प यात्रा के दौरान लोगों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को माननीय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया।

ऋषिकेश में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम में योजनाओं से वंचित कई लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। त्रिवेणी घाट पर कार्यक्रम में भाग ले रहे श्री ज्योति प्रसाद गैरोला ने लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई। इस दौरान उन्होंने लोगों से ज़्यादा से ज़्यादा विकसित भारत संकल्प यात्रा से जुड़ने का आह्वान भी किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार समाज के दुर्गम क्षेत्रों में भी योजनाओं को पहुंचा रही है। श्री गैरोला ने कहा कि मौजूदा सरकार हर वर्ग का ध्यान रखते हुए योजनाओं को बनती है। उन योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार हो सके और वंचितों को उन योजनाओं से जोड़ा जा सके, उसके लिए पूरे देश में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है।

एम्स ऋषिकेश में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने लोगों को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई। अपने संबोधन में उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा चलाना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कई ऐतिहासिक निर्णय लिये गये जिससे देश विकसित होने की राह पर है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे इसके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की गई है।

इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल कार्यक्रम देखा जिसमे वह देश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर रहे थे।

दोनों स्थानों पर आयोजित मुफ़्त चिकित्सा शिविर में 709 लोगों की स्वास्थ्य सम्बन्धी जाँच की गई।साथ ही 33 महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जोड़ा गया। इसके अलावा कार्यक्रम में 120 लोगों का आयुष्मान कार्ड, 18 लोगों के आधार कार्ड भी बनाये गए। पीएम स्वनिधि योजना का लाभ 28 लोगों को दिया गया और 150 लोगों के एसबीआई में खाते भी खोले गए। इस दौरान महिलाओं को मुफ़्त गैस चूल्हे और पीएम स्वनिधि योजना के चेक श्री निशंक द्वारा वितरित किये गए।

यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का कट आउट विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस कट आउट के साथ लोग यादगार के तौर पर तस्वीर भी ले रहे हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में लोगों को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से युक्त बुकलेट भी वितरित की जा रही हैं।

स्कार्पियो सवार बदमाश एसबीआई की एटीएम मशीन को गैस कटर से काट कर ले गए

पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी

रुड़की (दैनिक हाक): आये दिन बदमाशों के हौसले बुलंद हो रहे हैं और पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। परिणाम स्वरूप शुक्रवार की देर रात्रि स्कार्पियो सवार बदमाश एसबीआई के एटीएम की मशीन को गैस कटर की मदद से काट कर ले गए। बताया गया है कि एटीएम में लाखों रुपए का कैश रखा था। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी है।

मिली जानकारी के मुताबिक सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ढंडेरा स्थित नगर पंचायत के पास भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम लगा हुआ। बताया गया है कि देर रात्रि स्कार्पियो सवार बदमाश आए और एटीएम मशीन को गैस कटर की मदद से काटकर ले जाने में कामयाब रहे। एटीएम मशीन को काटकर लेकर जाने की जानकारी सुबह के समय लगी जब लोग घूमने के लिए निकले हुए थे। किसी ने मामले की जानकारी सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को दी। जानकारी लगने पर कोतवाली पुलिस में हडकंप मच गया। आनन-फानन में सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मय फोर्स के मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू की। बताया गया है कि एटीएम मशीन में लाखों का कैश रखा था, जो कि बदमाश लेकर फरार हो गए हैं। एटीएम मशीन ले जाते समय बदमाश सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश करने में जुटी है।

युवक ने पेड़ से लटक कर की आत्महत्या

रुड़की (दैनिक हाक): बुग्गावाला थाना क्षेत्र के दौड़बसी गांव के जंगल में एक युवक ने पेड़ से लटक कर आत्महत्या की है। आत्महत्या क्यों की है इसके बारे में मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह 11 के करीब अजय पुत्र महेंद्र निवासी दौड़बसी अपने घर से फरार हो गया था। जिसको ढूंढने के लिए परिजन व ग्रामीण जगह-जगह तलाश कर रहे थे। शनिवार सुबह 10 बजे ग्रामीणों को गांव के जंगल में अजय का शव पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों के अनुसार युवक किसी लड़की से शादी करना चाहता था। जिस कारण वह मानसिक तनाव में चल रहा था। थाना प्रभारी मनोज शर्मा ने बताया कि शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या क्यों की है इसके बारे में मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

झबरेडा पुलिस ने दो अफीम तस्कर को किया गिरफ्तार

रुड़की (दैनिक हाक): झबरेड़ा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात चेकिंग के दौरान ग्राम सावतवाली के पास हसीन पुत्र शकील निवासी कस्बा झबरेड़ा व जयपाल पुत्र मांगेराम निवासी ग्राम सावत वली को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब उक्त दोनों अफीम बेचने की फिराक में थे। आरोपियों के पास से चरस, नगदी तथा एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार, कांस्टेबल मुकेश कुमार, रणवीर सिंह तथा अबुल हसन शामिल रहे।

झबरेड़ा थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किये गये चरस के साथ दो तस्कर।

आयुष्मण भवः योग संस्थान द्वारा आयोजित योग शिविर का किया समापन

रुड़की (दैनिक हाक): आयुष्मण भवः योग संस्थान ने लर्निंग लेडर इंटरनेशनल प्ले स्कूल सिविल लाइन में निशुल्क योग शिविर का समापन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष किरण हांडा योग शिविर स्वास्थ्य और आत्मिक समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोगो को योग के अद्भुत लाभों का अनुभव हो। स्कूल की संचालिका रुचि हांडा ने शिक्षिकाओं को योग प्रेरणा से लेकर योग से स्वस्थ सुडौल और सुंदर शरीर, शांत मन और आध्यात्मिक लाभ के बारे में जानकारी दी। आयुष्मान भवः योग संस्थान के संचालक पवन देव ने योग अभ्यास की महत्वपूर्णता पर बातचीत की और सूर्य नमस्कार, स्वानासन, दुग्धासन, योग मुद्रासन, पश्चिमोत्तानासन, लिंग मुद्रा आदि की अभ्यास विधि साझा की। इस मौके पर स्कूल की अध्यापिका अक्षरा अमृत, वैष्णवी रूपम, कलश पूजा, हरमीत, कुसुम, सोनम, अमित पाल, देशबंधु, अभिनव सैनी, अभिषेक शर्मा और भावना आदि उपस्थित रही।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की को शीर्ष इनोवेटिव संस्थान के रूप में सीआईआई के ग्रैंड पुरस्कार से सम्मानित किया गया

🎬 आईआईटी रुड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के रूप में ग्रैंड जूरी पुरस्कार एवं मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार 2023 जीता। 🎬 उद्देश्य के साथ नवाचारः आईआईटी रुड़की के सामाजिक रूप से प्रभावशाली प्रयास 🎬 आईआईटी रुड़की की आत्मनिर्भर भारत और सतत समाधान के प्रति प्रतिबद्धता 🎬 इनोवेशन इकोसिस्टम को फिर से परिभाषित किया गयाः आईआईटी रुड़की का विजयी फॉर्मूला 🎬 सहयोग को बढ़ावा देनाः उद्योग-शैक्षणिक तालमेल अपने सर्वोत्तम स्तर पर 🎬 स्टार्टअप से लेकर सामाजिक पहल तकः आईआईटी रुड़की का समग्र दृष्टिकोण

रुड़की (दैनिक हाक): नवाचार एवं उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के एक शानदार प्रमाण में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) एक बार फिर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) औद्योगिक नवाचार पुरस्कारों के 10वें संस्करण में विजयी हुआ है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने शीर्ष इनोवेटिव रिसर्च इंस्टीट्यूशन के लिए ग्रैंड जूरी अवार्ड और 2023 के लिए मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूट पुरस्कार जीतकर दोहरी मान्यता हासिल की। यह प्रतिष्ठित दोहरा सम्मान अग्रणी अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति संस्थान की असाधारण प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो इस तरह की विशिष्ट मान्यता का लगातार चौथा वर्ष है। परिवर्तनकारी अनुसंधान एवं सामाजिक प्रभाव के प्रति अपने अटूट समर्पण को यह प्रदर्शित करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाधानों के लिए समर्पित है, जो अपने शोध को राष्ट्रीय एजेंडे के साथ जोड़ता है। संस्थान सहयोग, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के माध्यम से नवाचार को फिर से परिभाषित करती है। शिक्षा और उद्योग को जोड़ने पर मुख्य ध्यान देने के साथ, ग्रामीण टेलीहेल्थ ऐप और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों सहित आईआईटी रुड़की के प्रभावशाली आविष्कार, विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप, आर्थिक और पारिस्थितिक स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। संस्थान एक असाधारण नवाचार एवं अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है जो छात्रों और संकाय का दृढ़ता से समर्थन करता है, रचनात्मकता और अभूतपूर्व अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है। संस्थान सक्रिय रूप से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्यवान बातचीत और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान होता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में हाल की पहल सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने के लिए आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नवीन अनुसंधान उद्योग की प्रगति और सामाजिक प्रगति में प्रभावी ढंग से योगदान देता है। आईआईटी रुड़की का गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार और सहयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का उदाहरण देता है, जो प्रयोगशाला से बाजार तक प्रभावशाली परिणाम देता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की दो अभूतपूर्व नवाचारों के साथ स्थिरता के मामले में सबसे आगे है। सबसे पहले, उन्होंने पेपर कप के लिए एक विशेष कोटिंग विकसित की है, जो उन्हें आसानी से रिसाइकल करने योग्य बनाती है और प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटती है। यह पानी में घुलनशील फॉर्मूला न केवल लागत प्रभावी साबित होता है बल्कि एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने की वैश्विक पहल के अनुरूप भी है। दूसरी पहल, आईआईटी रुड़की ने मुद्रण के लिए जल-आधारित स्याही प्रस्तुत की है, जो हानिकारक उत्सर्जन को काफी कम करते हुए लागत-प्रभावशीलता और पर्यावरण-अनुकूलता प्रदान करती है। आईआईटी रुड़की के नेतृत्व में किए गए दोनों आविष्कार स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक हैं, जो आत्मनिर्भर भारत और टिकाऊ समाज की पहल का समर्थन करते हैं। व्यापक संदर्भ में, संस्था वैश्विक चुनौतियों से निपटने और नवीन समाधानों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) में योगदान देने के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। पानी में घुलनशील कोटिंग और स्याही फॉर्मूलेशन जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं, संयुक्त राष्ट्र एसडीजी द्वारा उल्लिखित वैश्विक विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित, जिम्मेदार उपभोग, पर्यावरणीय नवाचार और समग्र टिकाऊ प्रथाओं के प्रति आईआईटी रुड़की के समर्पण को रेखांकित करती हैं। संस्थान एक समृद्ध शोध वातावरण प्रदान करता है, जो नवाचार और ऊष्मायन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। संस्थान अपने ऊष्मायन और नवाचार पोर्टफोलियो को बढ़ाता है, एक पारदर्शी प्रायोजित अनुसंधान नीति के माध्यम से अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है और उन्नत प्रयोगशालाओं के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हाल की पहलों में फोटोनिक्स, क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान, ड्रोन, बांध सुरक्षा, टिकाऊ ऊर्जा, टिकाऊ ग्रामीण विकास और भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे क्षेत्रों में बहु-विषयक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना शामिल है। यह रणनीतिक दृष्टिकोण विभिन्न क्षेत्रों में समग्र प्रगति के केंद्र के रूप में आईआईटी रुड़की की स्थिति को सशक्त बनाता है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी ने आईआईटी रुड़की को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला, नवाचार न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है बल्कि संगठनों को बदलाव के बीच भी प्रासंगिक बने रहने की अनुमति देता है। भारत के विविध परिदृश्य और आबादी के साथ, निरंतर अनुसंधान और नवाचार की आवश्यकता हमेशा महसूस की गई है, जिससे प्रगति और निरंतर प्रासंगिकता के लिए यह अनिवार्य हो गया है। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत ने संस्थान की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया और कहा कि हम इस मान्यता से सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो नवाचार एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईआईटी रुड़की की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पुरस्कार एक नवीन और रचनात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने में हमारे सभी संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों व कर्मचारियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत के लिए एक श्रद्धांजलि है। हम अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं और विजन 2047 के साथ जुड़कर शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उपलब्धि की इस क्षमता को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। आईआईटी रुड़की के अभूतपूर्व समाधान, पानी में घुलनशील कोटिंग्स से लेकर पर्यावरण-अनुकूल अपशिष्ट जल उपचार तक, न केवल इसके महत्वपूर्ण सामाजिक प्रभाव को दर्शाते हैं बल्कि राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी हैं। प्रोफेसर कमल किशोर पंत निदेशक आईआईटी रुड़की, प्रोफेसर अक्षय द्विवेदी कुलशासक प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श व प्रोफेसर साई रामुडु मेका, सह कुलशासक कॉरपोरेट इंटरेक्शन द्वारा पुरस्कार स्वीकार करना न केवल प्रशंसा बल्कि उपलब्धि के इस स्तर को बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

ईवीएम का डेमो कर भगवानपुर उप जिलाधिकारी कार्यालय पर लोगों दी जानकारी

भगवानपुर/रुड़की (दैनिक हाक): आगामी लोकसभा निर्वाचन के लिए उप जिलाधिकारी कार्यालय भगवानपुर में ईवीएम का डेमो कर लोगों को इसके संबंध में जानकारी दी गई। लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग तैयारी में जुट गया है। जिसके चलते शनिवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय भगवानपुर में ईवीएम की सत्यता को लेकर डेमो मतदान कराया गया है। जिसमें सैकड़ों लोगों ने मतदान किया है। सभी ने अपने मत का प्रयोग कर पर्ची प्राप्त की। जो बिलकुल सत्यता और सही पायी गई है।

सीनियर क्रिकेट लीग में सैनी क्रिकेट अकादमी ने नवयुवक क्रिकेट एकेडमी से जीता मैच

रुड़की (दैनिक हाक): जिला क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ हरिद्वार के तत्वाधान में आयोजित जिला सीनियर क्रिकेट लीग के अंतर्गत शनिवार को सैनी क्रिकेट एकेडमी रुड़की व नवयुवक क्रिकेट एकेडमी रुड़की के मध्य बीईजी ग्राउंड पर मैच खेला गया। जिसमें सैनी क्रिकेट एकेडमी रुड़की 6 विकेट से जीत दर्ज की।

सैनी क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। नवयुवक क्रिकेट अकादमी की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 21.02 ओवरों में 53 रन बनाकर पूरी टीम आउट हो गई। टीम की तरफ से दीपक 16 व अनंत 14 रन बनाए इन दोनों बल्लेबाजों को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज सैनी क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों के सामने नही टिक पाया। सैनी क्रिकेट एकेडमी रुड़की की ओर से वासुदेव सैनी ने 5, नवीन ने 3, हितेंद्र सैनी ने 2 विकेट लेकर पूरी टीम को धराशाही कर दिया। 54 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सैनी क्रिकेट एकेडमी ने 15 ओवर में चार विकेट गवांकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस तरह सैनी क्रिकेट एकेडमी में 6 विकेट से मैच जीत लिया। नवयुवक की तरफ से रोहित ने 2, अरबाज ने 1, शांतनु सैनी ने 1 विकेट लिए। पांच विकेट लेने वाले सैनी क्रिकेट एकेडमी के गेदबाज वासुदेव सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त समाचार

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की भव्यता को जन-जन तक है पहुंचाना, हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे वीएचपी के कार्यकर्ता

देहरादून, एजेंसी। अयोध्या में होने वाले श्रीराम मंदिर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की भव्यता दिव्यता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता हर मंगलवार को घंटाघर स्थित साप्ताहिक मिलन केंद्र में अक्षत कलश रखकर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। साथ ही कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक भी करेंगे। घंटाघर स्थित प्राचीन शिव हनुमान मंदिर में भव्य हर मंगलवार को भव्य धार्मिक आयोजन को लेकर बजरंग दल के साप्ताहिक मिलन प्रमुख विकास वर्मा ने बताया कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा जबकि 26 जनवरी को उत्तराखंडवासियों को अयोध्या निमंत्रण संगठन की ओर से दिया जा रहा है। इसी क्रम में कार्यकर्त्ताओं को एकजुट करने का संदेश देते हुए धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं।

प्रदेश में शीतलहर से बचाव के लिए 1.35 करोड़ रुपये की धनराशि जारी, मुख्यमंत्री धामी ने दिए निर्देश

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री ने पिछले मंगलवार को देर सायं देहरादून शहर के कई क्षेत्रों का भ्रमण कर आईएसबीटी के समीप स्थित मलिन बस्ती में रह रहे लोगों का हालचाल जाना था। सीएम ने सभी डीएम एवं नगर आयुक्तों को बेसहारा एवं बेघर लोगों को सर्दी से बचाव की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। प्रदेश में गरीब एवं बेसहारा लोगों को शीतलहर के प्रकोप से बचाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धानी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से 1.35 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है।सभी डीएम से कहा गया कि इस धनराशि का उपयोग सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने, निशुल्क कंबल वितरण, रैनबसेरों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित जैसे कार्यों के लिए किया जाएगा। इस संबंध में सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले मंगलवार को देर सायं देहरादून शहर के कई क्षेत्रों का भ्रमण कर आईएसबीटी के समीप स्थित मलिन बस्ती में रह रहे लोगों का हालचाल जाना था। इस दौरान उन्होंने लोगों को कंबल आदि वितरित किए। इस मौके पर सीएम ने सभी डीएम एवं नगर आयुक्तों को बेसहारा एवं बेघर लोगों को सर्दी से बचाव की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने तहसील एवं ब्लाक स्तर पर यह व्यवस्था बनाने को कहा था। इसके लिए सभी एसडीएम को जिम्मेदारी दिए जाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए थे। अब सचिव आपदा प्रबंधन की ओर से राज्य आपदा मोचन निधि मद के रिस्पॉन्स और रिलीफ मद से एक करोड़ 35 लाख की धनराशि सभी जिलाधिकारियों को स्वीकृत की गई है। इसमें पौड़ी को 15 लाख और अन्य जिलों को 10-10 लाख की धनराशि दी गई है।

नैनीताल, यूएस नगर, पिथौरागढ़ और स्पोर्ट्स कॉलेज ने मारी बाजी

देहरादून, एजेंसी। महाराणा स्पोर्ट्स कॉलेज में चल रहे राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को चार मैच खेले गए। जिसमें नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़ और रायपुर ने अपने-अपने मैच जीत बाजी मारी। दिन के पहले मैच में चमोली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। नैनीताल ने बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाए। टीम के लिए कमल ने 16, विकास ने 14, पीयूष ने 12 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चमोली की टीम ने 12 ओवर में नौ विकेट खोकर 86 रन बना पाई। दूसरे मैच में ऊधमसिंह नगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में तीन विकेट खोकर 120 रन बनाए। साक्षात ने 49, प्रिंस ने 35, ईशांत ने 11 रन बनाए। जवाब में हरिद्वार ने 12 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर सिर्फ 114 रन ही बनाए। तीसरे मैच में नैनीताल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में सात विकेट खोकर 78 रन बनाए। टीम के लिए सोनू ने 16, कुनाल ने 10 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पिथौरागढ़ की टीम ने 7.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 79 बनाकर आठ विकेट से मैच जीता। सबसे ज्यादा दीपक ने 37, ओम प्रकाश ने 14 रन बनाए। दिन का अंतिम मैच स्पोर्ट्स कॉलेज व हरिद्वार के बीच खेला गया। स्पोर्ट्स कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 126 रन बनाए। टीम के लिए देव ने 36, प्रियांशु ने 16 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हरिद्वार की टीम 12 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 75 रन बना पाई।

जन्मदिन, सालगिरह मनाने का बदला ट्रेंड, जरूरतमंदों संग कर रहे सेलिब्रेट

देहरादून, एजेंसी। दून में जन्मदिन, शादी की सालगिरह और पुण्यतिथि मनाने का ट्रेंड अब बदल रहा है। इन अवसरों पर अब होटलों या अन्य स्थानों पर जाकर सेलिब्रेट करने के बजाय लोग जरूरतमंदों के लिए साथ अपनी खुशियां बांट रहे हैं। इस ओर युवा काफी आकर्षित हो रहे हैं। ये गरीबों को खाना उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं के जरिए इन अवसरों को सेलिब्रेट कर रहे हैं। जन्मदिन, शादी की सालगिरह से लेकर तमाम अवसरों पर अब होटलों में जाकर सेलिब्रेट करने के बजाय लोग सादगी से इन अवसरों को मना रहे हैं। दूनवासी भी कई संस्थाओं के जरिए तो कोई खुद जरूरतमंदों को खाना खिलाकर जन्मदिन, शादी की सालगिरह को सेलिब्रेट कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में फ्री फूड, रोटी कपड़ा बैंक सहित अन्य संस्थाओं के जरिए लोगों ने अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह पर जरूरतमंदों को खाना खिलाकर उनके साथ खुशियां बांटी है। उनका कहना है कि जरूरतमंदों के साथ खुशी बाटंने से अपनी खुशी भी दोगुनी होती है। अपना रोटी बैंक चला रहे हिमांशु बताते हैं कि पिछले एक साल से लोग जन्मदिन, शादी की सालगिरह पर संस्था के साथ मिलकर जरूरतमंदों को खाना खिलाकर अपनी खुशियों को सेलिब्रेट कर रहे हैं। बीते दो तीन महीने में तीस से अधिक लोग इन अवसरों पर जरूरतमंदों को खाना खिला चुके हैं।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उत्तराखंड तैयार, जल्द अस्तित्व में आएगी एसडीआरएफ की नई कंपनी

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए जल्द ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक और कंपनी अस्तित्व में आएगी। नई कंपनी बनाने के लिए शासन स्तर पर कार्रवाई चल रही है। मौजूदा समय में एसडीआरएफ की पांच कंपनियां हैं, जो प्रदेशभर के दुर्गम क्षेत्रों में स्थापित 42 पोस्टों में है।

एसडीआरएफ के जवान किसी भी प्रकार की आपदा में सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू शुरू करते हैं। डोईवाला स्थित एसडीआरएफ के मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एसडीआरएफ को एक और कंपनी बनाने के आदेश जारी किए थे।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने कार्रवाई शुरू की। अब कंपनी तैयार करने के लिए सभी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। संभवतः एक माह के अंदर नई कंपनी अस्तित्व में आ जाएगी। नई बनने जा रही कंपनी के लिए स्टाफ नागरिक पुलिस, फायर ब्रिगेड, पीएससी व अन्य विंगों से प्रतिनियुक्ति पर शामिल किया जाएगा।

कंपनी में करीब 170 कार्मिकों को शामिल किया जाएगा। इनमें निरीक्षक से लेकर आरक्षी तक शामिल किए जाएंगे। इसमें कुछ एसडीआरएफ के जवान जबकि कुछ अन्य विंगों से फोर्स तैनात होगा। एसडीआरएफ में शामिल होने वाले नए स्टाफ को अलग-अलग जगह प्रशिक्षण दिया जाएगा। एसडीआरएफ अब तक 14,415 घायलों का रेस्क्यू कर 2467 शव बरामद कर चुकी है। इसके अलावा एसडीआरएफ ने 480 जानवर भी रेस्क्यू किए।

वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद उत्तराखंड में एसडीआरएफ की स्थापना हुई थी। उस समय केवल दो कंपनी बनाई गई थी। वर्तमान समय में एसडीआरएफ की पांच कंपनियां हैं, जिसमें केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, न्यूक्लियर, डीपी ड्राइविंग टीम, हाई एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम, कैनाइन टीम जैसे विशेषज्ञ टीमें शामिल हैं।

एसडीआरएफ के गठन के समय दो कंपनियों में सिर्फ 154 जवान थे, जबकि अब बढ़कर 470 हो चुके हैं। एसडीआरएफ ने केदारनाथ आपदा के बाद केदारघाटी को पुर्नव्यवस्थित करने, आपरेशन मुक्ति के माध्यम से प्राप्त शवों का धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ दाह संस्कार, अस्थियों का विसर्जन तथा चारधाम यात्रा को दोबारा संचालित किए जाने में महत्वूपर्ण भूमिका निभाई।

दुर्गम क्षेत्रों में 42 पोस्टों में है एसडीआरएफ प्रदेश के 13 जिलों में इस समय एसडीआरएफ की 42 पोस्टें हैं। इनमें देहरादून में चकराता, सहस्त्रधारा, डाकपत्थर व त्यूणी, टिहरी में ढालवाला, कोटी कॉलोनी, ब्यासी व घनसाली, उत्तरकाशी में उजैली, भटवाड़ी, बड़कोट, मोरी, चिन्यालीसौड़, गंगोत्री, यमुनोत्री, भोजवासा, पौड़ी में कोटद्वार, सतपुली, श्रीनगर, धुमाकोट, चमोली में जोशीमठ, गौचर, पांडूकेश्वर, भ्यूंडार, घांघरिया, बद्रीनाथ, रुद्रप्रयाग में सोनप्रयाग, रतूड़ी, केदारनाथ, लिनचोली, भीमबली, अगस्तमुनि, हरिद्वार में लक्सर, चंपावत में चंपावत व टनकपुर, पिथौरागढ़ में पुलिस लाइन पिथौरागढ़, अस्कोट, बागेश्वर में कपकोट, नैनीताल में नैनीझील, खेरना, अल्मोड़ा में सरियापानी और उधमसिंहनगर में रुद्रपुर पोस्टें हैं।

गोरखा राइफल्स के नायक ने लगाई फांसी

देहरादून, एजेंसी। घंगोड़ा कैंट में तैनात गोरखा राइफल्स के नायक ने संदिग्ध परिस्थितियों में बैरक के शौचालय में फांसी लगा ली। मृतक की पहचान किशोर प्रधान (29 वर्ष) मूल निवासी ग्राम कायमी, पोस्ट डांगरी, थाना दर्शग, नेपाल के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा दिया है। मृतक के स्वजन को सूचित कर दिया गया है। उनके देहरादून पहुंचने के बाद शव सुपुर्द किया जाएगा। कैंट कोतवाली के इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र ने बताया कि बुधवार रात को मिलिट्री पुलिस ने सूचना दी कि गोरखा राइफल्स घंगोड़ा कैंट में तैनात नायक ने बैरक के शौचालय में रस्सी से फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और किशोर को फंदे से नीचे उतरवाया। पूछताछ में जानकारी मिली कि छह माह पहले ही नायक की पोस्टिंग देहरादून के घंगोड़ा कैंट में हुई थी। इसी बीच वह अपने घर नेपाल छुट्टी पर चले गए थे और 11 दिसंबर को ड्यूटी पर लौटे।

पुलिस को बताया गया कि मृतक का परिवार नेपाल में ही रहता है। कुछ समय पहले ही उनकी शादी हुई थी।

शत्रु संपत्ति खुर्द-बुर्द करने में पीसीएस सहित 28 पर मुकदमा, 10 लोकसेवकों के नाम भी आए सामने

देहरादून, एजेंसी।
शिकायत के बाद विजिलेंस तत्कालीन दो पीसीएस सहित 28 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है, इनमें कुल 10 लोकसेवक हैं। एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंज्याल ने मुकदमे की पुष्टि की है। हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र में शत्रु संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद विजिलेंस तत्कालीन दो पीसीएस सहित 28 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है, इनमें कुल 10 लोकसेवक हैं। एसपी विजिलेंस धीरेंद्र गुंज्याल ने मुकदमे की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, हरिद्वार जिले के ज्वालापुर क्षेत्र में 21 बीघा शत्रु संपत्ति थी, जिसे सरकार में निहित किया जाना था। लेकिन, कुछ तत्कालीन पीसीएस अफसरों ने भू-माफिया से उस संपत्ति को सरकार में निहित करने के बाद खुर्द-बुर्द करने के लिए गठजोड़ कर लिया। बताया जा रहा है मामले में फर्जी तरीके से 10 से अधिक रजिस्ट्रियां करवा दी गईं। इसकी सूचना किसी ने विजिलेंस को दे दी। प्रारंभिक जांच में मामला सही पाए जाने के बाद विजिलेंस के देहरादून सेक्टर ने 28 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।जिन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है, उनमें पूर्व में तैनात दो पीसीएस अधिकारी भी शामिल हैं। इस मामले में मुकदमा दर्ज होने और पूर्व पीसीएस के नाम सामने आने पर शासन और प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

लोकसभा में घुसपैठियों की तुलना भगल सिंह से करना गलत, संसद सुरक्षा में हुई चूक पर बोले हरीश रावत

देहरादून, एजेंसी।
पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि लोकसभा में कूदने और स्मोक बम फोड़ने वालों के कृत्य की तुलना भगत सिंह से करना पूर्णतः अनुचित है। संसद व भारत की सुरक्षा की यह चूक भाजपा के सांसद की गलती से हुई है। उसे छिपाने के लिए भाजपा इस मुद्दे को जानबूझकर भगत सिंह के मान-अपमान से जोड़ रही है।

इंटरनेट मीडिया पर अपनी पोस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भगत सिंह देश की आजादी के लिए सिर पर कफन बांधकर फांसी पर चढ़े। किसी और व्यक्ति से भगत सिंह की तुलना नहीं की जा सकती है। भगत सिंह शहीद-ए-आजम हैं। वह चांद, सितारे और सूरज की तरह हैं और अतुलनीय हैं। सारे मामले का एक ही तर्कसंगत जवाब है कि प्रधानमंत्री को तत्काल लोकसभा में आना चाहिए था और संसद व देश की सुरक्षा के लिए आश्वस्त करना चाहिए था।

हरीश रावत ने कहा कि भाजपा अब सफाई में कुछ भी कहे, लेकिन संसद व भारत की सुरक्षा की यह चूक उनके सांसद की गलती से हुई है। इसे छिपाने के लिए कभी टीएमसी कनेक्शन तो कभी आईएनडीआईए गठबंधन पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शुक्रवार को प्रदेश के किसानों की समस्याओं को लेकर अपने आवास पर मौन व्रत रखा। उन्होंने कहा कि राज्य में किसान को यूरिया के अतिरिक्त दूसरी खाद मिल नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि किसान परेशान हैं। गन्ने पर इस साल जलभराव के कारण स्टेम बोरर और धूप का ज्यादा प्रकोप हो गया है। तराई के किसान ने रिकॉर्ड धान पैदा किया है। नींबू, नारंगी और माल्टा सरकार के लिए सौतेले फल हो गए हैं। इनका खरीद मूल्य नहीं बढ़ाया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में 1100 करोड़ की कार्ययोजना को मंजूरी

देहरादून, एजेंसी।
केंद्र सरकार के नेशनल प्रोग्राम कोआर्डिनेशन कमेटी (एनपीसीसी) की गत दिनों हुई बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 के लिए प्रदेश सरकार ने 1100 करोड़ रुपये का प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन प्लान (पीआईपी) रखा था।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए उत्तराखंड को 1100 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को मंजूरी मिल गई, जिसमें राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ब्लड बैंक का निर्माण किया जाएगा। पौड़ी जिले के थलीसैंण और रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी में 50-50 बेड के उप जिला चिकित्सालय का निर्माण, एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय काशीपुर में 200 बेड चिकित्सालय के निर्माण को मंजूरी मिली है। केंद्र सरकार के नेशनल प्रोग्राम कोआर्डिनेशन कमेटी (एनपीसीसी) की गत दिनों हुई बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 के लिए प्रदेश सरकार ने 1100 करोड़ रुपये का प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन प्लान (पीआईपी) रखा था।

इस पर एनपीसीसी ने कुछ संशोधन के साथ प्लान पर सैद्धांतिक मंजूरी मिली है। इस प्लान में जीबी पंत चिकित्सालय नैनीताल में टाइप-4 व टाइप-3 आवास, बीडी पांडेय चिकित्सालय नैनीताल में टाइप-4 आवास, ट्रांजिस्ट हॉस्टल, मेडिसिन स्टोर, कार्डिक केयर यूनिट, न्यू ओपीडी ब्लॉक व पार्किंग की स्वीकृति मिली है। रुद्रप्रयाग जिले में फाटा और गुप्तकाशी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ एक-एक एमओ ट्रांजिस्ट हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा।

नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगे 10 लाख रुपये

देहरादून, एजेंसी।
सचिवालय में नौकरी लगाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से महिला ने 10 लाख रुपये ठग लिए। महिला ने खुद को राज्य सरकार के आयुष विभाग में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत बताया और नौकरी के लिए 27 लाख रुपये मांगे थे। इसमें से 16 लाख रुपये वापस कर दिए, लेकिन दस लाख से अधिक अभी तक वापस नहीं किए। इस दौरान महिला ने व्यक्ति को फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भी दिया था। शिकायत के बाद नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नेहरू कालोनी के थाना प्रभारी मोहन सिंह ने बताया कि ऋषिकेश निवासी अमित कुमार ने तहरीर दी कि विगत वर्ष ऋषिकेश में योग सीखने के के दौरान उसकी पहचान दीपक रावत निवासी महानंदा कालोनी, भट्टोवाला रोड, गुमानीवाला, ऋषिकेश से हुई। जिससे उसने अपने छोटे भाई की नौकरी के बारे में बात की।

दीपक रावत ने कहा कि उसका एक मित्र अंकित नैथानी है, जो कि रविकांता शर्मा निवासी अलकनंदा एन्क्लेव, जोगीवाला को जानता है।

वह सरकार में वरिष्ठ सहायक के पद पर जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय नरेंद्र नगर, टिहरी गढ़वाल में कार्यरत है।

इसके बाद पीड़ित ने रविकांता शर्मा से मुलाकात की तो महिला ने बताया कि उसने काफी बेरोजगारों की नौकरी ओएनजीसी, सचिवालय, स्वास्थ्य विभाग, विधानसभा आदि जगहों पर लगाई है। विश्वास जीतने के लिए महिला ने अपने मोबाइल नंबर पर कई लोगों के ट्रांजेक्शन दिखाए। रविकांता शर्मा ने कहा कि विधानसभा की नियुक्तियां निकली थीं, जिसका नोटिफिकेशन हो रखा है। यह भर्ती वर्ष 2022 में होनी है। नौकरी लगानी है तो तुरंत 27 लाख रुपये खाते में जमा करने होंगे। फरवरी-मार्च 2023 तक उत्तराखंड प्रशासन से भाई की नियुक्ति का प्रार्थना पत्र उत्तराखंड सचिवालय से आ जाएगा।

पीड़ित के मुताबिक वह महिला के झांसे में आ गया और दस लाख रुपये महिला के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद महिला ने सचिवालय में भर्ती का एक नोटिफिकेशन भेजा और कहा कि ज्वाइनिंग लेटर तैयार हो गया है। धीरे-धीरे करके महिला ने उनसे 27 लाख रुपये ठग लिए। कुछ रकम रविकांता के अलावा दीपक रावत, नरेंद्र प्रकाश शर्मा और प्रिया शर्मा के खाते भी डाली गई। महिला ने वाट्सएप पर भाई का ज्वाइनिंग लेटर भेजा और दो लाख रुपये मांगे। इसके बाद उसने उन्हें अपने निवास पर बुलाया, लेकिन सचिवालय में मुख्यमंत्री का औचक निरीक्षण का बहाना बनाकर वापस लौटा दिया। नियुक्तिपत्र की जांच कराई गई तो वह फर्जी पाया गया। दबाव बनाने पर उसने 17 लाख रुपये वापस कर दिए, लेकिन शेष रकम वापस नहीं की। शिकायत के बाद पुलिस ने रविकांता शर्मा, दीपक रावत, नरेंद्र शर्मा व प्रिया शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिल लाओ इनाम पाओ योजनाः अक्तूबर-नवंबर का निकाला लकी ड्रा, तीन हजार विजेताओं को मिलेंगे आकर्षक इनाम

देहरादून, एजेंसी।
विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने बिल लाओ इनाम पाओ योजना का 13वां और 14वां लकी ड्रॉ निकाला गया, जिसमें अक्तूबर व नवंबर माह में उपभोक्ताओं के अपलोड किए बिलों को शामिल किया गया।

बिल लाओ इनाम पाओ योजना के तहत अक्तूबर और नवंबर माह का लकी ड्रा निकाला गया, जिसमें तीन हजार विजेताओं को मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और ईयर बड्स मिलेंगे। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में ऑनलाइन माध्यम से विजेताओं की घोषणा की गई।

शुक्रवार को विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने बिल लाओ इनाम पाओ योजना का 13वां और 14वां लकी ड्रॉ निकाला गया, जिसमें अक्तूबर व नवंबर माह में उपभोक्ताओं के अपलोड किए बिलों को शामिल किया गया। मंत्री अग्रवाल ने कहा, उपभोक्ताओं में बिल लाओ इनाम पाओ योजना के प्रति लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।

बताया, नवंबर माह में 64,828 बिलों को शामिल किया गया। इन बिलों का मूल्य 26.50 करोड़ रुपये है। जो प्रति माह में एक रिकॉर्ड है। योजना की अवधि 30 नवंबर 2023 से बढ़ाकर 31 मार्च 2024 किया गया है। इससे उपभोक्ताओं को हर महीने सामान खरीद पर जीएसटी बिल बीलिप एप पर अपलोड कर पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा।

कहा, योजना में हर महीने अपलोड बिल पर 1500 पुरस्कार दिए जा रहे हैं। 500 मोबाइल फोन, 500 स्मार्ट वॉच और 500 ईयर बड्स शामिल हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से प्रत्येक खरीद पर जीएसटी बिल प्राप्त करने की अपील की। मंत्री ने कहा कि बिल लाओ इनाम पाओ योजना के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ी है। पूरे देश में इस तरह की यह एक मात्र योजना है।

उन्होंने कहा, राज्य कर विभाग की ओर से पूरी पारदर्शी से लकी ड्रा निकाले जा रहे हैं। इस मौके पर राज्य कर आयुक्त डॉ. अहमद इकबाल, अपर आयुक्त अनिल सिंह, अमित गुप्ता, संयुक्त आयुक्त अनुराग मिश्रा व एसएस तिरुवा मौजूद थे।

शोध में खुलासा, घुटने के इंप्लांट से पहले बंडल्ड इंटरवेंशन से बैक्टीरिया का खात्मा जरूरी

देहरादून, एजेंसी।
कूल्हे और घुटने के इंप्लांटेशन से पहले साबुन से नहाने या एंटीबॉयोटिक इंजेक्शन लगवाने से शरीर में बैक्टीरिया बचे होने की संभावना रहती है। इससे इंप्लांटेशन फेल हो सकता है।

घुटने या कूल्हे के इंप्लांट से पहले शरीर में मौजूद बैक्टीरिया खात्मा जरूरी होता है। इसके लिए दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के माइक्रोबॉयोजॉली विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर दीपक जुयाल ने नई तकनीक पर शोध किया है। उस तकनीक का नाम है- बंडल्ड इंटरवेंशन। मालूम हो कि अब तक विशेषज्ञ इंप्लांट से पहले बैक्टीरिया नष्ट करने के लिए एंटीबॉयोटिक साबुन से नहाने और इंजेक्शन की सलाह देते रहे हैं।

कूल्हे और घुटने के इंप्लांटेशन से पहले साबुन से नहाने या एंटीबॉयोटिक इंजेक्शन लगवाने से शरीर में बैक्टीरिया बचे होने की संभावना रहती है। इससे इंप्लांटेशन फेल हो सकता है। ऐसे में नई तकनीक बंडल्ड इंटरवेंशन पर शोध के बाद डॉक्टरों ने इसी के जरिये बैक्टीरिया नष्ट करने पर जोर दिया है। एक शोध में इस तकनीक ने खुद को साबित भी किया है। इस संबंध में दून अस्पताल के डॉ. दीपक जुयाल का शोध अमेरिकन जर्नल 'सर्जिकल इंफेक्शंस' में अगस्त 2023 में प्रकाशित हुआ है।

डॉ. जुयाल ने बताया कि शोध के दौरान 48 मरीज ऐसे लिए गए जिन्होंने नहाने और बैक्टीरिया नष्ट करने का इंजेक्शन लेने के बाद इंप्लांट सर्जरी करवाई थी। दूसरी ओर 50 ऐसे मरीज लिए गए जिनके शरीर से बंडल्ड इंटरवेंशन तकनीक से बैक्टीरिया नष्ट किए गए थे। शोध का परिणाम यह रहा कि जिन्होंने बंडल्ड इंटरवेंशन तकनीक अपनाई थी इन मरीजों को बैक्टीरिया इंफेक्शन न के बराबर रहा। जबकि, नहाने के बाद इंप्लांट सर्जरी करवाने वाले मरीजों में बैक्टीरिया इंफेक्शन अधिक देखने को मिला। 2017 से 2021 तक यह शोध चला है। सर्जरी होने के बाद एक से तीन साल तक मरीजों का फॉलोअप भी किया गया।

सालार के लिए किरदार के हिसाब से खुद को बदला

सुपर स्टार प्रभास जल्द ही फिल्म सालार पार्ट 1– सीजफायर में नजर आएंगे। इस फिल्म को प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया है। वहीं विजय किर्गंदुर फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। ये फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। प्रभास ने फिल्म से जुड़ी और अपनी प्रोफेशनल लाइफ के बारे में खास बातचीत की।

फिल्म सालार की स्क्रिप्ट मिलने पर आपने हां कैसे किया?
प्रभास ने कहा– सालार को हां कहने की पहली वजह तो प्रशांत नील ही थे। जब उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट सुनाई तो उसमें बहुत सारे कमर्शियल एलिमेंट थे। ऑडियंस ने पहले कभी मुझे इस तरह के किरदार में नहीं देखा है। वे इस स्क्रिप्ट को अपने जिस स्टाइल के लिए जाने जाते हैं, उस तरह से तैयार कर रहे थे। हर महीने कुछ अच्छा करते जा रहे थे और फाइनली उन्होंने एक बहुत अच्छी स्क्रिप्ट बनाई। मेरे ख्याल से उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं किया है, मेरे ख्याल से उन्होंने इस फिल्म में बहुत सारा ड्रामा ऐड किया है और मुझे यह काफी एक्साइटिंग लगा।

फिल्म में अपने किरदार के बारे में कुछ बताईए।
मेरा किरदार कुछ जगहों पर बेहद एग्रेसिव है। बाकी समय वह नॉर्मल है, उसे एग्रेसिव होने के लिए कुछ ट्रिगर पॉइंट्स चाहिए होते है। जब फिल्म शुरू होती है तब इसका उग्र रूप आप देख सकते हैं जो की ट्रेलर में बखूबी नजर आया है।

अपने किरदार के लिए तैयारी कैसे की?
मैं और प्रशांत ने बस साथ में काम किया है। मैंने उन्हें बताया कि मैं क्या सोच रहा हूं और उन्होंने मुझे बताया कि क्या करना है। मैंने उन्हें कुछ बॉडी लैंग्वेज बताई, जो कि मुझे लगा कि फिल्म के लिए सही है। उन्हें उनमें से कुछ पार्ट अच्छे भी लगे। किसी भी जरूरी सीन से पहले हम बातचीत करते थे और वो मुझे बताते थे कि इस तरह से मैं किरदार को देख रहा हूं। यह कहा जा सकता है कि हम रिलैक्स और मस्ती–बातचीत करते हुए वर्कशॉप एक साथ करते थे। ये किसी वर्कशॉप की तरह नहीं बल्कि एक फ्रेंडली डिस्कशन की तरह था।

सालार में फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए आपने क्या–क्या किया?
ऐसा कुछ खास नहीं, प्रशांत चाह रहे थे कि मैं किरदार के लिए मसल्स बनाऊं तो मैंने उस हिसाब से खुद को बदला। ये आम–सा था बहुत ज्यादा ट्रांसफॉर्मेशन नहीं था, जो मैंने पिछले 21 साल में किया है।

फिल्म्स में जो वॉयलेंस दिखाया जाता है, उसे देखकर फैंस कितनी मैच्योर है?
बाहुबली सबसे बड़ी वॉयलेंस फिल्म है, जिसमें मैंने कुछ 100 लोगों को मारा होगा। लेकिन इसे बच्चों द्वारा भी पसंद किया गया था। अगर फिल्म के इमोशंस सही तरीके से नहीं जाते है तो वो सही नहीं लगेगा, लेकिन अगर आप इमोशंस को सही तरह लेते हैं तो वो सही होगा। जैसे बाहुबली में वॉर है, वॉर में आप क्या करेंगे आप वहां कोई खेल नहीं खेल सकते बल्कि आपको वहां किसी को मारना ही होगा। अगर आपने वॉर लिखा है तो आपको वैसा करना होगा। ये भी ऐसी फिल्म है जिसकी प्रॉपर मीनिंग है।

कौन सी चीज नॉर्थ और साउथ की फिल्म के फर्क को डिफाइन करती है?
मुझे ज्यादा फर्क नजर नहीं आता, मैंने एक हिंदी फिल्म की है आदिपुरुष। ओम रावत की आदिपुरुष को लेकर प्लानिंग बहुत अच्छी थी वहीं साउथ में हम शूट के दौरान ही चीजें प्लान करते हैं तो शायद मैंने एक ही फिल्म की है इसलिए मुझे ज्यादा पता नहीं है।

फिल्म में आपकी ऑडियंस किस तरह के प्रभास से मिलेगी?
डेफिनेटली इस बार वो प्रॉपर मास कैरेक्टर देखेंगे। तेलुगु में ऑडियंस पहले भी देख चुकी है लेकिन मलयालम, कन्नड़, हिंदी और तमिल में उन्हें प्रॉपर मास कैरेक्टर देखने मिलेगा। एक्शन सभी ने भले देखा है लेकिन ये प्रॉपर मास कैरेक्टर होने वाला है। पहले तेलुगु ऑडियंस थी तो मैं उनके लिए ही रिस्पांसिबल था, पर अब कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी महसूस होती है।

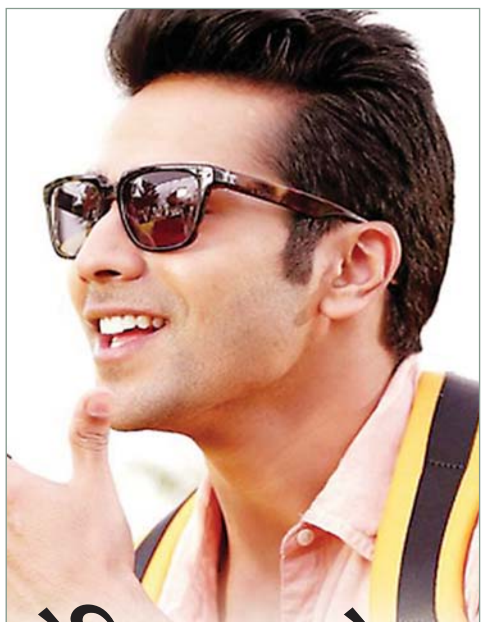

डेविड धवन के साथ चौथी फिल्म के लिए तैयार वरुण

हिट फिल्म मैं तेरा हीरो, जुड़वा 2 और कुली नं 1 के बाद वरुण धवन फिर एक बार पिता डेविड धवन के साथ काम करने वाले हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होने वाली है, जिसकी शूटिंग अगले साल अप्रैल से शुरू की जाएगी। फिल्म में वरुण के अलावा भी 2 हीरो और 2 बड़ी एक्ट्रेसेस होने वाली हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, वरुण धवन ने डेविड धवन की फिल्म साइन कर ली है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि डेविड धवन पिछले कुछ महीनों से एक अच्छे आइडिया की तलाश में थे। अब फाइनली उन्हें एक आइडिया पसंद आ गया है, जिसकी कहानी के लिए वो बेटे वरुण धवन को कास्ट कर चुके हैं। वरुण धवन की ये अपकमिंग फिल्म लव स्टोरी, कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरी होगी। इस फिल्म को अजब प्रेम की गजब कहानी, रेस, रेस 2, भूत पुलिस और मैरी क्रिसमस जैसी फिल्में प्रोड्यूस कर चुके रमेश तौरानी ही प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म टिप्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनेगी। फिल्म की शूटिंग भारत और विदेश की कुछ चुनिंदा लोकेशन पर होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2024 से शुरू होगी।

फिल्म के लिए 2 बड़ी एक्ट्रेसेस की तलाश जारी है

फिल्म में वरुण धवन की कास्टिंग के बाद अब 2 ए–लिस्टर्स एक्ट्रेसेस की कास्टिंग बची हुई है। इस फिल्म में वरुण के साथ 2 अन्य हीरो भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म को अगले साल के आखिर में या 2025 के शुरुआती महीनों में रिलीज किया जा सकता है।

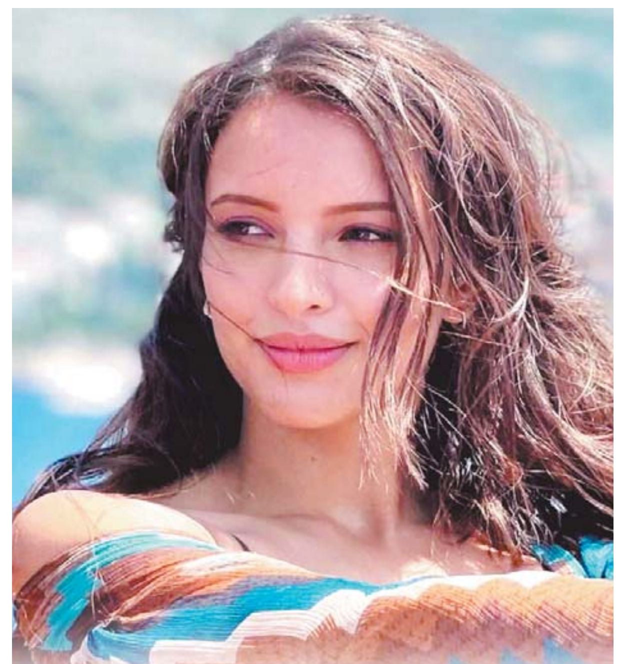

अब प्रभास संग रोमांस करेंगी तृप्ति डिमरी!

फिल्म एनिमल में जबरदस्त इंटीमेट सीन्स देने वाली एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं। उन्होंने अपने कैमियो मात्र से ही रिश्मिका मंदाना को टक्कर दे दी। बुलबुल और कला में दमदार रोल्स करने के बाद वह संदीप रेड्डी वांगा के प्रोजेक्ट से भी चमक उठीं। हालांकि कारवां यहीं नहीं रुका। उनके हाथ दो बड़े एक्टर के साथ काम करने का मौका लगा है। पर्दे पर तो वह रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। अब वह साउथ और बॉलीवुड के दो नामी कलाकारों के साथ भी रोमांस करती दिखेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृप्ति डिमरी अब अपने से 15 साल बड़े प्रभास संग स्क्रीन शेयर करेंगी। उन्हें एक्टर के साथ काम करने का मौका किसी दूसरे डायरेक्टर ने नहीं, बल्कि खुद संदीप रेड्डी वांगा ने दिया है। जहां पहले उन्होंने कैमियो किया था। वहीं अब वह उनकी अगली मूवी स्प्रिट में बाहुबली के साथ नजर आएंगी। जबकि कुछ इस खबर को झुठला रहे हैं। दावा है कि तृप्ति एनिमल पार्क में होंगी। ये कंफर्म है लेकिन अभी स्प्रिट की कास्टिंग का कुछ पता नहीं है। साथ ही डायरेक्टर ने स्क्रिप्टिंग भी पूरी नहीं की है। ऐसे में तृप्ति को कास्ट करने की खबर सही नहीं है।

मायके में शिफ्ट हुई ऐश्वर्या राय! सास और पति से बढ़ी दूरियां

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच तनाव की खबरें लगातार आ रही है। कहा जा रहा है कि दोनों के बीच ठीक नहीं चल रहा है। अब एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा जा रहा है कि ये कंफर्म है कि मियां–बीवी के बीच सच में ठीक नहीं है। बहूरानी ऐश्वर्या का सासु मां जया बच्चन के साथ भी सबकुछ ठीक नहीं है। पिछले काफी दिनों से बच्चन परिवार में तनाव की खबरें सामने आ रही है। बच्चन परिवार के इकलौते बेटे अभिषेक बच्चन और बहू ऐश्वर्या राय बच्चन के बीच में खटपट की चर्चा लगातार हो रही है। अब नया अपडेट ये सामने आया है कि ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच तनाव बढ़ गया है। संभव है कि दोनों अलग होने का फैसला भी ले सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फैमिली से जुड़े लोगों ने बताया है कि ऐश्वर्या और अभिषेक अभी तक बेटी आराध्या की वजह से साथ थे। वरना सालों से दोनों के बीच चीजें बिगड़ चुकी हैं। लेकिन अब मामला हाथ से निकल चुका है और दोनों बड़ा कदम भी उठा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच दूरियां काफी बढ़ चुकी हैं। दोनों सिर्फ और सिर्फ बेटी की वजह से अब तक साथ थे। मगर अब चीजें इतनी बिगड़ गई हैं कि दोनों की पर्सनल लाइफ इस तरह मीडिया में भी आ गई है। इतना ही नहीं, रिपोर्ट का ये भी दावा है कि ऐश्वर्या राय बच्चन परिवार के घर से भी दूर रह रही हैं। वह इन दिनों अपनी मां के साथ रह रही हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

ऐश्वर्या की सास से नहीं बनती?

रिपोर्ट के अनुसार, ऐश्वर्या राय बच्चन का रिश्ता सासु मां जया बच्चन के साथ भी कुछ खास नहीं है। दोनों एक दूसरे से बातचीत भी नहीं करते हैं। इन झगड़ों में हमेशा अभिषेक ने पैरेंट्स का साथ दिया है। ऐश्वर्या और उनके पति में इन वजहों से झगड़े बढ़ गए हैं।

बेटी के नाम किया अमिताभ बच्चन ने बंगला

इन दिनों अभिषेक बच्चन की बहन श्वेता बच्चन भी अब जलसा वाले घर में शिफ्ट हो चुकी हैं। हाल में ही अमिताभ बच्चन ने ये घर बेटी के नाम कर दिया है। जब से बिग बी ने ये फैसला लिया है, तभी से ऐश्वर्या–अभिषेक के तनाव की खबरें भी तेजी से आ रही है।

कर्मा कॉलिंग में नए अवतार में दिखेंगी अभिनेत्री रवीना टंडन

केजीएफ – चैप्टर 2 में अभिनय करने वाली अभिनेत्री रवीना टंडन जल्द ही स्ट्रीमिंग सीरीज कर्मा कॉलिंग में नजर आएंगी। वह इसमें धोखे और विश्वासघात से भरी चकाचौंध और ग्लैमर की दुनिया में इंद्राणी कोठारी की भूमिका निभाएंगी। यह सीरीज अमेरिकी मूल सीरीज रिवेंज पर आधारित है, जो 2011–2015 तक प्रसारित हुई थी। सीरीज के बारे में बात करते हुए रवीना टंडन ने कहा, इंद्राणी कोठारी का मानना है कि दुनिया उनका मंच है। मैंने बहुत लंबे समय से ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया है। कर्मा कॉलिंग निश्चित रूप से जो दिखता है, उससे कहीं अधिक है और यह अमीरों की दुनिया के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करता है। इंद्राणी की भूमिका निभाने से मुझे एक अभिनेत्री के रूप में खुद को और अधिक तलाशने में मदद मिली। यह पहले कभी नहीं देखी गई और पहले कभी नहीं की गई भूमिका है और मैं दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रही हूं। रुचि नारायण के साथ सहयोग करना असाधारण रहा है। निर्देशक रुचि नारायण ने कहा, कर्मा कॉलिंग बेहद अमीर और संपन्न कोठारी परिवार और उनकी दुनिया में उनके इर्द–गिर्द रची गई साजिशों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में भव्यता और ग्लैमरस दृष्टिकोण है, जिसकी कहानी बदला, धोखे, विश्वासघात को बुनती है और कोठारी परिवार के अनुभवों को भी दर्शाती है। सीरीज निश्चित रूप से आपके लिए आनंददायक होगी और आपको और अधिक देखने के लिए लालायित कर देगी। रवीना टंडन और डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ सहयोग करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। आर.ए.टी फिल्म्स द्वारा निर्मित कर्मा कॉलिंग 26 जनवरी, 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

आयुष्मान ने 2023 में पेशेवर ऊंचाइयों, व्यक्तिगत कमियों पर की खुलकर बात

पेशेवर तौर पर यह साल बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना के लिए शानदार रहा। लेकिन उनका कहना है कि व्यक्तिगत क्षति के कारण 2023 उनके लिए भावनाओं का मिश्रण रहा। आयुष्मान ने कहा, पेशेवर तौर पर 2023 बहुत खास था और इसने मुझे बहुत प्यार और सम्मान दिया। मेरी सिनेमाई पसंद के लिए प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन द्वारा फिर से सम्मानित किया जाना वास्तव में विनम्र था। मैंने गर्व से एक ऐसे कार्यक्रम में विश्व स्तर पर भारत और भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व किया, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा व्यक्तिगत मील का पत्थर है। आगे कहा, एक भारतीय के रूप में, मुझे बहुत खुशी हुई कि हमारी संस्कृति और हमारा सिनेमा जोर–शोर से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और दुनिया के हर कोने में इसका जश्न मनाया जा रहा है। तीन साल में दो बार टाइम द्वारा पहचाना जाना मेरे लिए एक अविश्वसनीय एहसास है। यह वह चीज है जिससे सपने बनते हैं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि वे मानते हैं कि मेरा काम सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहा है। आयुष्मान के लिए 2023 एकदम सही था क्योंकि उन्होंने फिर से ड्रीम गर्ल 2 दी। उन्होंने कहा, बॉक्स ऑफिस की सफलता से ज्यादा स्वादिष्ट कुछ भी नहीं है और मुझे खुशी है कि ड्रीम गर्ल 2 ने मुझे एक नाटकीय हिट दी, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। अभिनेता के रूप में, हम हर शुक्रवार को जीते और मरते हैं और मुझे खुशी है कि मैं ड्रीम गर्ल 2 की रिलीज के शुक्रवार का जश्न मना सका। 2023 में यूनिसेफ ने उन्हें एक युवा आइकन के रूप में मान्यता दी जो भारत के लिए सकारात्मक बदलाव ला सकता है। वह कहते हैं, मैंने हमेशा अपना योगदान देने और विशेष रूप से बच्चों के अधिकारों का समर्थन करने के लिए अपनी आवाज का उपयोग करने की कोशिश की है। इस वर्ष यूनिसेफ के राष्ट्रीय राजदूत के रूप में नियुक्त होना और इस संगठन के भीतर आगे बढ़ना आश्चर्यजनक था जो दुनिया भर में लाखों लोगों की सहायता कर रहा है और उनके जीवन में बदलाव ला रहा है। इस साल आयुष्मान को मिली तमाम सफलताओं के बावजूद उन्हें एक बड़ी व्यक्तिगत क्षति भी हुई। उन्होंने अपने पिता को खो दिया, एक खालीपन जिसे वह महसूस करते है कि वह कभी नहीं भर पाएगा।

दिनेश विजान ने फिर मिलाया नेटफ्लिक्स से हाथ, सीधे ओटीटी पर प्रदर्शित होगी मर्डर मुबारक

फिल्म निर्देशक होमी अदजानिया ने लंबे समय से चल रही अपनी बहुचर्चित फिल्म मर्डर मुबारक की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म की शूटिंग दिल्ली में चल रही थी। फिल्म मेकर्स ने इसी जानकारी सोशल मीडिया पर भी दी थी। अब दर्शकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। अब खबर आ रही है कि निर्माता दिनेश विजान और नेटफ्लिक्स इंडिया मर्डर मुबारक के लिए एक बार फिर सहयोग करेंगे। जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

चोर निकल के भागा ने हासिल किया पहला स्थान
यामी गौतम और सनी कौशल की मुख्य भूमिका वाली मैडॉक फिल्म्स की चोर निकल के भागा 2023 में नंबर 1 सबसे ज्यादा देखी जाने वाली मूल फिल्म और नेटफ्लिक्स पर दूसरी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है, जो अच्छी कहानी के लिए जानी जाती है। दिनेश विजान अच्छे कंटेंट का समर्थन करने के लिए जाने जाते हैं। निर्माता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कंटेंट ही राजा है।

ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म मर्डर मुबारक
गौरतलब है कि आरआरआर और जाने जां जैसी बड़ी फिल्मों को पछाड़ते हुए, चोर निकल के भागा इस साल नंबर 1 सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म के रूप में रैंकिंग में है। ज्ञातव्य है कि मर्डर मुबारक में सारा अली खान लीड रोल में हैं। वहीं, दर्शकों के लिए एक अच्छी खबर यह है कि करिश्मा कपूर भी फिल्म में हैं। वे लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर दिखेगी। फैंस भी अभिनेत्री को एक बार फिर स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

करिश्मा कपूर करेंगी कमबैक
फिल्म में संजय कपूर, विजय वर्मा और भी प्रमुख किरदारों में हैं। करिश्मा कपूर ने साल 2012 में डेंजरस इश्क से कम बैक किया था। हालांकि, यह फिल्म चली नहीं लेकिन करिश्मा के लिए दोबारा से एक्टिंग के रास्ते जरूर खोल दिए। इस मूवी के बाद एक्ट्रेस मर्डर मुबारक में दिखाई देने वाली हैं।

'विकसित भारत @2047 - युवा की आवाज' के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का किया गया आयोजन

विवि के देहरा में प्रतियोगिता, छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर लिया भाग ; दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केंद्र- योग अध्ययन केंद्र में भी कार्यक्रम

शिमला। विकसित भारत @2047 - युवा की आवाज कार्यक्रम का देशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग की ओर से ÷ विकसित भारतञ्च2047÷ दृष्टिकोण को अमली जामा पहनाने की दिशा में सफल शुरुआत की। विभाग के विद्यार्थियों के लिए विकसित भारत ञ्च2047 - युवा की आवाज के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का किया गया। प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा बनाये गए पोस्टर में विकसित भारत ञ्च2047' पर भारतीय परिवेश कैसा रहेगा, विकसित भारतञ्च2047 का उद्देश्य आजादी के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस विजन में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलु को चित्रित किया गया है । पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन में अर्थशात्र विभाग अवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग के निर्देशक/अध्यक्ष प्रो. संजीत सिंह तथा समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष डा. शशि पूनम, विभाग अध्यक्ष प्रो. निरुपमा सिंह, डॉ. उज्ज्वल काडोदे आदि का विकसित भारत ञ्च2047 - युवा की आवाज पर जानकारी देकर प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

विभाग के संकाय सदस्यों में मनिष गोंड और दिनेश पाल भी उक्त प्रतियोगिता में मौजूद रहे। इसमें प्रतिभागी विधार्थियों में बी.एफ.ए (पेंटिंग) के विधार्थी सिद्धांत कुमार, जितेश प्रसाद, रजत कुमार, सुमित सडियल, सुकृति यादव, संदीप गोराई, मानवी, अमित कुमार, गोपाल शर्मा, अमर्त्य वर्मा, निखिल, राहुल कुमार, खुशी वर्मा, अनुराग शुक्ला और रितिका सरकार आदि ने भाग लिया। प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर प्रोत्साहित भी किया जाएगा। वहीं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में ÷विकसित भारत ञ्च2047÷ के अन्तर्गत दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केंद्र और योग अध्ययन केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को देखते हुए शोधार्थियों और शिक्षार्थियों को उन पांच बिन्दुओं से अवगत करवाया, जिसमें सशक्त भारतीय, सम्पन्न और सतत आर्थिकी , नवाचार विज्ञान और प्राद्यौगिकी, सुशासन और सुरक्षा जैसे विषयों को डॉ. इन्द्रसिंह ठाकुर ने साझा किया। युवाओं को विकसित भारत ञ्च 2047 के लिए कैसे कार्य के प्रति जोड़ा जाए उक्त विषय को पॉवर पॉइंट प्रस्तुति से समक्ष रखा।

पांच महीने से नहीं मिला मानदेय, 20 हजार आशा वर्कर 19 दिसंबर को करेंगी प्रदर्शन; सरकार को दिया अल्टीमेटम

करनाल, एजेंसी। प्रदेशभर की 20 हजार आशा वर्करों ने एलान किया है कि यदि 18 दिसंबर तक विभाग ने पांच महीने का मानदेय खाते में नहीं डाला तो 19 दिसंबर को करनाल सहित प्रदेश के सभी जिलों में सिविल सर्जन कार्यालय पर प्रदर्शन किए जाएंगे।

करनाल में भी इसे लेकर सिविल सर्जन के माध्यम से प्रदर्शन का नोटिस दिया गया। जिला प्रधान कविता, सचिव सुदेश रानी उपप्रधान नीरू ने बताया कि आठ अगस्त से 19 अक्टूबर तक मजबूरन 73 दिन की हड़ताल की गई। लेकिन आशा वर्करों के आंदोलन को सरकार की ओर से अनदेखा किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सारे कामकाज ठप हो जाने के बाद सरकार और विभाग ने आशा वर्कर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता का दौर शुरू किया।

मुख्यमंत्री के साथ समझौते को लगभग दो महीने हो गए हैं। अभी तक घोषित मांगों का नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है। पिछले पांच महीनों से आशा वर्कर को पूरे प्रदेश में मानदेय भुगतान नहीं किया गया है। इसे लेकर 19 दिसंबर को प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगर में भारी धुंध व कोहरा, विजिबिलिटी हुई कम...स्कूली बच्चे ठंड से प्रभावित

यमुनानगर, एजेंसी। हरियाणा के यमुनानगर में आज भारी धुंध व कोहरे के चलते वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विजिबिलिटी इतनी कम है कि सामने से आता वाहन दिखाई नहीं दे रहा। वाहन चालक फाग लाइट जलाकर कछुआ चाल से वाहन चलाने को मजबूर हैं। स्कूल में जाने वाले बच्चे इस कड़कती ठंड में प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों को स्कूल ले जाने वाले वाहन चालक एवं अभिभावक भी इस भारी धुंध व कोहरे और ठंड के चलते परेशान हैं। यमुनानगर जिला एक तरफ यहां उत्तर प्रदेश के साथ लगता है वहीं दूसरी तरफ हिमाचल, उत्तराखंड के साथ सटा हुआ है। यमुनानगर से होकर ही यमुना बहती है। जिसके चलते ठंड का व धुंध का प्रकोप इस इलाके में अन्य इलाकों से अधिक रहता है। वाहन चालकों को भी सलाह दी जाती है कि मजबूरी में बाहर निकले तो सभी नियमों का पालन करें, फॉग लाइट जलाकर निकले।

सिविल अस्पताल में बत्ती गुल, फोन की लाइट व दीया जलाकर करवाई डिलीवरी

चरखी दादरी, एजेंसी। चरखी दादरी के सिविल अस्पताल में बिजली व्यवस्था बनी परेशानी का सबब बनी हुई है। अस्पताल में बीती रात हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। जिसमें फोन की टार्च व दीया की रोशनी में डिलीवरी की जा रही है। इतना ही नहीं बल्कि चिकित्सक मोबाइल टॉर्च की रोशनी में मरीजों की जांच कर परामर्श लिखते हैं। मामले को लेकर सिविल अस्पताल के डॉक्टरों से बात की गई तो उन्होंने कैमरे के सामने आने से मना कर दिया और जवाब देने से बचते नजर आए। महिला के परिजन सुंदरपाल ने बताया कि वे डिलीवरी के लिए सिविल अस्पताल में आए थे। देर रात को बिजली जाने के बाद चिकित्सकों ने परामर्श व डिलीवरी मोबाइल टार्च व दीया की रोशनी में की। अस्पताल में ना तो जरनेटर है और ना ही कोई विशेष सुविधाएं। उन्होंने बताया कि पहले से बिजली व्यवस्था व सुविधाओं की जानकारी होती तो वह निजी अस्पताल में लेकर जाते। बिजली नहीं होने से उन्हें काफी परेशानियां उठानी पड़ी।

रादौर के एसके मार्ग पर पलटी लकड़ी से लदी ट्राली, टला बड़ा हादसा

रादौर, एजेंसी। रादौर के बुबका चौक के पास एसके मार्ग पर आज बड़ा हादसा होने से उस वक्त बच गया, जब लकड़ी से लदी एक ट्राली का एक्सल टूट गया। जिससे ट्राली पलट जाने के कारण लकड़ी सड़क पर बिखर गई। जिस वक्त यह घटना हुई, उस वक्त ट्राली के साथ ही कार भी गुजर रही थी। गनीमत रही कि कार सवार बाल-बाल बच गए।स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि बेशक सड़क अभी नई ही बनी है, लेकिन सड़क के बीच मे थोड़ा एरिया कच्चा छोड़ा गया है, जिस कारण यहां आएदिन दुर्घटनाएं हो रही है। उन्होंने कहा कि इस बारे कई बार लोकनिर्माण विभाग को भी बोला गया है, लेकिन समस्या का समाधान नही हो रहा है। वहीं इस बारे लोक निर्माण विभाग के जेई इशांत शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह जगह पानी निकासी के पाइप के लिए छोड़ी गई है। इस जगह को टाइल्स लगाकर पक्का कर दिया जाएगा।

गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया कैदी, पुलिसकर्मियों को धक्का देकर हुआ फरार

अंबाला, एजेंसी। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया कैदी पुलिसकर्मियों को धक्का देकर फरार हो गया। कैदी की पहचान गगनदीप सिंह के रूप में हुई है। कैदी को रात करीब डेढ़ बजे अंबाला सेंट्रल जेल से लाया गया था। जेल में उसने कांच निगल लिया था। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल लाया गया. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी को पुलिस ने इलाज के लिए भर्ती कराया था लेकिन कुछ देर बाद वह पुलिसकर्मियों को धक्का देकर फरार हो गया। उन्होंने अस्पताल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी है। जानकारी के मुताबिक, उसे निहंग सिख बताया जा रहा है। इस मामले में अंबाला पुलिस ने चंडीगढ़ के सेक्टर-34 थाने में हाजिरी लगाई है। शिकायत के बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। आरोपी कैदी के खिलाफ पुलिस हिरासत से भागने का मामला भी दर्ज किया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस कैमरे की रिकार्डिंग के मुताबिक आरोपी कहां भाग गया है इसकी जांच की जा रही है।

नूंह के नियमित कर्मचारियों को मूल वेतन का 10 प्रतिशत, मंहगाई भता प्रदान किया जा रहा है : विज

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार के आदेश दिनांक 11.05.2023 के तहत शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हड, नूंह के सभी नियमित कर्मचारियों (उन लोगो को छोडकर जिन्हें गृह जिलें नूंह में स्थानान्तरित / प्रतिनियुक्त या सीधे भर्ती किया गया हैं) को मूल वेतन का 10त्न+ मंहगाई भता की दर से मेवात क्षेत्र भता दिनांक 01.04.2023 से प्रदान किया जा रहा हैं।विज आज यहां चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।उन्होंने बताया कि जूनियर रेजिडेंटस/ सीनियर रेजिडेंटस (कार्यकाल के पद है और नियमित कर्मचारियों के अंतर्गत नहीं आते हैं। उन्होंने बताया कि शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हड, नूंह द्वारा मरीजों को रेडियोग्रफिक, पैथोलोजिकल, बायोकेमिकल और माइकोबियल जांच सहित प्रयोगशाला जांच और श्वसन प्रयोगशाला, पल्मोनरी लैब, न्यूरोफिजियोलोजी लैब सहित विशेष प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मुफ्त इलाज योजना के तहत सभी मरीजों को मुफ्त दवायें उपलब्ध करवाई जाती हैं।

न डॉक्टर, न स्टाफ, कागजों में चल रहा अस्पताल, सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवाओं पर उठा ये सवाल

घरौंडा, एजेंसी। शहर का सब डिवीजन अस्पताल पिछले करीब आठ महीने से डाक्टरों और स्टाफ के बिना ही महज कागजों में चल रहा है। इससे हर किसी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड करके एसडीएच बनाया था। लेकिन करीब आठ माह बीत जाने के बाद भी मरीजों के लिए 50 बेड की सुविधा आज तक भी सुविधा नहीं हो पाई है।

इतना ही नहीं, अस्पताल में डाक्टरों की 17 पोस्ट खाली पड़ी है। घरौंडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कहने को अवश्य स्वास्थ्य विभाग के रिकार्ड में सब डिवीजन अस्पताल बन चुका है। विभाग ने आठ महीने पहले इस सरकारी अस्पताल का दर्जा बढ़ाया था लेकिन ये महज कागजों तक ही सीमित होकर रह गया है।

हाइवे पर स्थित इस सरकारी अस्पताल में सीएचसी स्तर की सुविधाएं भी पूरी नहीं हैं। सीएचसी मानकों के अनुसार अस्पताल में डाक्टरों की छह पोस्ट स्वीकृत हैं जबकि मौजूदा समय में अस्पताल में केवल एक स्थाई डाक्टर है जबकि तीन डेपुटेशन पर रखे गए है।

इसी तरह सीएचसी में मरीजों के लिए 30 बेड की सुविधा भी पूरी उपलब्ध नहीं है। वहीं इस सीएचसी से संबंधित पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी डाक्टरों के तीन पद खाली हैं। आलम यह है कि अस्पताल में मरीजों के लिए 50 बेड की सुविधा शुरू होनी थी लेकिन नहीं हो पाई।

एसडीएच में 20 डाक्टर, 20 नर्सिंग स्टाफ, दो एक्सरे टेक्नीशियन और तीन फार्मासिस्ट नियुक्त होने थे जबकि आज भी डाक्टर की 17 पोस्ट सहित अन्य पदों पर कोई नियुक्ति नही हुई।

कांटे के मुकाबले में बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष व महासचिव निर्वाचित, 9 वोट से आशीष बंसल हुए विजयी

गोहाना, एजेंसी। बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में आशीष बंसल उपाध्यक्ष और मनजीत लठवाल महासचिव के पद पर निर्वाचित हुए हैं। दोनों पदों के कांटे का मुकबला था। जिसमें आशीष बंसल ने अपने प्रतिद्वंदी शुभम जैन को 9 वोट से पराजित कर दिया। वहीं महासचिव पद के लिए मनजीत लठवाल ने हेमंत शर्मा को 51 वोट से मात दी। कुल 6 में से शेष 4 पदाधिकारी पहले ही निर्विरोध चुन लिए गए थे।

बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव आरओ के तौर पर सीनियर मोस्ट एडवोकेट इंद्र सिंह भनवाला ने करवाया। उनके साथ एआरओ रविंद्र शर्मा और संदीप सैनी थे। इस बार एसोसिएशन में कुल 376 मतदाता हैं। इनमें से तीन वोट इस आधार पर अवैध हो गए कि वे पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट की बार काउंसिल के स्थान पर दिल्ली हाई कोर्ट की बार काउंसिल से रजिस्टर्ड थे। वैध 373 में से 320 एडवोकेट्स ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उपाध्यक्ष पद के लिए 5 वोट रद्द हो गए। वैध 315 में से आशीष बंसल को 162 और शुभम जैन को 153 वोट मिले। इस तरह से बंसल 9 वोट के अंतर से विजयी हो गए। महासचिव के पद के लिए 7 वोट रद्द हुए। वैध 313 में जहां मनजीत लठवाल को 182 वोट मिले, वहीं हेमंत शर्मा के वोट 131 रहे। लठवाल 51 वोटों से जीत गए।

इस चुनाव के साथ इंद्र सिंह भनवाला ने भी एक रिकॉर्ड बना दिया है। वह 2017 से लगातार इस बार का वार्षिक चुनाव आरओ के तौर पर सफलता पूर्वक करवा रहे हैं। उन्होंने सबसे पहले 2017 और उसके बाद 2018 में चुनाव करवाया। कोरोना के चलते 2019 और 2020 में चुनाव नहीं हुआ। अब 2021 से लगातार तीन साल से भनवाला ही आरओ के तौर पर चुनाव करवाते आ रहे हैं। पांचों बार शांतिपूर्वक चुनाव इंद्र सिंह भनवाला की नायाब उपलब्धि रही है।

ताजा चुनाव में वीरेंद्र सिंह आर्य ने भी कीर्तिमान बनाया है। जहां वह 2021 और 2022 में विधिवत मतदान से विजयी हुए थे, वहीं इस बार लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुन लिए गए हैं। आर्य के साथ सह-सचिव पद के लिए गायत्री, कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप वर्मा और लाइब्रेरी इंचार्ज के लिए रविंद्र कुमार भी निर्विरोध चुने गए हैं। गोहाना बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में इस बार मतदान सिर्फ उपाध्यक्ष और महासचिव पद के लिए हुआ है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने दिखाया बड़ा दिल, नूंह हिंसा प्रभावितों को दिया 100-100 गज का प्लाट

नूंह, एजेंसी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम समूह) के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने शुक्रवार को कहा कि कुछ ताकतें हिंदुओं और मुसलमानों को एक दूसरे से अलग करने के लिए दंगा कराती हैं। इससे किसी एक खास समुदाय का नहीं बल्कि देश का नुकसान होता है। मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि आज़ादी के बाद हुए दंगों के असली दोषी को सज़ा दिलाने की कभी कोशिश नहीं की गई है। जमीयत प्रमुख ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में उन्होंने कुछ लोगों को 100-100 गज़ के प्लॉट और एक-एक लाख रुपये की रकम दी। जिनके घर जुलाई में यहां भड़की हिंसा के बाद प्रशासन ने तोड़ दिए थे।

मौलाना मदनी ने कहा, ÷दुनिया का हर मज़हब इंसानीयत, सहिष्णुता और भाईचारे का पैगाम देता है। इसलिए जो लोग धर्म का इस्तेमाल नफरत और हिंसा के लिए करते हैं, उन्हें अपने धर्म का सच्चा अनुयायी नहीं कहा जा सकता।÷ वर्ल्ड मुस्लिम लीग के सदस्य ने आरोप लगाया कि ÷ संवेदनशील मुद्दे पर शासकों को गंभीरता से विचार करना चाहिए मगर दुखद बात यह है कि राजनीतिक नेता सत्ता के लिए देश और जनता की समस्याओं के बजाय धर्म के आधार पर नफरत की राजनीति कर रहे हैं जो देश के लिए बहुत घातक है।

इसके साथ ही मदनी ने कहा, ÷दंगे होते नहीं हैं, बल्कि कराए जाते हैं और इसके पीछे उन ताक़तों का हाथ होता है जो नफ़रत के आधार पर हिंदुओं और मुसलमानों को एक दूसरे से अलग कर देना चाहती हैं।आज़ादी के बाद से देश भर में हज़ारों की संख्या में दंगे हो चुके हैं, मगर निराशाजनक बात यह है कि किसी एक दंगे में भी असली दोषी को सज़ा दिलाने की कोशिश नहीं की गई।

इस दौरान जमीयत के मौलाना साबिर कासमी इब्राहिम इजिनियर ने बताया कि फिरोज़पुर झिरका में दंगे के बाद प्रशासन ने यह कहते हुए अनेक घरों को बुलडोज़र से तोड़ दिया था कि ये वन विभाग की भूमि पर बने हैं, उनमें से 17 मुस्लिमों को पुनर्वास के लिए 100-100 गज के प्लॉट और एक-एक लाख रुपये दिए गए हैं जबकि तीन हिंदुओं को एक-एक लाख रुपये दिए गए हैं। मदनी ने कहा कि एक सर्वेक्षण कराया गया था जिसमें सामने आया कि ये बहुत गरीब हैं और उनके पास अपनी कोई जमीन नहीं है और इस आधार पर उनका चयन किया गया।

कार्यक्रम में मौलाना मदनी से एक लाख रुपये की राशि का चेक लेने के बाद रामपाल (42) ने कहा कि वह अपनी पत्नी और पांच बच्चों के साथ दूध की घाटी में एक पहाड़ी की तलहटी पर रहते थे, लेकिन जुलाई में हुई हिंसा के बाद प्रशासन ने उनका घर तोड़ दिया।दिहाड़ी मजदूरी करने वाले रामपाल ने कहा कि उनका कोई कसूर नहीं था, फिर भी प्रशासन ने उन्हें बेघर कर दिया और उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं 28 वर्षीय जोगिंदर ने कहा कि कुछ महीने पहले हुए झगड़े के बाद उनका घर प्रशासन ने बिना नोटिस दिए तोड़ दिया था और आज उन्हें एक लाख रुपये मिले हैं।

गीता जयंती महोत्सव में शामिल होंगे उपराष्ट्रपति धनखड़, पहले आएंगे अंबाला एयरफोर्स स्टेशन; धारा 144 लागू

अंबाला, एजेंसी। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 17 दिसंबर को अंबाला छावनी एयरफोर्स स्टेशन पर आगमन को लेकर डीसी डॉ. शालीन ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में एयरफोर्स, पुलिस विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक ली।

उन्होंने कानून व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टिगत अधिकारियों की जिम्मेवारी तय करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि 17 दिसंबर को उपराष्टपति दिल्ली से हवाई मार्ग से अंबाला छावनी एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेगे और वे यहां से हवाई मार्ग से कुरूक्षेत्र में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में पहुंचेंगे।

उन्होंने बताया कि उनके एयरफोर्स स्टेशन अंबाला छावनी में आगमन को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था व अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के दृष्टिगत अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने यह भी बताया कि इस विषय के तहत सुरक्षा की दृष्टि से धारा 144 के आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेशों के अनुसार 17 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से रात्रि 9 बजे तक पूरे जिले को नो फ्लाईंग जोन एरिया घोषित किया गया है जिसके तहत किसी भी प्रकार के ड्रोन इत्यादि को उड़ाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। आदेशों की अवहेलना करने पर धारा 188 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बैठक में एसपी जशनदीप सिंह रंधावा, एसडीएम अंबाला छावनी लक्षित सरीन, एसडीएम अंबाला शहर दर्शन कुमार, एयरफोर्स से शैलेंद्र डी, डीएसपी आशीष चौधरी, डीएसपी नरेंद्र श्योकंद, डा. बलविंद्र कौर आदि मौजूद रहे।

पैसे ने बेटे को बनाया मां का हत्यारा, शव सूटकेस में डालकर ट्रेन से पहुंचा प्रयागराज

हांसी, एजेंसी। जिसने 9 महीने कोख में पाला, उंगली पकड़कर चलना सिखाया, उस मां से ज्यादा बेटे को पैसा प्यारा हो गया। वह पैसे के लिए हैवान तक बन गया। दरअसल हरियाणा के हिसार से मां-बेटे के रिश्ते को तार-तार करने वाला मामला सामने आया है। बेटे ने महज कुछ पैसों के लिए अपनी ही मां की हत्या कर दी।

दरअसल बता दें कि हांसी की विकास नगर कॉलोनी में मां ने अपने बेटे को पांच हजार रुपए देने से इंकार कर दिया तो बेटे ने उसकी गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। मां की हत्या के बाद आरोपित मां के शव को सूटकेस में डालकर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंच गया। दारागंज थाने की पुलिस ने युवक को सूटकेस में अपनी मां की लाश के साथ गिरफ्तार किया है। दारागंज थाने पुलिस रात में संगम की तरफ गई तो वहां एक युवक सूटकेस खींचकर ले जाता दिखा। वह पुलिस को देखकर घबराए तो उसे हिरासत में लेकर पुलिस ने सूटकेस खोला तो उसमें महिला की लाश थी। पूछताछ में पता चला कि पकड़ा गया युवक हिमांशु कुमार बिहार में गोपालगंज जनपद का रहने वाला है। यूपी पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है। यूपी पुलिस ने मामले की जांच के लिए हांसी पुलिस से संपर्क किया है। यूपी पुलिस हांसी आकर जहां पर आरोपी युवक व उसकी मां किराए पर रहती थी पूरी जानकारी जुटाएगी।

विकास नगर निवासी रेखा ने बताया कि एक सप्ताह पहले ही हिमांशु और उसकी मां प्रतिभा किराए पर कमरा लेने के लिए आए थे। घर पर मेहमान आए हुए थे इसलिए उसके हिमांशु को दो दिन बाद मिलने की बात कही थी। रेखा ने बताया कि अगले ही दिन शाम को हिमांशु और उसकी मां अपना सामान लेकर उसके घर आ गए। हिमांशु और उसकी मां ने रोते हुए उसे बताया कि मकान मालिक ने उनका कमरा खाली करवा दिया। जिसके कारण अब रात को रहने के लिए उनके पास कोई ठिकाना नहीं है। तरस खा कर रेखा ने उन्हें रात में रूकने के लिए कमरा दे दिया और सुबह उनसे उनकी आई डी देने के लिए कह दिया। बार-बार आई डी मांगने पर भी हिमांशु और उनकी मां ने उन्हें आई डी नहीं दी। 13 दिसंबर को जब रेखा अपने काम से वापिस घर लौटी तो ऊपर कमरे पर ताला लगा हुआ था। देर रात भी किराएदारों के वापिस न आने पर उन्हें फोन लगाया गया तो फोन रिसीव नहीं किया। रेखा ने बताया कि वीरवार शाम को जब दोबारा फोन लगाया तो हिमांशु ने फोन उठाया। जिस पर उसने पेपर होने की बात कही। रेखा ने जब उसकी मां से बात करवाने की बात कही तो उसने बात टाल दी। रेखा ने बताया कि रात को करीब दो बजे उसके पास यूपी पुलिस का फोन आया। पुलिस ने उसे बताया कि हिमांशु ने उसकी मां की हत्या कर दी है और वह उसकी लाश के साथ पकड़ा गया है।

मां की हत्या के बाद आरोपी बेटा अपनी मां के शव का ठिकाने लगाना चाहता था। जिसके चलते वह अपनी मां के शव को सूटकेस में डालकर ट्रेन से 820 किलोमीटर का सफर तय कर प्रयागराज पहुंच गया। उसका इरादा मां के शव को सूटकेस से संगम में प्रवाहित करने का था। मगर इससे पहले ही वह पुलिस के हाथ लग गया। मां प्रतिभा वहां काटन मिल में काम करती थी। 13 दिसंबर की शाम उसने अपनी मां से पांच हजार रुपये मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर उसने गुस्से में गला दबाकर मां प्रतिभा को मार डाला। इसके बाद मां की लाश बड़े सूटकेस में कपड़ों के साथ भरकर वह हिसार जनपद के रेलवे स्टेशन पर पहुंचा।

मकान मालकिन रेखा के अनुसार मां-बेटा दोनों परेशान रहते थे। बेटा हिमांशु हांसी में ही एक लाइब्रेरी में पढ़ाई करता था और उसकी मां प्रतिभा हवन सामग्री बनाने का काम करती थी। उन्होंने बताया कि वह एक सप्ताह पहले उन्होंने किराए के लिए मकान लिया था। किराए के लिए दो हजार रुपए में बात हुई थी। परंतु अभी तक ना तो उन्होंने किसी प्रकार की आइडी दी थी और ना ही किराए का एडवांस जमा करवाया था।

साउथ अफ्रीका के साथ 3 मैचों की वनडे सीरीज आज से

● वनडे सीरीज नहीं खेलेंगे चाहर ● फैमिली इमरजेंसी के चलते हटे, फिटनेस टेस्ट क्लियर नहीं होने पर शमी दो टेस्ट से बाहर

मुंबई (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी वनडे और टेस्ट सीरीज से दो भारतीय तेज गेंदबाज बाहर हो गए हैं। वनडे टीम में शामिल दीपक चाहर फैमिली मेडिकल इमरजेंसी की वजह से वनडे नहीं खेलेंगे। हालांकि बीसीसीआई ने इमरजेंसी क्या है, इसके बारे में जानकारी नहीं दी। फिलहाल चाहर की जगह टीम में आकाश दीप को शामिल किया गया है। वहीं टेस्ट टीम में मोहम्मद शमी नजर नहीं आएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि, शमी ने फिटनेस टेस्ट क्लियर नहीं किया है। ऐसे में वह टीम का हिस्सा नहीं होंगे। इसी के साथ 50 ओवर के क्रिकेट में टंपरेरी रूप से भारत का कोचिंग स्टॉफ बदला गया है।राहुल द्रविड़ वाले कोचिंग स्टाफ की जगह इंडिया ए के कोच सितांशु कोटक और उनके सहयोगी स्टाफ को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। द्रविड़ और उनके सहयोगी स्टाफ टी-20 सीरीज के बाद अब दौरे पर टेस्ट सीरीज की जिम्मेदारी संभालेंगे।टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे पर है। तीन टी-20 सीरीज के बाद अब भारत को 17 दिसंबर से तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। उसके बाद टीम इंडिया को दौरे की आखिरी में दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

मोहम्मद शमी का फिटनेस टेस्ट क्लियर नहीं – साउथ अफ्रीका दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल मोहम्मद शमी वनडे वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हो गए थे। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले वह मेडिकल टेस्ट क्लियर नहीं कर पाए। शमी वनडे वर्ल्ड कप में भारत के टॉप विकेट टेकर थे। उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे।

आखिरी दो वनडे नहीं खेलेंगे अय्यर – वहीं वनडे और टेस्ट टीम में शामिल बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पहले वनडे के बाद टेस्ट टीम के साथ जुड़ जाएंगे। वह आखिरी दो वनडे मैचों की सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

वनडे के लिए कोचिंग स्टाफ में बदलाव –बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार (17 दिसंबर) से खेली जाने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज से पहले कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव किया है। राहुल द्रविड़ वनडे सीरीज में टीम इंडिया के हेड कोच नहीं होंगे। इस सीरीज के लिए टीम इंडिया के पास नया कोचिंग स्टाफ होगा।

इंडिया ए के कोच सितांशु कोटक वनडे सीरीज के लिए चीफ कोच होंगे। वहीं नए कोचिंग स्टाफ में भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर अजय रात्रा को जोड़ा गया है जो फील्डिंग कोच की भूमिका निभाएंगे, जबकि राजीव दत्त गेंदबाजी कोच का रोल अदा करेंगे।

द्रविड़ टेस्ट पर करेंगे फोकस

वहीं द्रविड़ और उनके साथ कोचिंग स्टाफ में शामिल, बैटर विक्रम राठौड़, गेंदबाजी कोच श्री पारस म्हाम्ब्रे और फील्डिंग कोच श्री टी. दिलीप साउथ अफ्रीका के खिलाफ दौरे के आखिरी में प्रस्तावित दो टेस्ट मैचों की सीरीज पर फोकस करेंगे।

वनडे टीम: केएल राहुल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप।

टेस्ट टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान) और प्रसिद्ध कृष्णा।

रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाए जाने पर भारी बवाल

मुंबई इंडियंस की जर्सी में लगाई आग, लाखों फॉलोअर्स घटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने अपने सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा को हटा दिया है। फ्रेंचाइजी ने गुजरात टाइटंस से ट्रेड होकर आए हार्दिक पंड्या को अपना नया कप्तान नियुक्त किया है। सोशल मीडिया पर इसका गुस्सा साफ नजर आ रहा है। एक्स पर लगातार ट्रेंड कर रहा है। हार्दिक 2021 तक मुंबई का ही हिस्सा थे। रोहित शर्मा 2013 से ही मुंबई इंडियंस के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में टीम 5 बार चैंपियन बनी है। मुंबई इंडियंस को रोहित की वजह से ही भारी फैन फॉलोइंग मिली है।

फैन ने जलाई मुंबई इंडियंस की जर्सी

सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाए जाने की वजह से फैंस काफी गुस्सा हैं। एक फैन ने मुंबई इंडियंस की जर्सी में आग लगाते हुए वीडियो शेयर किया। वहीं एक मुंबई की कैप को पैर को कुचलने के बाद उसमें आग लगा रहा है। मुंबई के झंडे को भी फैंस आग के हवाले कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर 4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स घटे

मुंबई इंडियंस के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा जाने का असर दिख रहा है। हार्दिक को कप्तान बनाए जाने समय मुंबई के इंस्टाग्राम पर 13.2 मिलियन फॉलोअर्स थे। अभी 24 घंटे का समय भी नहीं हुआ है और मुंबई के फॉलोअर्स 12.8 मिलियन हो गए हैं। एक्स पर भी 8.6 मिलियन से मुंबई के फॉलोअर्स 8.2 मिलियन ही रह गए हैं। फैंस का गुस्सा देखकर अभी और भी फॉलोअर्स घंटे की उम्मीद की जा रही है।

क्या बोल रहे फैंस?

मुंबई इंडियंस के फैंस रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा जाने से ज्यादा उसके तरीके से नाराज हैं। फैंस का मानना है कि रोहित को जो रिस्पेक्ट मिलनी चाहिए थी वो नहीं मिली। फैंस का गुस्सा इसी वजह से और भी ज्यादा है। अभी तक रोहित शर्मा ने भी इसपर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अपने रिकॉर्ड की जगह हरमनप्रीत कौर ने टीम हित में लिया फैसला, कहा

फिफ्टी और सेंचुरी बनाने के और मौके मिलेंगे...

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम टेस्ट में कोई शतक या अर्धशतक नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में उनके पास पहली टेस्ट फिफ्टी लगाने का सुनहरा मौका था। वह दूसरे दिन स्टंप के समय 44 रन बनाकर नाबाद थीं। लेकिन तीसरे दिन भारतीय टीम बैटिंग के लिए ही नहीं उतरी। हरमनप्रीत कौर ने पारी घोषित करने का फैसला कर दिया। भारत ने इस मैच को 347 रनों के रिकॉर्ड अंतर से जीता। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को पहला अर्धशतक नहीं बनाने का कोई दुख नहीं है। मैच के बाद भारतीय कप्तान ने कहा, पहले 40 मिनट बहुत महत्वपूर्ण थे और हमने सोचा कि अगर हम 3-4 विकेट हासिल कर सकें, तो इससे हमें गेम जीतने में मदद मिल सकती है। व्यक्तिगत उपलब्धियां मेरे लिए टीम लक्ष्यों से कम महत्वपूर्ण हैं। मैं जानती हूं कि भविष्य में मुझे अर्धशतक और शतक बनाने के और मौके मिलेंगे।

सभी खिलाड़ियों को सराहा

34 वर्षीय कप्तान ने कहा कि उनके सभी खिलाड़ियों ने योजना के अनुसार अपनी भूमिका निभाई, जिससे भारत बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रहा। भारतीय कप्तान ने कहा- बहुत अच्छा लगता है, यह दिखाता है कि हम मैच कैसे जीत सकते हैं, सब कुछ योजना के अनुसार हुआ और इसका श्रेय टीम के प्रत्येक सदस्य को जाता है। प्रत्येक खिलाड़ी बल्लेबाज हो या गेंदबाज सभी ने अपनी भूमिका निभाई। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने लगातार दूसरे दिन गेंदबाजी में कमाल दिखाया जिससे भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को तीसरे दिन ही रिकॉर्ड 347 रन से करारी शिकस्त देकर इतिहास रचा। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी कल के स्कोर 6 विकेट पर 186 रन पर समाप्त घोषित करके इंग्लैंड के सामने 479 रन का असंभव लक्ष्य रखा। ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (32 रन देकर 4 विकेट) और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर (23 रन देकर तीन विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके इंग्लैंड को 131 रन पर ढेर कर दिया।

टेस्ट में 9 साल बाद जीती भारतीय महिला क्रिकेट टीम, वर्ल्ड रिकार्ड तोड़ा

● भारत ने इंग्लैंड को टेस्ट में 347 रनों से हराया ● दीप्ति शर्मा ने 9 विकेट लिए

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को टेस्ट मैच में हरा दिया है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले को भारतीय टीम ने 347 रनों के बड़े अंदर से अपने नाम किया। यह महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत भी है। भारतीय टीम को 9 साल बाद टेस्ट मैच में जीत मिली है। इस दौरान टीम ने दो ही मैच खेले थे और दोनों ड्रॉ रहे। भारतीय महिला टीम का यह 40वां टेस्ट था। अभी तक टीम को 6 जीत और 6 हार मिली है। 27 मैच ड्रॉ रहे।

महिला टेस्ट में रनों से सबसे बड़ी जीत

347 रन- भारत - इंग्लैंड, 2023-24

309 रन- श्रीलंका-पाकिस्तान, 1997-98

188 रन- न्यूजीलैंड - साउथ अफ्रीका, 1971-72

186 रन- ऑस्ट्रेलिया -इंग्लैंड, 1948-49

185 रन- इंग्लैंड - न्यूजीलैंड, 1948-49

एक ही सेशन में सिमटी पारी

इंग्लैंड की आखिरी पारी एक ही सेशन में सिमट गई। भारतीय टीम दूसरे दिन स्टंप के समय 6 विकेट पर 186 रन बना लिए थे। तीसरे दिन भारतीय टीम ने बल्लेबाजी नहीं करने का फैसला करते हुए पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 479 रनों का लक्ष्य रखा। लेकिन मेहमान टीम की पारी एक ही सेशन में 28वें ओवर में 131 रन पर सिमट गई। भारत के लिए स्पिनर दीप्ति शर्मा ने 4 जबकि पेस बॉलिंग ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकर ने 3 विकेट लिए।

दीप्ति शर्मा प्लेयर ऑफ द मैच

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। पहली पारी में उन्होंने इंग्लैंड की 5 बल्लेबाजों को आउट किया था। इसके साथ ही दीप्ति ने पहली पारी में अर्धशतक भी लगाया था। उन्होंने 113 गेंदों पर 10 चौके और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाए थे। दूसरी पारी में उन्होंने 18 गेंद पर 20 रनों का योगदान दिया।

मैच में क्या क्या हुआ?

भारतीय टीम ने पहली पारी में 428 रन बनाए। शुभा सतीश, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया और दीप्ति शर्मा ने अर्धशतक बनाए थे। इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 136 रनों पर सिमट गई। भारत ने दूसरी पारी 6 विकेट पर 186 रनों पर घोषित कर दी। दूसरी पारी में हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 44 रन बनाए। अब भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है।

वर्ल्ड कप के समय से चल रही थी रोहित शर्मा को हटाने की प्लानिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस द्वारा रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने के बाद इस वक्त काफी ज्यादा बवाल मचा हुआ है। मुंबई ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पंड्या को नया कप्तान घोषित किया है। इस बात से अधिक्तर फैंस नाराज हैं। हालांकि अब इस पूरे मामले को लेकर और खबरें सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा को इस सब के बारे में पहले ही बता दिया गया था।

वर्ल्ड कप के समय पर सब हो गया था साफ – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई इंडियंस ने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के शुरुआत में ही रोहित शर्मा को बता दिया था कि वह हार्दिक पंड्या को वापस बतौर कप्तान लाने की सोच रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया है कि हार्दिक पंड्या ने पहले ही मुंबई के ओनर्स को साफ कर दिया था, कि वह सिर्फ एक शर्त पर ही वापस मुंबई आएंगे। वो शर्त थी मुंबई के कप्तान बनने की। जी हां, हार्दिक ने कहा था कि अगर उनको मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया जाएगा तो ही वह वापस फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ेंगे।मुंबई के ओनर्स हार्दिक पंड्या की बात से सहमत हो गए और उन्होंने फिर यह बात रोहित शर्मा को वर्ल्ड कप 2023 के शुरुआत में बताई। इसके बाद हिटमैन ने यह फ्रेंचाइजी पर छोड़ दिया कि वह फ्यूचर को लेकर क्या फैसला लेना चाहते हैं। हुआ भी कुछ ऐसा ही। आईपीएल 2024 की रिटेंशन लिस्ट जारी हो गई थी। हार्दिक पंड्या को गुजरात टाइटंस ने बतौर कप्तान रिटेन कर लिया था। लेकिन इसके कुछ घंटे बाद खबर आती है कि हार्दिक पंड्या गुजरात से मुंबई में ट्रेड हो गए। वहीं अब आईपीएल 2024 के मिनी ऑक्शन से पहले उन्हें टीम का कप्तान भी बना दिया गया। बहरहाल, मुंबई के लिए और कितने सीजन रोहित शर्मा आईपीएल में खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा।

द्रविड़ या लक्ष्मण नहीं, साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया को मिला नया कोच सितांशु कोटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त साउथ अफ्रीका का दौरा कर रही है। दोनों देशों के बीच हाल ही में 3 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज खेली गई थी, जो 1-1 से ड्रॉ रही। वहीं अब इसके बाद साउथ अफ्रीका और भारत एक दूसरे से 3 मैच की वनडे सीरीज में भिड़ने वाले हैं। 17 दिसंबर से सीरीज का आगाज जोहानिसबर्ग में होगा। दूसरा वनडे 19 तो तीसरा वनडे 21 दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 2 मैच की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 26 दिसंबर से होगी। रोहित शर्मा को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। ऐसे में केएल राहुल टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। वहीं अब खबरें सामने आ रही हैं कि वनडे सीरीज में राहुल द्रविड़ टीम के साथ बतौर कोच नहीं जुड़े होंगे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने फैसला किया है कि राहुल द्रविड़ साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 मैच की वनडे सीरीज में भारत के साथ बतौर हेड कोच नहीं जुड़ेंगे। वह टेस्ट सीरीज से पहले प्रिटोरिया में खेले जाने वाले थ्री डे मैच पर नजर रखेंगे।

धोनी के योगदान के सम्मान में 'रिटायर' की गई 7 नंबर जर्सी : बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के भारतीय क्रिकेट में अपार योगदान के सम्मान में उनकी सात नंबर की जर्सी को 'रिटायर' करने का फैसला किया है। भारत के इस दिग्गज कप्तान ने देश की तरफ से अपना आखिरी मैच 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। उन्होंने 15 अगस्त 2020 को संन्यास लेने की घोषणा की और उसके बाद किसी भी अन्य खिलाड़ी ने सात नंबर की जर्सी नहीं पहनी। यहां तक की महान सचिन तेंदुलकर के 2013 में संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को छोड़कर उनकी 10 नंबर की जर्सी किसी खिलाड़ी ने नहीं पहनी थी।

ठाकुर ने श्रीलंका के खिलाफ 2017 में वनडे में पदार्पण के दौरान 10 नंबर की जर्सी पहनी थी लेकिन सोशल मीडिया पर इसके लिए उनकी जमकर खिंचाई हुई थी। इसके बाद किसी भी खिलाड़ी ने ऐसी जर्सी नहीं पहनी जिसके पीछे 10 नंबर लिखा हो। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया कि

धोनी की सात नंबर की जर्सी को 'रिटायर' करने का फैसला गुरुवार को किया गया।

शुक्ला ने कहा, 'वह महान खिलाड़ी हैं। उन्होंने भारतीय और विश्व क्रिकेट में अपार योगदान दिया है। बीसीसीआई ने उनके योगदान के सम्मान में सात नंबर को रिटायर करने का फैसला किया है। अन्य खेलों में भी दिग्गज खिलाड़ियों की जर्सी को 'रिटायर' करने का चलन रहा है। शिकागो बुल्स ने बास्केटबॉल के दिग्गज माइकल जॉर्डन की नंबर 23 जर्सी को उनके संन्यास लेने के बाद 'रिटायर' कर दिया था।

धोनी के समकालीन रहे विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने 2020 में विश्व कप विजेता कप्तान के संन्यास लेने के बाद सात नंबर की जर्सी को 'रिटायर' करने की मांग की थी। संयोग से कार्तिक और धोनी न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल के उस मैच में खेले थे जिसमें भारत को हार का सामना करना पड़ा था। कार्तिक ने तब पोस्ट किया था, 'उम्मीद है कि बीसीसीआई सफेद गेंद की क्रिकेट (सीमित ओवर) में सात नंबर की जर्सी को रिटायर कर देगा।

आईपीएल मिनी ऑक्शन 19 दिसंबर को, 77 स्लॉट भरे जाएंगे

गुजरात को हार्दिक का विकल्प चाहिए, केकेआर को सबसे ज्यादा 12 खिलाड़ियों की जरूरत

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल के 2024 सीजन से पहले मिनी-ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होगी। इसमें सभी 10 टीमें कुल 77 स्लॉट्स भरने के लिए उतरेंगी। इनमें 30 विदेशी स्लॉट्स भी हैं। नीलामी में 333 खिलाड़ी हिस्सेदारी करेंगे। इनमें से 214 भारतीय और 119 विदेशी खिलाड़ी हैं। ऑक्शन के लिए 116 कैप्ड, जबकि 215 अनकैप्ड ने रजिस्टर किया है। नीलामी में टीमों के पास खर्च करने के लिए कुल 262.95 करोड़ रुपए हैं, जो आईपीएल इतिहास में किसी मिनी-ऑक्शन के लिए सबसे बड़ा पर्स साइज है। इनमें गुजरात टाइटंस सर्वाधिक 38.15 करोड़ के पर्स के साथ नीलामी में शिरकत करेगी।

वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स (13.15 करोड़) के पास सबसे कम राशि है। सबसे बड़ी चुनौती कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने है। उसके पास 32.70 करोड़ रुपए शेष हैं और उसके 12 स्लॉट्स अभी खाली हैं। चेन्नई को 31.40 करोड़ रुपए के पर्स में 6 स्लॉट्स भरने हैं। एक टीम स्क्वॉड में कम से कम 18 और अधिकतम 25 खिलाड़ी रख सकती है, जिसमें 8 विदेशी हो सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स- स्लॉट्स-6 पर्स बाकी- 31.40 करोड़

चैम्पियन चेन्नई की टीम अंबाती रायडू के रिटायर होने के बाद रिप्लेसमेंट तलाश रही है। मिडिल ऑर्डर में पावर हिटर भारतीय बैटर की तलाश है। बचे 6 स्लॉट्स में टीम एक विदेशी तेज गेंदबाज या ऑलराउंडर को शामिल करना चाहेगी। टीम भारतीय विकेटकीपिंग विकल्प की ओर भी रुख कर सकती है।

मुंबई इंडियंस- स्लॉट्स-8 पर्स बाकी- 17.75 करोड़

मुंबई इंडियसं आईपीएल 2024 में नए कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ मैदान में उतरेगी। पिछले सीजन में रोहित शर्मा टीम के कप्तान थे। टीम अभी भी विदेशी ऑलराउंडर की तलाश में होगी। मुंबई के विजयी दौर का हिस्सा रहे पोलार्ड का उचित विकल्प नहीं मिला है। कैमरून ग्रीन को भी रिलीज कर दिया है। विदेशी तेज गेंदबाज के साथ एक विदेशी ऑलराउंडर अक्सर मुंबई का विनिंग कॉम्बिनेशन रहा है। टीम फिर से उसी स्किलसेट के खिलाड़ी तलाश रही है।

गुजरात टाइटंस- स्लॉट्स-8 पर्स बाकी- 38.15 करोड़

गुजरात टाइटंस ने अपने पहले सीजन 2022 में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में आईपीएल खिताब जीता था। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक का विकल्प तलाशना है। भारतीय सर्किट में इस स्किल के खिलाड़ी का मिलना मुश्किल है, ऐसे में टीम विदेशी का रुख कर सकती है। अलजारी को रिलीज करने के बाद विदेशी तेज गेंदबाज की तलाश में भी होगी। एक स्थान भारतीय विकेटकीपर को साहा के बैकअप के रूप में मिल सकता है।

कोलकाता- स्लॉट्स- 12 पर्स बाकी- 32.70 करोड़

आईपीएल2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स प्ले ऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी और वह सातवें स्थान पर थी। बची हुई राशि में कोलकाता को लगभग आधे बचे हुए स्लॉट्स भरने हैं। सबसे बड़ी तलाश तेज गेंदबाजों की है क्योंकि साउदी, फर्ग्युसन, उमेश यादव और शार्दुल को रिलीज कर दिया है। एक भारतीय विकेटकीपर और रसेल के बैकअप के रूप में विदेशी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत भी टीम में नजर आती है।

बेंगलुरू- स्लॉट्स बाकी-6 पर्स बाकी- 23.25 करोड़

आईपीएल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्ले ऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी और वह छठे स्थान पर थी। हेजलवुड, हसरंगा, हर्षल को रिलीज कर दिया। अब 6 स्लॉट्स में से 3 में इनके विकल्प तलाशने होंगे। ट्रेड किए ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को भी भारतीय फिनिशर या ऑलराउंडर से रिप्लेस करना होगा। विदेशी पेसर पर फोकस रहेगा, जो टॉपले का बैकअप हो और सिराज के साथ नई गेंद से गेंदबाजी कर सके।

हैदराबाद- स्लॉट्स-6 पर्स बाकी- 34 करोड़

आईपीएल 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद प्ले ऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी और वह 10वें स्थान पर थी। टीम ने सिर्फ 6 खिलाड़ियों को रिलीज किया, ऐसे में स्क्वाड लगभग तैयार नजर आती है। हालांकि, उसे कई पोजीशन पर बैकअप तलाशने हैं। सबसे बड़ी जरूरत एक विदेशी स्पिनर की लगती है क्योंकि आदिल रशीद और अकील हुसैन अब टीम में नहीं हैं। एक मुख्य विदेशी बल्लेबाज और विदेशी ऑलराउंडर भी चाहिए।

दिल्ली कैपिटल्स-स्लॉट्स-9 पर्स बाकी- 28.95 करोड़

आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स प्ले ऑफ में भी नहीं पहुंच पाई थी और वह 9वें स्थान पर थी। ऋषभपंत के खेलने पर संदेह है, ऐसे में टीम को एक भारतीय फिनिशर और विकेटकीपर बल्लेबाज की तलाश है। मिचेल मार्श के बैकअप के लिए विदेशी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को दल में शामिल करना टीम की कोशिश रहेगी। भारतीय तेज गेंदबाजी बैकअप और बल्लेबाज की भी खोज रहेगी।

पंजाब किंग्स-स्लॉट्स-8 पर्स बाकी- 29.10 करोड़

आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स आठवें स्थान पर थी। पंजाब ने नए सीजन से पहले फिनिशर बल्लेबाज शाहरुख खान को रिलीज कर दिया है। यह स्थान भरने के लिए उन्हें किसी भारतीय बल्लेबाजी ऑलराउंडर की जरूरत होगी। सैम करेन के बैकअप के रूप में विदेशी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर भी चाहिए। यह कमी स्पिन ऑलराउंडर से भी पूरी हो सकती है।

राजस्थान रॉयल्स-स्लॉट्स-8 पर्स बाकी- 14.50 करोड़

आईपीएल 2023 में राजस्थान रॉयल्स पांचवें स्थान पर थी। टीम नए सीजन से पहले संतुलित नजर आती है। बटलर, हेटमायर, संजू, यशस्वी जैसे मैच विनर्स मौजूद हैं। होल्डर को रिलीज करने के बाद विदेशी ऑलराउंडर की कमी है। बोल्ट के बैकअप के रूप में विदेशी तेज गेंदबाज भी चाहिए। पडीक्कल की जगह भारतीय बैटर और रूट के विकल्प के रूप में विदेशी बैटर ले सकती है।

लखनऊ- स्लॉट्स-6 पर्स बाकी-13.15 करोड़

देवदत्त पडीक्कल को शामिल कर ओपनिंग मजबूत की है। पेसर आवेश खान को रिलीज करने के बाद टीम एक भारतीय तेज गेंदबाज या भारतीय ऑलराउंडर को टीम में शामिल करना चाहेगी। मिडिल ऑर्डर में भारतीय बल्लेबाज की भी तलाश रहेगी। डेनियल सैम्स की कमी पूरी करने की भी कोशिश रहेगी।